राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 सूर्यकुमार यादव टी20 तो रोहित वनडे सीरीज में संभालेंगे ...

अमेरिका में बच्चे गोलीबारी में ज्यादा मरते हैं, ट्रंप पर हुए हमले के बाद ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 99 | नई दिल्ली, शनिवार, 20 जुलाई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

इसरो प्रमुख को पीएचडी की उपाधि मिली

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के परिसर में शुक्रवार आयोजित 61वें दीक्षांत समारोह में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस. सोमनाथ को मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गयी और कुल 2,636 छात्रों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गयी। इस अवसर पर छात्रों को (संयुक्त और दोहरी डिग्रियां सहित)3,016 डिग्रियां प्रदान की गईं। कुल छात्रों को 444 डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) को सम्मानित किया गया, जिनमें पीएचडी, विदेशी संस्थानों के साथ संयुक्त डिग्री पीएचडी और दोहरी डिग्री पीएचडी शामिल हैं। आईआईटी-मद्रास द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. ब्रायन के कोबिल्का थे जिन्हें रसायन विज्ञान में 2012 के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस समारोह की थीम होगी विकसित भारत

नई दिल्ली। इस साल 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की थीम विकसित भारत है, जो 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के केंद्र सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ए. भारत भूषण बाबू ने एक्स पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। प्रवक्ता ने लाल किले और विकसित भारत नारे को दर्शाने वाला एक पोस्टर भी साझा किया। वर्ष 2047 में भारत औपनिवेशिक शासन से अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष का जश्न मनाएगा। प्रवक्ता ने एक्स पर लिखा, स्वतंत्रता दिवस 2024 की थीम विकसित भारत है, जो 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

कार एवं ट्रक में टक्कर, छह लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान में बीकानेर जिले के महाजन थाना क्षेत्र में कार एवं ट्रक की टक्कर होने से दो महिलाओं एवं दो बच्चों सहित कार सवार छह लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के हैं तथा हरियाणा में डबावली तहसील के रहने वाले हैं। ये सभी लोग कार में सवार होकर बीकानेर की तरफ जा रहे थे कि गुरुवार रात को महाजन थाना क्षेत्र में भारत माला रोड के जैतपुर टोल प्लाजा के पास कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गयी। हादसे में कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना के बाद बीकानेर जिला कलेक्टर नम्रता एवं जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम सहित आला अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राबड़ी देवी विधान परिषद् में बनी नेता प्रतिपक्ष

पटना। मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले विधान परिषद् में नेता प्रतिपक्ष, सत्ताधारी दल के सचेतक, उप मुख्य सचेतक और उपनेता का मनोनयन कर दिया गया है। राबड़ी देवी को एक बार फिर नेता प्रतिपक्ष मनोनीत किया गया है। जबकि सत्तारूढ़ दल की ओर से जदयू एमएलसी नीरज कुमार और रीना देवी को सचेतक मनोनीत किया गया है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के संजय प्रकाश को सत्तारूढ़ दल का उप मुख्य सचेतक मनोनीत किया गया है। उधर जदयू के वरिष्ठ नेता ललन कुमार सर्राफ और भाजपा के राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता को सत्ताधारी दल के उपनेता के रूप में जिम्मेवारी दी गयी है। विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह के अनुमति के बाद बिहार विधान परिषद सचिवालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

कैबिनेट फैसला : पंचायतों में अब 15 लाख तक की योजनाओं का भी होगा टेंडर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुए राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। बैठक में कुल 27 एजेंडों पर मुहर लगी है। राज्य सरकार ने पंचायत स्तर पर होने वाले विकास कार्यों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने पंचायत निर्माण कार्य नियमावली को स्वीकृत दी है। सरकार के इस कदम से अब मुखिया और पंचायत सचिवों की मनमानी नहीं चलेगी। 15 लाख तक की योजनाओं का भी अब सरकार टेंडर करेगी। बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि नियमावली में यह प्रावधान किए गए हैं कि अब मुखिया और पंचायत सचिवों की मनमानी नहीं चलेगी। छोटे कार्यों के भी ठेकेदारों का पैनल बनेगा। बिड होगी और बिड में चयनित व्यक्ति को कार्य दिया जाएगा। दरअसल, बिहार में पंचायत स्तर पर कराए जाने वाले विकास कार्यों को पहले मुखिया और वार्ड सदस्य अपने स्तर से काम कराते थे।

विकास कार्यों में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगातार लग रहे थे। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आखिरकार नीतीश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने अब पंचायतों में होने वाले किसी भी विकास कार्य के लिए टेंडर जरूरी कर दिया है। बिना टेंडर की प्रक्रिया पूरी किए मुखिया और वार्ड

सदस्य कोई भी विकास का काम अपने स्तर से नहीं करा सकेंगे। बिहार सरकार ने पंचायत निर्माण कार्य मैनुअल बनाई है, जिसे कैबिनेट ने मंजूर कर लिया है। अब मुखिया या वार्ड सदस्य योजनाओं के कार्यान्वयन में मनमानी नहीं कर सकेंगे।

भागलपुर में तीसरे केंद्रीय विश्वविद्यालय खुलने का रास्ता साफ : राज्य के तीसरे केंद्रीय विश्वविद्यालय खुलने का रास्ता साफ हो गया। 205 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने के लिए 87.99करोड़ रुपये की मंजूरी मंत्रिमंडल ने दी है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि गया और मोतिहारी के बाद अब भागलपुर के विक्रमशिला में तीसरा विश्वविद्यालय बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसके साथ ही राज्य मंत्रिमंडल ने बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति 2024 भी स्वीकृत की है। इसके तहत बिहार में शूटिंग करने पर चार करोड़ रुपए तक का अनुदान सरकार देगी।

कृषि क्षेत्र में फैसला : कृषि क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए कैबिनेट ने दलहन फसलों के लिए प्रोत्साहन राशि को मंजूरी दी है। इसके तहत ह्यखाद्य एवं पोषण सुरक्षा दलहन योजनाह्ल के लिए 95 करोड़ 95 लाख 50 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा, मोटर वाहन अधिनियम 1994 में संशोधन करते हुए मोटर वाहन कर की अवधि एकमुश्त 14 वर्ष निर्धारित करने का फैसला लिया गया है। कुल मिलाकर, बिहार कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसले राज्य के विकास को गति देने और जनता के जीवन को आसान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसके अलावा राज्य के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को मिले सरकारी भवनों के नवीकरण की दो वर्ष की बाध्यता मंत्रिमंडल ने समाप्त कर दी है। जब तक पार्टी की मान्यता रहेगी भवन उनके पास रहेगा। कैबिनेट के फैसले के तहत बीऐच सीरीज की गाड़ियों का एकमुश्त 14 वर्षों के लिए निबंधन होगा।

38 जिलों में जिला परिषद की जमीन की लीज देने की नीति : इसके साथ ही राज्य के सभी 38 जिलों में जिला परिषद की जमीन को लीज पर देने के लिए नीति बना दी गई है। 30 से 50 साल यानी लॉन्ग टर्म नीति के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेनी होगी। कृषि भूमि की भी लीज बाजार मूल्य पर देनी होगी जो अधिकतम पांच सालों के लिए होगी।

मुख्यमंत्री ने की विधि व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए निर्देश

कानून व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता, अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही न हो : सीएम नीतीश

प्रातः किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में विधि व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही न बरतें। गश्ती में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें, रात्रि गश्ती और तेज करें।

रात्रि एवं पैदल गश्ती को और नभावी बनाने के लिये वरीय पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर रात्रि में स्वयं औचक निरीक्षण करें। कानून व्यवस्था को बनाये रखने में सभी पूरी तन्मयता से काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अपराध अनुसंधान कार्य में तेजी लाएं और इसे ससमय पूर्ण करें ताकि दोषियों पर जल्द कार्रवाई हो सके। कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये पुलिस और प्रशासन मुश्तैदी से कार्य करें तथा अपराध नियंत्रण हेतु पूरी सख्ती से कार्रवाई करें।

पुलिस कर्मियों की तेजी से की जाय बहाली : मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पुलिस की संख्या बढ़ाने के लिये विभिन्न श्रेणियों में 2,29,139 पद स्वीकृत किये जा चुके हैं। 1,06,436 पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। शेष रिक्त पदों पर बहाली शीघ्र करें। हमने वर्ष 2013 से ही पुलिस में महिलाओं के लिये 35 प्रतिशत आरक्षण का नावधान किया है। अभी बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या लगभग 30 हजार हो गयी है। बेहार पुलिस में महिलाओं की भागीदारी देश में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ने से थानों में जो महिलायें शिकायत लेकर आती हैं, उन्हें समस्याओं के समाधान में सहूलियत हो रही है और उनका आत्मविश्वास बढ़ रहा है। हर थाने में महिला पदाधिकारी एवं महिला पुलिस कर्मियों का पदस्थापन सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि थाने में आने वाले आगंतुकों के साथ अच्छा व्यवहार हो, उनकी बातें सुनी जाय, यह सुनिश्चित किया जाय।

ये रहें मौजूद : बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, पुलिस महानिदेशक आर एस भट्टी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, गृह विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, महद्य नषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पुलिस महानिदेशक सह अध्यक्ष बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड विनय कुमार, पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण प्रीता वर्मा, पुलिस महानिदेशक, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस ए के अंबेडकर, अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय जे एस गंगवार, अपर पुलिस महानिदेशक, विशेष शाखा श्री सुनील कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, विधि व्यवस्था, संजय सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, मद्य निषेध सुशील खोपड़े, अपर पुलिस महानिदेशक, अभियान श्री अमृत राज, गृह विभाग के सचिव प्रणव कुमार सहित पुलिस मुख्यालय के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रमण्डलीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, जिलों के जिलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक जुड़े हुये थे।

मुख्यमंत्री के निर्देश

- कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये पुलिस और प्रशासन मुश्तैदी से कार्य करें
- अपराध अनुसंधान कार्य में तेजी लाएं और इसे ससमय पूर्ण करें ताकि दोषियों पर जल्द कार्रवाई हो सके।
- गश्ती व्यवस्था को और सुदृढ़ करें, इसकी निरंतर निगरानी करते रहें।
- वरीय पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर रात्रि में स्वयं औचक निरीक्षण करें।
- कार्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों पर होगी सख्त कार्रवाई।
- अवैध खनन को रोकने के लिये सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित की जाय।

भूमि विवाद के निपटारे हेतु पूरी तरह रहें सतर्क

मुख्यमंत्री ने कहा कि 60 प्रतिशत से अधिक हत्याएं भूमि विवाद के कारण होती हैं, जो अब घट रहा है। जानकारी दी गयी है कि 46.69 प्रतिशत हो गया है, यह अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि लैंड सर्वे एंड सेटलमेंट का काम तेजी से पूर्ण हो ताकि भूमि विवाद को लेकर होनेवाली अपराध की घटनाओं में पूरी तरह कमी आए। शराबबंदी के क्रियान्वयन पर विशेष नजर रखें, गड़बड़ी करने वालों को चिहिनत कर कार्रवाई करें। इसमें जो पदाधिकारी संलिप्त हैं, उनको भी चिहिनत कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि अवैध खनन को रोकने के लिये सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि बिहार में साम्प्रदायिक सद्भाव का माहौल कायम है, इसके लिये पुलिसकर्मियों ने अच्छा काम किया है। प्रशासन और पुलिस पूरी मुश्तैदी के साथ असामाजिक तत्वों पर नजर बनाये रखें।

पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ कर रही है काम : इससे पहले बैठक में मुख्यमंत्री को गृह विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने गृह विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के संबंध में तथा पुलिस महानिदेशक आर एस भट्टी ने अपराध नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ लगातार काम कर रही है। अपराध अनुसंधान के कार्य भी तेजी से किए जा रहे हैं ताकि दोषियों को शीघ्र सजा मिल सके। भू समाधान पोर्टल के माध्यम से भूमि जनित मामलों का निरंतर अनुश्रवण कर समाधान किया जा रहा है, जिससे भूमि विवाद में कमी हो रही है। पहले जितनी हत्यायें होती थी, उसमें 60 प्रतिशत हत्यायें भूमि विवाद के कारण होती थी, अब यह घटकर 46.69 प्रतिशत हो गयी है। डायल 112 सेवा पूरे राज्य में 20 मिनट के अंदर लोगों को उपलब्ध होने से नागरिकों को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध हो रही है।

टेक्सटाइल इंवेस्टर्स मीट के दौरान बोलें केन्द्रीय मंत्री

बिहार में खुलेगा निफ्ट का एक और सेंटर : गिरिराज

प्रातः किरण

पटना। प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पटना के होटल ताज में दो दिवसीय टेक्सटाइल इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया गया। मीट के दूसरे दिन शुक्रवार को उद्घाटन सत्र के बाद केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में एक नया राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा भागलपुर, नवादा, नालंदा, गया और पटना में रेशम, हथकरघा और हस्तशिल्प के नए केंद्र खोले जाएंगे। साथ ही बेतिया और मुजफ्फरपुर के बाद बेगूसराय में भी बड़ा टेक्सटाइल क्लस्टर विकसित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि आगामी अक्टूबर से नवम्बर माह में बिहार में हैंडलूम का बड़ा एक्सपो आयोजित किया जायेगा। देश में कृषि के बाद सबसे सबसे बड़ा उद्योग देने वाला सेक्टर वस्त्र उद्योग ही है। इसमें करीब साढ़े चार करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में 50 लाख रोजगार और बढ़ाकर इस सेक्टर में पांच करोड़ रोजगार करने का लक्ष्य हासिल करेंगे। इस लक्ष्य को हासिल करने में बिहार की बड़ी भूमिका होगी। गिरिराज सिंह ने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में अभी 176 बिलियन डॉलर का कारोबार है। इसे बढ़ाकर 350 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें 100 बिलियन डॉलर का निर्यात करने का भी लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में बिहार टेक्सटाइल सेक्टर का बड़ा केंद्र बन कर उभरेगा। हमारे पास इस सेक्टर का सबसे बड़ा वर्क फोर्स है। इस मौके पर प्रदेश के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार की जीविका दीदियां टेक्सटाइल सेक्टर में बड़ा काम करेंगी। आगे जाकर वह ग्रोथ इंजन साबित होंगी। उनकी बदौलत बिहार की जीडीपी में उल्लेखनीय इजाफा होगा। टेक्सटाइल मीट के बारे में उन्होंने कहा कि बिहार में निवेश करने लोग आ रहे हैं। आज भी भी निवेशक आये हैं, उनमें 90 प्रतिशत पहली बार आये हैं। बिहार के विभिन्न जिलों में अनेक मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट में हमारे कारीगर टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अपना योगदान दे रहे हैं। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार को विकसित बिहार बनाने में मदद मिलेगा और मुख्यमंत्री का जो सपना है उसे पूरा किया जा रहा है बिहार की जनता के हित में रोजगार भी मिलेगा।

सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में रांची में एमबीबीएस की छात्रा से पूछताछ की : अधिकारी

रांची/एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो नीट-यूजी पेपर लीक मामले में राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान रिम्स के 2023 बैच की प्रथम वर्ष की एमबीबीएस छात्रा से पूछताछ कर रहा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। झारखंड सरकार के अधीन स्वायत्त संस्थान रिम्स को पहले राजेंद्र मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आरएमसीएच) के नाम से जाना जाता था। संस्थान के छात्रावास में रहने वाली छात्रा से इस सप्ताह की शुरूआत में सीबीआई ने पूछताछ के लिए संपर्क किया था। रिम्स के जनसंपर्क अधिकारी राजीव रंजन ने बताया, सीबीआई की टीम प्रथम वर्ष की छात्रा से पूछताछ कर रही है। टीम ने बुधवार को अस्पताल प्रबंधन से संपर्क कर कहा कि वे उससे नीट पेपर लीक के सिलसिले में पूछताछ करना चाहते हैं। प्रबंधन ने टीम को पूरा सहयोग दिया। बृहस्पतिवार को भी उन्होंने उससे पूछताछ की और कहा कि आगे भी पूछताछ की जाएगी।

लिखित दस्तावेज मिलने के बाद छात्रों पर होगी कार्रवाई : जी के पाल

पटना एम्स के 4 एमबीबीएस छात्रों की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी के बाद अस्पताल के कार्यकारी निदेशक जी के पाल ने शुक्रवार को एमबीबीएस और नर्सिंग छात्रों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में जी के पाल ने छात्रों से दो टूक में कहा कि एम्स पटना भविष्य में इस तरह के दुर्व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेगा। डॉ. जी के पाल ने एम्स पटना के सभी सदस्यों की भलाई के लिए अपना समर्पण दोहराया, छात्रों से अपनी पढ़ाई पर

ध्यान केंद्रित करने और एम्स पटना को विश्व स्तर पर प्रमुख संस्थान बनाने में योगदान देने का आग्रह किया। वहीं, डॉ. पाल ने सभी छात्रों को आश्वासन दिया कि जब तक सीबीआई कार्यालय से लिखित दस्तावेज प्राप्त नहीं हो जाते तब तक निलंबन के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। आगे उन्होंने छात्रों को मामले की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई 2024 की दोपहर को, सीबीआई टीम ने एम्स पटना परिसर से चंदन कुमार, उसके बाद राहुल आनंद और करण जैन से पूछताछ शुरू की। उस शाम बाद में, एनईईटी यूजी परीक्षा घोटाले के संबंध में जांच में सहयोग करने के लिए, सीबीआई अधिकारियों और एम्स पटना के वार्डन के अनुरोध के अनुसार, कुमार सानू स्प्रेच्छा से सीबीआई कार्यालय में उपस्थित हुए। इन चार एमबीबीएस छात्रों से गहन पूछताछ के बाद , सीबीआई अधिकारियों को पर्याप्त सबूत मिले और बाद में उन्हें आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने की, हालांकि लिखित दस्तावेज अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

सम्मेलन

उपराष्ट्रपति ने किया जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सभी हितधारकों से सामूहिक कार्रवाई का आह्वान

कमजोर लोगों को सबसे अधिक प्रभावित करता है जलवायु परिवर्तन: धनखड़

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जलवायु परिवर्तन की वैश्विक आपदा से निपटने के लिए सरकारों और कॉर्पोरेट नेताओं सहित सभी हितधारकों से सामूहिक कार्रवाई का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति शुक्रवार को दिल्ली में जैव ऊर्जा: विकसित भारत का मार्ग विषय पर चौथे अंतरराष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की गूंज सीमाओं के पार होने के तथ्य पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब हिसाब-किताब का दिन आएगा तो कोई भी नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमें एकजुट होकर जितना हो सके उतना अपनी ऊर्जा को अधिकतम तक पहुंचाना होगा। अपनी क्षमता का दोहन कर पूरी क्षमता का उपयोग करना होगा। उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि जलवायु परिवर्तन एक खतरनाक टाइम बम है, जो मानव जाति के अस्तित्व पर संकट है। उन्होंने कहा कि हमारा ग्रह, जो एक समय एक प्राचीन हरा-भरा स्वर्ग था, अब अपने अतीत की छाया नहीं है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और वनों की कटाई से ग्रह को तबाही के करीब लाया गया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मानवता चट्टान पर लटक रही है।

धनखड़ ने कहा कि कोई आकस्मिक योजना नहीं है, पृथ्वी के अलावा कोई अन्य ग्रह नहीं है और इसे संरक्षित और पोषित करने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों जैसे कि लंबे समय तक सूखा, जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ना और अभूतपूर्व तूफानों को रेखांकित करते हुए धनखड़ ने जोर देकर कहा कि ये परिवर्तन न केवल कमजोर आबादी को खतरे में डालते हैं बल्कि जैव विविधता और खाद्य सुरक्षा को भी खतरे में डालते हैं, जिससे हमारे प्राकृतिक संसाधनों और कृषि प्रणालियों पर भारी दबाव पड़ता है, जिससे सामुदायिक पतन होता है। सदियों पुराने मूल्यों का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व और हमारी पारिस्थितिकी के प्रति गहरा सम्मान, भारत के सभ्यतागत लोकाचार का एक आंतरिक पहलू रहा है। जलवायु न्याय पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा कि जलवायु न्याय हमारा लक्ष्य होना चाहिए। भारत द्वारा उठाए गए अग्रणी कदमों जैसे कि ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और इंटरनेशनल सोलर अलायंस की प्रशंसा करते हुए धनखड़ ने सतत ऊर्जा में भारत द्वारा निभाई गई अग्रणी भूमिका की सराहना की। जैव ऊर्जा के लाभों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, आधुनिक जैव ऊर्जा न केवल स्वच्छ ईंधन प्रदान करती है, बल्कि प्रदूषण को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने, आयात बिलों को कम करने और स्थानीय रोजगार पैदा करने में भी मदद करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किये गये ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल अभियान की क्षमता को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल एक भावनात्मक अपील या नारा नहीं है, यह एक क्रांतिकारी कदम है। यह कदम सुनिश्चित करेगा कि हर साल 1.4 बिलियन लोग इसे लगाएंगे। इसका बहुत सकारात्मक, व्यापक प्रभाव होगा।

मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना से बदलेगी बिहार की तस्वीर : मंत्री

योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्य योजना मद से नगर विकास एवं आवास विभाग को उपलब्ध करायी जाएगी राशि

प्रातः किरण

पटना। नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने कहा है कि मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना से सूबे की तस्वीर बदलेगी। दरअसल, राज्य सरकार ने शहरों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए एक नई योजना मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना की मंजूरी दी है। शुक्रवार को विभागीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्री ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण, नाला निर्माण, पार्क निर्माण, तालाबों घाटों का सौन्दर्याकरण, नागरिक सुविधा हेतु जनोपयोगी आधारभूत संरचनाओं का निर्माण इत्यादि कार्य किये जा सकेंगे। साथ ही ऐसे पथों को प्राथमिकता दी जायेगी, जो नगर निकाय की हो तथा वे राष्ट्रीय व राज्य मार्ग अथवा पथ निर्माण विभाग के पथों व मुख्य सड़कों को लिंक सड़कों से जोड़ता हो एवं जनोपयोगी हो। इसके अलावा ऐसी सड़कें जो ज्यादा जनोपयोगी और ज्यादा आबादी को लाभान्वित करती हो, उन्हें भी प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा नालों के चयन में आउटफॉल एरिया को प्राथमिकता दी जाएगी।

अत्यधिक जल जमाव वाले क्षेत्रों के जल निकासी हेतु ट्रंक चैनल बनाया जायेगा एवं उसे आउटफॉल चैनल से जोड़ा जाएगा, जिससे नगर निकायों में जल-जमाव की समस्या दूर होगी। वहीं, निर्मित सड़कों व नालों के किनारे पेड़-पौधे, पार्किंग स्थल एवं पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ तथा सड़क के दोनों तरफ प्रकाश की व्यवस्था किया जा सकेगा। साथ ही बताया कि नागरिक सुविधाओं के अन्तर्गत झीलों, तालाबों, पार्कों व घाटों का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्याकरण तथा अन्य जनोपयोगी कार्य भी कराये जा सकेंगे। मंत्री ने बताया कि योजना का कार्यान्वयन बुडा, बुडको कार्य एजेंसी के रूप में कार्य का सम्पादन करेंगे। राशि का प्रवाह बजट उपबंध के विरूद्ध इन कार्य एजेंसियों के पीएल खाता के माध्यम से किया जायेगा। साथ ही बुडा या बुडको द्वारा जिलावार कर्णांकित राशि के आधार पर चयनित योजनाओं का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जायेगा तथा उन पर सक्षम स्तर की तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर एवं सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण कर कार्यान्वित कराया जाएगा। बता दें कि योजना की प्राथमिकता का निर्धारण जिला स्तरीय संचालन समिति द्वारा किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गुलदार के डर से कर्मचारियों के साथ मिलकर ग्रामीणों ने झाड़ियां साफ की

बहादराबाद, एजेंसी। अलीपुर गांव के मार्ग पर लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों के साथ मिलकर ग्रामीणों ने झाड़ियों की कटाई की। इस मार्ग पर कुछ दिन पहले गुलदार ने कई राहगीरों पर हमला किया था। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के दोनों तरफ उगी झाड़ियां भी खतरे का कारण बन रही हैं। इससे रात्रि में जंगली जानवरों की ओर से हमला, लूटपाट व अन्य दुर्घटना होने का भय रहता है। सिंचाई वाले नाले के आसपास झाड़ियों के कारण कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। जनसेवा टीम के सदस्यों व ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग से रास्ते की सफाई की मांग की थी। विभाग की ओर से मंगलवार को झाड़ियों की साफ-सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सुरेश तोमर का कहना है कि झाड़ी कटान का लगातार काम जारी है। ग्रामीणों के सहयोग से झाड़ियों को जल्द साफ कर दिया जाएगा।

सांसद से की वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाने की मांग

ऋषिकेश, एजेंसी। संयुक्त किसान मोर्चा ने हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत से विभिन्न वन ग्रामों को राजस्व ग्राम घोषित कराने की मांग की। बुधवार को संयुक्त किसान मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत से मिला और किसानों की समस्याओं से अवगत कराते हुए वन ग्रामों को राजस्व ग्राम घोषित कराने की मांग रखी। मोर्चा के प्रदेश संयोजक गंगाधार नौटियाल और डोईवाला संयोजक ताजेंद्र सिंह ताज ने बताया कि किसान विभिन्न मांगों को सांसद के माध्यम से संसद तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे है। मोर्चा की ओर से दिए गए ज्ञापन में एमएसपी की कानूनी गारंटी, बिजली संशोधन वापस लेने, प्रीपेड मीटर को निरस्त करने और किसानों के ऋण माफ करने समेत कई मांग शामिल हैं। सांसद की ओर से समस्याओं का सहानुभूतिपूर्वक निदान का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान किसान सभा जिलाध्यक्ष दलजीत सिंह, शिवप्रसाद देवली, याकूब अली, उमेद वोरा, सरजीत सिंह, जगजीत सिंह, सिंगाराम, बलबीर सिंह बिंदा आदि मौजूद रहे।

रैपिड रिस्पांस टीम करेगी ग्रामीणो की वन्य जीवों से सुरक्षा

ऋषिकेश, एजेंसी। खड़कमाफ क्षेत्र में एक दांत हाथी की लगातार आमद की मिल रही शिकायत पर ग्राम पंचायत भवन खदरी में वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ बैठक की। जिला गंगा सुरक्षा समिति के नामित सदस्य विनोद जुगलान ने कहा कि हमें वन्य जीवों के साथ इको फ्रेंडली व्यवहार अपनाते हुए अपने जीवन रक्षा का ध्यान रखना होगा। लालमणि रतूड़ी ने कहा कि एक दांत वाले हाथी को रेडियो कॉलर लगाकर उसकी गतिविधियों को मॉनिटर किया जाना चाहिए। प्रभारी वन क्षेत्राधिकारी आईएफएस तरुण एस ने ग्रामीणों को बताया कि समस्या के निदान के लिए वाइल्ड लाइफ टास्क फोर्स के तहत रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया गया है, जो 24 घंटे दलबल के साथ तैयार रहेगी। सूचना मिलते ही 15 से 20 मिनट के अंदर वन्य जीव की आमद वाले क्षेत्र में पहुंच कर समस्या का निदान करेगी। कहा, वन्य जीव प्रभावित क्षेत्र में सूचना पट्ट लगाए जाएंगे, जिन पर टोल फ्री नंबर लिखा होगा।

पौधरोपण के साथ संरक्षण भी जरूरी : रावत

ऋषिकेश, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री व हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने हरेला पर्व के तहत योगनगरी रेलवे स्टेशन परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरान पौधों की पूजा-अर्चना भी की गई। वक्ताओं ने कहा कि पौधारोपण के साथ इनका संरक्षण भी जरूरी है।

त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए गंभीरता से कार्य करना होगा। पौधरोपण के साथ इनका संरक्षण भी जरूरी है। पौधों के वृक्ष बनने तक इनकी देखभाल करना आवश्यक है। तभी हरेला पर्व का उद्देश्य साकार हो सकेगा। कहा कि पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ ही जल श्रोतों के संवर्धन व संरक्षण में भी मददगार साबित होता है। महामंडलेश्वर ईश्वर दास ने कहा हमारे धर्म में वनस्पति सहित संपूर्ण प्रकृति की पूजा करने की परंपरा है।

मुख्यमंत्री धामी के डीप फेक वीडियो से हड़कंप, सुरक्षा एजेंसियों की उड़ी नींद

काशीपुर, एजेंसी। काशीपुर में सीएम के डीप फेक वीडियो का मामला पूरे प्रदेश में सुर्खियों में बना है। इस मामले को लेकर भले ही लोग अलग-अलग राय व्यक्त कर रहे हों लेकिन सच्चाई यह है कि इस तरह की कारस्तानी समाज के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती है।

काशीपुर में सीएम पुष्कर धामी के डीप फेक वीडियो बनाए जाने से जहां सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ी हुई हैं, वहीं इस मामले में आरोपित युवक पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर इंटरनेट मीडिया में इसके पक्ष और विपक्ष में पोस्ट की होड़ शुरू हो गई है।

कहा यह भी जा रहा है कि इस तरह के वीडियो का इस्तेमाल यदि भविष्य में बढ़ता चो गया तो इसके खतरनाक परिणाम सामने आ सकते हैं। पिछले साल ही केंद्र सरकार की ओर से डीप फेक वीडियो को लेकर एडवाइजरी जारी की गई थी।

विभिन्न राज्यों में पिछले कुछ माह में ही इसके तहत दर्जनों मामले दर्ज किए जा चुके हैं। डीप फेक वीडियो से अबसवैधानिक पदों पर आसीन राजनेताओं की छवि धूमिल करने के प्रयास भी होने लगे हैं। उत्तराखंड में भी

सीएम का ऐसा ही डीप फेक वीडियो बनाया जा चुका है। अब इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी के तहत ही कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

काशीपुर में दो दिन पूर्व एक अस्पताल के एमडी ने एक युवक के खिलाफ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बारे में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपित युवक आयुष रावत को पूछताछ के लिए बुलाया था।

अब पूरे मामले में आरोपित युवक की ओर से इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर खुद को पुलिस के धमकाने और मारपीट करने का आरोप लगाया जा रहा है। इसे लेकर अब सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बहस शुरू हो गई है। पिछले वर्ष दिसंबर में सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी में सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म से यह आश्वस्त करने को कहा गया कि उनके प्लेटफार्म पर आइटी कानून की परिधि में आने वाले कंटेंट का ही प्रसारण हो। अगर इसका उल्लंघन होता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआइ की मदद से बनाए जाने वाले डीप फेक वीडियो के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रसारण में तेजी आने के बाद सरकार ने कहा था कि आइटी एक्ट के नियम 3 (1) बी (फाइव) के तहत किसी भी प्रकार की गलत या भ्रामक सूचना को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर नहीं डाला जा सकता है। यूजर्स को गलत वीडियो, मैसेज या कंटेंट डालने से रोकने का काम सोशल मीडिया प्लेटफार्म का है ताकि इससे अन्य यूजर्स को नुकसान नहीं हो। प्लेटफार्म यूजर्स को यह भी बताएगा कि आइटी एक्ट के नियम का पालन नहीं करने पर उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत कार्रवाई की जा सकती है। डीप फेक टेक्नोलाजी ऐसी टेक्नोलाजी है जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से किसी भी इंसान का नकली रूप तैयार किया जा सकता है। जो दिखने, बोलने, सुनने व हाव-भाव से लगभग असली इंसान जैसा ही लगता है लेकिन इसका प्रयोग छवि खराब करने, ब्लेकमैलिंग करने व पैसा वसूली के लिए किया जाने लगा है। भारत में भी इस टेक्नोलाजी की मदद से कई बड़े-बड़े लोगों को निशाना बनाया गया है। इनमें एक्ट्रेस रश्मि मंधाना से लेकर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली, अमिताभ बच्चन, निर्मला सीतारमण, रणवीर सिंह जैसे नाम शामिल हैं।

स्वक्ने चार इंस्पेक्टर और 22 दरोगाओं के तबादले किए, मनोज रतूड़ी को दी पंतनगर थाने की कमान

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने ऊधमसिंह नगर जिले में चार इंस्पेक्टर और 22 दरोगाओं के तबादले किए हैं। अश्लील ऑडियो प्रकरण में तत्कालीन एसएचएओ के निलंबन से खाली चल रहे पंतनगर थाने का जिम्मा बाजपुर के प्रभारी निरीक्षक मनोज रतूड़ी को सौंपा गया है।

एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने ऊधमसिंह नगर जिले में चार इंस्पेक्टर और 22 दरोगाओं के तबादले किए हैं। अश्लील ऑडियो प्रकरण में तत्कालीन एसएचएओ के निलंबन से खाली चल रहे पंतनगर थाने का जिम्मा बाजपुर के प्रभारी निरीक्षक मनोज रतूड़ी को सौंपा गया है। पुलिस लाइन में तैनात नरेश चौहान को बाजपुर का कोतवाल बनाया गया है।

बुधवार शाम एसएसपी की ओर से जारी सूची के अनुसार पुलिस लाइन से निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू को खटीमा कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। खटीमा के प्रभारी निरीक्षक मनोहर दशौनी को रुद्रपुर कोतवाली का जिम्मा दिया गया है।

रुद्रपुर के प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार को पीआरओ एसएसपी और होमोसाइड सेल का प्रभारी बनाया गया है। एसआई मोहन चंद्र भट्ट को प्रभारी आरटीआई सेल, सुभाष जोशी को प्रभारी सीएम हेल्पलाइन और राकेश राय को चुनाव सेल पुलिस कार्यालय का जिम्मा दिया गया है।

खटीमा के एसएसआई अशोक कुमार को रुद्रपुर कोतवाली का एसएसआई प्रथम, एसएसआई किच्छा विनोद जोशी को एसएसआई खटीमा, उमेश कुमार को एसएसआई किच्छा, रुद्रपुर बाजार चौकी प्रभारी पंकज महर को खटीमा के बाजार चौकी प्रभारी और रुद्रपुर के आदर्श कॉलोनी चौकी प्रभारी विजय सिंह को रुद्रपुर बाजार चौकी प्रभारी बनाया गया है। पुलिस लाइन में तैनात संदीप पिलखवाल को आदर्श कॉलोनी चौकी प्रभारी रुद्रपुर, बरहैनी चौकी प्रभारी गोविंद मेहता को पतरामपुर चौकी प्रभारी, चुनाव सेल में तैनात महेश कांडपाल को प्रभारी चौकी बरहैनी और दीपक कौशिक को एसएसआई द्वितीय रुद्रपुर बनाया गया है। पुलिस लाइन से एसआई केसी आर्य को पंतनगर, हेम चंद्र को तिवारी को पुलभट्टा, संदीप शर्मा को कुंडा, सौरभ कुमार को जसपुर, कैलाश चंद्र को पंतनगर, राजेंद्र सिंह को सितारगंज, चंदन सिंह को रुद्रपुर, मनोज जलाल को ट्रांजिट कैंप भेजा गया है।

विधायक भुवन कापड़ी प्रेस वार्ता: बोले- बारिश से नहीं, बांध और नालों के टूटने से आई बाढ़; सीएम धामी को भेजा पत्र

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। खटीमा में उप नेता प्रतिपक्ष व विधायक भुवन कापड़ी ने कहा कि खटीमा में बारिश के पानी से नहीं, बल्कि नदी के बांध और नालों के टूटने से बाढ़ आई थी। उन्होंने इसे गंभीर विभागीय चूक बताते हुए मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जांच की मांग की। खटीमा में उप नेता प्रतिपक्ष व विधायक भुवन कापड़ी ने कहा कि खटीमा में बारिश के पानी से नहीं, बल्कि नदी के बांध और नालों के टूटने से बाढ़ आई थी। उन्होंने इसे गंभीर विभागीय चूक बताते हुए मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जांच की मांग की। साथ ही विधायक निधि से एक करोड़ रुपये की धनराशि आपदा पीड़ितों को देने की घोषणा की।बुधवार को कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए विधायक कापड़ी ने कहा कि खटीमा में पहली बार आई इतनी भीषण बाढ़ से जनता को भारी नुकसान हुआ है। बाढ़ से हल्दी गांव के दो युवको की डूबने से मौत हो गई। इसके अलावा खेती, मवेशियों के अलावा लोगों का अनाज और सामान बाढ़ में बह गया। कापड़ी ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ खटीमा के सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया, जिसमें यह बात सामने आ रही है कि बाढ़ बारिश के पानी से नहीं बल्कि क्षेत्र की नदियों व नालों के तटबंधों के टूटने से आई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अभी भी जगह-जगह नाले व पुल टूटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ तीन दिन की बारिश में इतनी बाढ़ आना संभव नहीं है, जबकि खटीमा में इससे पहले कई दिनों की लगातार बारिश के बावजूद इतनी बाढ़ नहीं आई। विधायक ने कहा कि इसमें कहीं न कहीं विभागीय चूक हुई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारणों की जांच के लिए उन्हें मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है, ताकि लापरवाही करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो सके। कापड़ी ने कहा कि बाढ़ से सभी लोगों को कुछ न नुकसान जरूर हुआ है, सरकार की ओर से बाढ़ पीड़ित लोगों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए।

रोडवेज बस से कुचलकर सफाई कर्मचारी की मौत

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा नगर के लोअर माल रोड स्थित अंतरराज्यीय बस अड्डे में रोडवेज की बस से कुचलकर एक सफाई कर्मचारी की दर्दनाक मौत हो गई है। हादसे के बाद से बस का चालक मौके से फरार हो गया है।

अल्मोड़ा नगर के लोअर माल रोड स्थित अंतरराज्यीय बस अड्डे में रोडवेज की बस से कुचलकर एक सफाई कर्मचारी की दर्दनाक मौत हो गई है। हादसे के बाद से बस का चालक मौके से फरार हो गया है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। वाल्मीकि समाज के पदाधिकारियों समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है और फरार चालक की खोजबीन की जा रही है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच

गया है।

बृहस्पतिवार को दिल्ली से बागेश्वर की ओर जा रही रोडवेज की एक बस (संख्या यूके-07-ए-4449) माल रोड पर खराब हो गई। बस को आईएसबीटी के वर्कशॉप तक पहुंचाने के लिए डिपो की ओर एक चालक मौके पर भेजा गया। चालक बस को लेकर वर्कशॉप के पास पहुंचा तो उसने पहले बस को आईएसबीटी गेट से टकरा दिया। बाद में अंदर खड़ी चार पांच बसों पर भी जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि एक बस के पीछे सफाई कर रहा सफाई कर्मचारी विकास उर्फ विक्की (36) पुत्र स्व. शिवचरण निवासी वाल्मीकी बस्ती उसी बस का टायर के नीचे आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी बस चालक मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस ने सफाई कर्मचारी के शव को बस के नीचे से बाहर निकाला। वाल्मीकी समाज के प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर पंवार ने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हादसे के बाद भी डिपो का कोई भी पदाधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इधर रोडवेज के सहायक महाप्रबंधक विजय तिवारी ने बताया कि वह वाहनों की चेकिंग के लिए काकड़ीघाट की ओर गए हुए हैं। हादसे की जानकारी उन्हें मिल गई है और वह मौके की ओर रवाना हो रहे हैं।

कांग्रेसियों ने सरकार का पुतला फूंका

ऋषिकेश, एजेंसी। महानगर कांग्रेस कमेटी ने दिल्ली में श्री केदारनाथ धाम की प्रतिकृति निर्माण के विरोध में नारेबाजी करते हुए प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पुतला छीनने का प्रयास भी किया।

बुधवार को रेलवे रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान महानगर अध्यक्ष राकेश सिंह व जयेंद्र रमोला ने कहा कि उत्तराखंड की भाजपा सरकार हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है।

विश्व सनातन धर्म की आस्था के केंद्र श्री केदारनाथ ज्योतिर्लिंग के साथ छेड़छाड़ करते हुए नई दिल्ली में केदारनाथ धाम की प्रतिकृति का निर्माण कर सदियों पुरानी वैदिक परंपराओं को तोड़ने का काम किया जा रहा है। जिसका विरोध स्वयं ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य भी कर रहे हैं।

भाजपा सरकार के इस कृत्य को सनातन धर्म में आस्था रखने वाला कोई भी हिंदू बर्दाश्त नहीं करेगा। पूर्व पालिका अध्यक्ष दीप शर्मा व प्रदेश सचिव शैलेंद्र बिष्ट ने कहा कि भाजपा सरकार उत्तराखंड वासियों की आस्था के साथ खेलने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस इस कृत्य का पुरजोर विरोध करती है। इस मौके पर प्रदेश सचिव भगवती सेमवाल, मदन मोहन शर्मा, सुधीर रॉय, विजयपाल रावत, बैसाख सिंह, चंदन पंवार, प्रदीप जैन, राजेंद्र कोठारी, ऋषि सिंघल, सरोज देवराड़ी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चिंगारी के साथ बस से उठा धुआं, 35 यात्रियों में चीखपुकार

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी से टनकपुर जा रही रोडवेज बस में शॉर्ट सर्किट से चिंगारियां निकलने से 35 यात्रियों में खलबली मच गई। यात्रियों और चालक-परिचालक ने धुएं और चिंगारियों का शांत किया। हल्द्वानी से टनकपुर जा रही रोडवेज बस में शॉर्ट सर्किट से चिंगारियां निकलने से 35 यात्रियों में खलबली मच गई। यात्रियों और चालक-परिचालक ने धुएं और चिंगारियों का शांत किया। घटना से गुस्साए यात्रियों ने चालक-परिचालक के साथ धक्का मुक्की भी कर दी। बाद में चालक इसी बस को लेकर टनकपुर रवाना हुआ। टनकपुर डिपो की 44 सीटर बस (यूके 07 पीए 2934) बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सवारियों को लेकर हल्द्वानी स्टेशन से टनकपुर के लिए रवाना हुई। बताते हैं कि बनभूलपुरा के निकट रेलवे फाटक को पार करने के बाद बस जैसे ही चोरगलिया रोड पर बढ़ी तो अचानक इंजन के पास बस में चिंगारियां निकलने लगीं। चिंगारी के साथ धुआं उठता देख सवारियों में अफरातफरी मच गई। चालक

के ब्रेक मारते ही लोग जान बचाने के लिए मुख्यद्वार के साथ ही खिड़की से बाहर निकले। इस दौरान चालक भरत पाठक ने बैटरी का तार खींचा और परिचालक के साथ कुछ सवारियों ने रेत डाला तो चिंगारियां निकलना बंद हुई। इसके बाद सवारियों ने खटारा वाहन चलाने पर चालक भरत पाठक और परिचालक चंद्र मोहन पांडे के साथ अभद्रता और धक्कामुक्की भी की। कुछ लोगों ने मामला शांत कराया। करीब आधे घंटे बाद बस को वारियां समेत टनकपुर के लिए रवाना किया गया।

नैनीताल में ताजिये भी निकले, सीनाजनी भी हुई

नैनीताल/रामनगर/लालकुआं, एजेंसी। नैनीताल के मल्लीताल में ताजियों का जुलूस निकाला गया जबकि तल्लीताल में मातमी जुलूस निकला।

मुहर्रम कमेटी के बैनर तले मल्लीताल में रायल होटल परिसर से जुलूस शुरू हुआ, जो बाजार और मस्जिद से होता हुआ देर रात कर्बला में संपन्न हुआ। इसमें ढोल-ताशे के साथ अखाड़ा भी था। युवाओं ने आकर्षक करतब दिखाए। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष नाजिम बख्श, अब्दुल बासित, रईस बॉक्स, मकसूद, याकूब, राशिद वारसी, गजाला कमाल आदि थे।

सिरसी से आए मौलाना मैदर जैदी ने बताया कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत पर उनकी याद में मुहर्रम के 10वें दिन को लोग मातम के रूप में मनाते हैं। इधर, तल्लीताल में हरिनगर से मोटापानी इमामबाड़ा तक मातमी जुलूस निकालकर सीनाजनी की गई। इसमें फरमान अली खान, मुश्ताक अली खान, सरवर खान, गुलाम अली खान, सलीम खान रमजानी आदि शामिल रहे।

इधर, रामनगर में भवानीगंज और खताड़ी मोहल्लों से निकाला गया जुलूस और अखाड़ों का करतब रात 10 बजे जामा मस्जिद पर संपन्न हुआ। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने ड्रोन से अखाड़ों पर नजर रखी। इस दौरान मुहर्रम कमेटी के सरपरस्त मोहम्मद चांद, अध्यक्ष मो. शमी उर्फ छम्मो, गुलफाम सैफी, नसीमुद्दीन अंसारी, मो. नासिर अब्बासी, मो. सलमान, फखरे आलम, मोहम्मद आसिफ सैफी आदि थे।

लालकुआं में भी ताजिये के साथ जुलूस निकाला गया। वहां जुलूस मुहर्रम कमेटी के अध्यक्ष निसार अहमद, इमरान खान, आजम खान, मेहंदी हसन, इस्तखार अंसारी, गुड्डू बेग आदि थे।

रामनगर मुहर्रम कमेटी को भंग कर नई कमेटी गठित की गई। मो. चांद को सर्वसम्मति से सरपरस्त बनाया गया। मो. शमी अध्यक्ष, इरफान सैफी सचिव, नसीमुद्दीन अंसारी नायब सदर, मोहम्मद अनीस सैफी कोषाध्यक्ष, मोहम्मद नासिर अब्बासी नायब सेक्रेटरी बनाया गया। मोहम्मद उस्मान, चांद मोहम्मद, मो. हसन मुहर्रम दार बने।

सड़क बंद होने से नहीं मिल सका इलाज, बीमार युवती ने तोड़ा दम; एक सप्ताह से बाधित हैं मार्ग

पिथौरागढ़, एजेंसी। पिथौरागढ़ में चट्टान खिसकने से एक सप्ताह पूर्व बंद हुई बांस-खतीगांव सड़क नहीं खुल पाई है। सड़क बंद होने की वजह से बीमार युवती को समय से अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। इसके चलते युवती की मौत हो गई।

पिथौरागढ़ में चट्टान खिसकने से एक सप्ताह पूर्व बंद हुई बांस-खतीगांव सड़क नहीं खुल पाई है। सड़क बंद होने की वजह से बीमार युवती को समय से अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। इसके चलते युवती की मौत हो गई। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष की सूचना पर एडीएम ने पीडब्लूडी अधिकारियों के साथ बंद सड़क का निरीक्षण कर शीघ्र सड़क खोलने के निर्देश दिए।

पिथौरागढ़ जिले की बांस-खतीगांव सड़क एक सप्ताह पहले चट्टान दरकने से बंद हो गई थी। तल्लीसार निवासी हरक सिंह की पुत्री गंगा (30) को मंगलवार रात तेज पेट दर्द की शिकायत हुई लेकिन सड़क बंद होने से उसे ग्रामीण अस्पताल नहीं ले जा सके। उपचार नहीं मिलने से गंगा ने घर पर ही दम तोड़ दिया। इस मामले की जानकारी बुधवार सुबह क्षेत्र पंचायत सदस्य सोबन सिंह ने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र बोहरा को दी। बोहरा ने इस मामले से डीएम रीना जोशी को अवगत कराया।

कोतवाली से करीब 500 मीटर दूर तलवार लेकर भागते दिखे युवक

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। रुद्रपुर में दो दिन पहले युवकों के बीच हुई मारपीट की घटना के बाद एक पक्ष के लोगों ने कोतवाली से 500 मीटर दूर तलवार लहराते हुए जमकर दबंगई दिखाई। आरोपियों ने दूसरे पक्ष के एक युवक के घर पहुंचकर परिजनों को धमकाया।

रुद्रपुर में दो दिन पहले युवकों के बीच हुई मारपीट की घटना के बाद एक पक्ष के लोगों ने कोतवाली से 500 मीटर दूर तलवार लहराते हुए जमकर दबंगई दिखाई। आरोपियों ने दूसरे पक्ष के एक युवक के घर पहुंचकर परिजनों को धमकाया। यही नहीं, एक युवक ने सड़क किनारे खड़ी स्कूटी पर भी गुस्से में तलवार मार दी। सीसीटीवी में घटना कैद होने के बाद अब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रंपुरा में किसी बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक के पैर पर चाकू मारकर घायल कर दिया गया था। इससे भड़के युवक के पिता सहित चार लोग मारपीट करने वाले युवक के मोहल्ले में जा धमके। कोतवाली से 500 मीटर दूर फिल्मी स्टाइल में हाथों में तलवार लिए दो लोगों को मोहल्ले में आता देख वहां से गुजर रहे लोग दहशत में आ गए। एक युवक ने हाथ में ली तलवार को सड़क किनारे खड़ी स्कूटी में दे मारी। इसके बाद मोहल्ले के कोने में स्थित युवक के घर पर जाकर अराजकता की। काफी देर तक तक ये लोग तलवार लहराकर परिजनों को धमकाते रहे। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक मिनट 33 सेकेंड के वीडियो में दबंगों की अराजकता साफ दिखाई पड़ रही है। बताया जा रहा है कि इन लोगों ने दूसरे पक्ष के तीन लोगों की पिटाई भी की थी।

एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि हाथों में तलवार लेकर मोहल्ले में दौड़ते लोगों का वीडियो संज्ञान में आया है। यह मामला रविवार का है। किसी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है, लेकिन पुलिस अपने स्तर पर इन लोगों पर कार्रवाई करेगी।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातः किरण

नई दिल्ली, शनिवार, 20 जुलाई, 2024

अपनी गाड़ी से दफ्तर नहीं आएं दिल्ली सचिवालय के कर्मचारी, स्पेशल बस से करें सफर

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार ने शहर की सड़कों पर वाहनों की संख्या को कम करने और सफर को इको फ्रेंडली बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली सचिवालय में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए डीटीसी की तरफ से एक नए स्पेकशल बस रूट की शुरूआत की गई है, जो कर्मचारियों को आईपी मेट्रो स्टेशन से दिल्ली सचिवालय और दिल्ली सचिवालय से आईपी मेट्रो स्टेशन लाने ले जाएगी। नॉर्मल एसी बस सर्विस किराए के साथ चलने वाली यह बसें कर्मचारियों के लिए बेहद सुविधाजनक बताई गई हैं।

दरअसल, जून में दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की ओर से एक पत्र दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासनिक विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी को लिखा गया था। इसके जरएि नगिम ने सचविालय कर्मचारियों के लिए नई बस सर्विस आईपी मेट्रो स्टेशन और दिल्ली सचिवालय के बीच दोनों दिशाओं में चलाने को लेकर अवगत कराया। डीटीसी ने जीएडी से आग्रह किया था कि कर्मचारियों की सुविधा और दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक भीड़भाड़ को कम करने और स्टाफ के लिए सफर को इको फ्रेंडली बनाने के मद्देनजर बस सेवा शुरू की जा रही है, जिसका किराया नॉर्मल एसी बस सर्विस का ही लागू रहेगा। इस बाबत डीटीसी की तरफ से पूरा रूट प्लान पूरे टाइम टेबल के साथ वभिाग को भेजा गया था।

इस पत्र पर जीएडी की तरफ से भी एक सर्कुलर जारी किया गया, जसिके बाद सामान्य प्रशासनिक विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी नवीन कुमार चौधरी की तरफ से एक विभागीय आदेश भी जारी कएि गए। इसके बाद जीएडी के डप्टिी सेक्रेटरी प्रदीप तायल की ओर से एक सर्कुलर 5 जून को जारी किया गया। इसको दिल्ली सरकार के सभी एडिशनल चीफ सेक्रेटरीज, प्रिंसिपल सेक्रेटरीज, सेक्रेटरीज और विभागों के प्रमुख और दिल्ली सचिवालय में स्थित कार्यालयों को भेजा गया। इस सर्कुलर के माध्यऔम से सभी विभागों को अवगत कराया गया कि डीटीसी की तरफ से जो बस सेवा शुरू की जा रही है, उसको सचिवालय में स्थित विभागों और कर्मचारियों की तरफ से ज्यादा से ज्यादा सेवा में लिया जाए, जिससे इस सुविधा की शुरूआत करने का खास मकसद हल हो सके।

दिल्लील सचिवालय में पार्किं ग स्पेस कमः सूत्र बताते हैं कि दिल्ली सचिवालय में आने वाले हजारों कर्मचारियों के लिए यहां वाहन पार्किंग की इतनी बड़ी सुविधा नहीं है जितनी संख्या में हर रोज वाहन यहां पहुंचते हैं। इसकी वजह से दिल्ली सचिवालय के सामने बनी पार्किंहग के अलावा उसके बाहर सड़क पर काफी दूर तक दोनों दशिाओं में रोड साइड वाहन खड़े किए जाते हैं। इससे कुछ असुविधा भी सामने आई हैं। वहीं, इस बस सेवा को शुरू करने से पहले जीएडी की तरफ से कर्मचारियों को ऑफिस समय से आने जाने की टाइमगिं भी सुनिश्चित करने की दशिा में कदम उठा चुका है। इस लिहाज से अब यह बस सुविधा काफी अहम भी मानी जा रही है।

पहले से कर्मचारियों की टाइमगिं पर सख्त है जीएडीः एक कर्मचारी ने बताया कि बस सुवधिा के शुरू होने से कर्मचारी पर्सनल वाहन से आने की बजाय सार्वजनकि बस सेवा से आना-जाना करेंगे। वह समय से ही ऑफिस छोड़ेंगे। इससे सचिवालय समय से पहले छोड़ने वाले कर्मचारियों की जल्दी जाने और लेट आने की आदत भी छूट जाएगी। उधर, सामान्य प्रशासन विभाग पहले ही कर्मचारियों की आने जाने की ऑफिस टाइमिंग को सुनिश्चित करने को लेकर सख्त रूख अख्तियार किए हुए हैं।

क्या है पूरा रूट और टाइमगिंः आईपी मेट्रो स्टेशन से दिल्ली सचिवालय की कुल दूरी 2 किलोमीटर और दिल्ली सचिवालय से आईपी मेट्रो स्टेशन की कुल दूरी 4 किलोमीटर बताई गई है। इस सफर के लिए डीटीसी ने नॉर्मल एसी बस सर्विस फेयर को ही लागू किया है। दोनों दिशाओं में यह बस रूट सुबह आईपी मेट्रो स्टेशन से 8:56 बजे से संचालति होती है, जो करीब 5 मिनट तक पैसेंजर का इंतजार करेगी और 5 मिनट के भीतर यानी सुबह 9:09 बजे पर दिल्ली सचिवालय पहुंचा देगी।

लुक्सर जेल में बंदी ने फंदा लगाकर जान दी

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की लुक्सर जेल में बंद बंदी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि उसने गमछे से गले में फंदा लगाकर आत्महत्या की। उसने मानसिक तनाव के चलते यह कदम उठाया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से ग्राम पीडिया खुर्द जिला बलरामपुर का रहने वाला 42 वर्षीय बनारसी लुक्सर जेल में बंद था। जेवर कोतवाली पुलिस ने करीब 10 महीने पहले आरोपी बनारसी को हत्या के मुकदमे में गिरफ्तार किया था। बनारसी पर साथी की हत्या करने का आरोप था। पुलिस के मुताबिक 13 सितंबर 2023 से हत्यारोपी बनारसी लुक्सर जेल में बंद था। जेल परिसर में गुरुवार को बंदी बनारसी ने पानी की टंकी के पाइप पर अपने गमछे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि बनारसी से पिछले 10 महीने से परिवार का कोई सदस्य मिलने नहीं आया था। उसकी कोई जमानत भी नहीं करवा रहा था। इसके चलते हुए वह मानसिक रूप से परेशान था। आशंका है कि मानसिक तनाव के चलते उसने खुदकुशी की। हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने किया एक और किडनी रैकेट का भंडाफोड़

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

देश की राजधानी की पुलिस ने एक और किडनी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच ने पांच राज्यों में फैले एक बड़े किडनी रैकेट में शामिल कुल पंद्रह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच चाणक्य पुरी की एक टीम ने एक अंतरराज्यीय अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और गुजरात में सक्रिय था। अस्पतालों के ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर, मरीजों और डोनर सहित सिंडिकेट के 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि आरोपियों के पास से विभिन्न अधिकारियों के टिकट, मुहर, विभिन्न अस्पतालों और प्रयोगशालाओं के कागजात बरामद हुए। साथ ही किडनी ट्रांसप्लांट के रोगियों और डोनर के जाली कागजात और जाली आईडी सहित कई सामग्री बरामद हुई। उन्होंने बताया कि किडनी ट्रांसप्लांट के दौरान ठगी को लेकर एक महिला पीड़िता ने शिकायत की थी। महिला ने संदीप और विजय कुमार कश्यप उर्फ सुमित के खिलाफ शिकायत दी थी। महिला ने बताया कि इन दोनों ने किडनी ट्रांसप्लांट के बहाने उसके पति से पैंतीस लाख रुपये की ठगी की है। इस मामले में क्राइम ब्रांच की टीमों ने संदिग्ध के कई ठिकानों पर छापे मारे। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने लखनऊ निवासी आरोपी सुमित उर्फ विजय कश्यप को नोएडा से गिरफ्तार किया। उसके पास से भारी मात्रा में जाली कागजात, स्टांप सील और मरीज/डोनर की फाइलें बरामद की गईं। इसके अलावा उत्तराखंड निवासी संदीप आर्य और देवेंद्र दोनों को गोवा के एक पांच सितारा होटल से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि प्रतिष्ठित अस्पतालों में ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर के रूप में वो काम करते थे। फिर अस्पताल द्वारा किडनी ट्रांसप्लांट के लिए अपनाई गई प्रक्रिया को सीखते थे। इसके बाद वे किडनी की बीमारी से पीड़ित और दिल्ली, फरीदाबाद, मोहाली, पंचकूला, आगरा, इंदौर और गुजरात के विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे मरीजों की पहचान करते थे। फिर आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से किडनी डोनरों से संपर्क साधते थे। फिर उन्हें 5-6 लाख रुपये का लालच देकर किडनी डोनेट करने के लिए तैयार करते थे। डीसीपी ने बताया कि आरोपी डोनरों का जाली दस्तावेज भी बनवा देते थे। फिर उन्हें डोनेट करने की पूरी प्रक्रिया को पास करा ट्रांसप्लांट के लिए तैयार करते थे। अधिकारी ने बताया कि तब जाकर पता चला कि सिंडिकेट ने विभिन्न राज्यों के 11 अस्पतालों में किडनी ट्रांसप्लांट किया था। इस मामले में नोएडा निवासी संदीप आर्या किडनी रैकेट का सरगना है और पब्लिक हेल्थ में एमबीए किया हुआ है। संदीप आर्य मरीजों से संपर्क करता था और उन अस्पतालों में किडनी ट्रांसप्लांट की व्यवस्था करता था।

वह प्रत्येक किडनी ट्रांसप्लांट के लिए लगभग 35-40 लाख रुपये लेता था। बता दें कि आरोपियों से विभिन्न राज्यों के विभिन्न अधिकारियों के 34 स्टाम्प, किडनी रोगियों और दानकर्ताओं की 6 जाली फाइलें और जाली दस्तावेज तैयार करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अस्पतालों के कागजात बरामद हुए। वहीं, आरोपियों के पास स्टाम्प तैयार करने के लिए सामग्री, किडनी ट्रांसप्लांट के रिकॉर्ड और आपराधिक डेटा वाले 2 लैपटॉप, 17 मोबाइल फोन, 9 सिम कार्ड सहित ढेड़ लाख रुपये पाए गए। बता दें कि मरीजों को प्रभावित करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आरोपी संदीप आर्य की मर्सिडीज कार की जांच भी जारी है।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने वाहन चोर पकड़ा

नई दिल्ली। तिलक नगर में ट्रैफिक चलाते हुए पुलिसकर्मियों ने एक वाहन चोर को पकड़ा। बिना हेलमेट के जा रहे आरोपी के पास बिंदापुर से चोरी की गई स्कूटी थी। उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया है। इस कार्य के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की तरफ से एएसआई रामेश्वर और हवलदार संजय यादव की सराहना की गई है। जानकारी के अनुसार, 17 जुलाई को तिलक नगर ट्रैफिक सर्कल में तैनात एएसआई रामेश्वर और हवलदार संजय गणेश नगर चौक पर तैनात थे। इस दौरान उन्होंने बिना हेलमेट के स्कूटी पर आ रहे एक युवक को देखा। दोनों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। उन्होंने जब छानबीन की तो पता चला कि यह स्कूटी बिंदापुर इलाके से चोरी की गई है। इसे लेकर बिंदापुर थाने में एफआईआर भी दर्ज है। आरोपी की पहचान 24 वर्षीय राजू के रूप में हुई। बरामद स्कूटी को आरोपी सहित बिंदापुर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

निर्जीव गाद से भरे पोखर और तालाबों कों नया जीवन

चोगनपुर गांव व पुलिस लाइन का पोखर भी हुआ हरा - भरा

नॉएडा (जीतेन्द्र शर्मा)

ग्रेटर नोएडा के चौगानपुर गांव, पुलिस लाइंस और अन्य कई पोखरों को एचसीएल फाउंडेशन और स्थानीय एनजीओ की मदद से पूरी तरह से पुनर्जीवित किया गया है। ये पोखर, जो कुछ वर्षों पहले तक गाद और जलकुंभी से भरे हुए थे, अब हरे-भरेऔर समृद्ध हो गए हैं।10,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले इन दोनों पोखरों में वर्षों से जमा गाद और अतिक्रमण के कारण जल धारण क्षमता में कमी आ गई थी। इन पोखरों को 12 महीने की अवधि में स्थानीय लोगों, हितधारकों और एनजीओ की सहायता से पुनर्जीवित किया गया।

एचसीएल फाउंडेशन के प्रोग्राम हरीत (ग्रीन इनिशिएटिव) के तहत इन दोनों पोखरों का विकास किया गया है, जो कि प्रकृति संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का स्थायी समाधान देने का एक प्रमुख कार्यक्रम है।

चौगानपुर पोखर को पुनर्जीवित कर लगभग पहले से दुगुनी जलधारण क्षमता प्रदान की गई है। यह पोखर अब जलकुंभी से मुक्त है,और इसके चारों ओर देशी पौधों की प्रजातियां पाई जाती हैं। अब यहाँ प्रवासी पक्षी भी लौट आए हैं और पोखर के बीच में बनाए गए छोटे द्वीप पर बसेरा करते देखे गए हैं। हरित कार्यक्रम ने क्षेत्र में पानी की कमी की चुनौतियों का समाधान करते हुए 34 अरब लीटर पानी का सफलतापूर्वक संचयन किया है। जलधारण क्षमता को 1,850 मिलियन लीटर तक बढ़ाकर, एचसीएल फाउंडेशन ने ग्रेटर नोएडा में समुदायों के लिए जल सुरक्षा को मजबूत किया है। इन प्रयासों के स्थानीय लाभ हैं, जो ग्रेटर नोएडा क्षेत्र की विशिष्ट जल सारंक्षण आवश्यकताओं को पूरा करतेहैं। स्थानीय समुदायों और जैव विविधता पर एचसीएल फाउंडेशन के जल संरक्षण प्रयासो का मापने योग्य प्रभावः

एचसीएल फाउंडेशन ने 3,220 एकड़ जल संरचना क्षेत्र का कायाकल्प किया है, जिसमें242 जल सांरचनाओं का कायाकल्प किया गया है

जल सारंक्षण प्रयासों के परिणामस्वरूप पूरे भारत में लगभग 7,200मिलियन लीटर जलधारण क्षमता में वृद्धि जैसे ठोस लाभ हुए हैं।

11.65 किलोमीटर लंबी सिंचाई नहर को बहाल किया गया है, जिससे कृषि उद्देश्यों के लिए बेहतर जल वितरण में योगदान मिला है 81.7 अरब लीटर की मात्रा वाले पुनर्जीवित जलाशयों और सांग्रहित पानी ने बेहतर जल उपलब्धता और स्थिरता करके स्थानीय परिस्थिति समुदायों और जैव विविधता पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। ग्रेटर नोएडा के स्थानीय निवासी ने बताया, पोखर स्थल और जलग्रहण क्षेत्रों में धीरे-धीरे अतिक्रमण के कारण जल निकाय का प्रबंध नहीं हो पा रहा था, और यह कचरा डांपिंग स्थल के रूप में उपयोग किया जा रहा था।

इससे जल की गुणवत्ता में गिरावट आई थी। कोविड-19 के बाद इसके जीर्णोद्धार का काम शुरू हुआ और तब से यह पोखर समृद्ध हो रहा है।

डॉ. निधि पुंधीर, वाईस प्रेजिडेंट ० ग्लोबल हैड, सीएसआर, एचसीएल टेक, और निदेशक,एचसीएल फाउंडेशन, ने बताया, पुनर्जीवित कार्य एक लंबी प्रक्रिया थी, जो चरणबद्ध तरीके से की गई। इसमें लगभग 12 महीने का समय लगा और इसके तहत आधारभूत सांरचना का निर्माण किया गया। जल निकाय पारिस्थितिकी तांत्र को प्रभावित करने वाले बाहरी कारकों जैसे प्रदूषण, आवास हानि और आक्रामक प्रजातियों का अतिक्रमण आदि को भी सांबोधित किया गया।

2020 सेअब तक एचसीएल फाउंडेशन ने गौतम बुद्ध नगर में214 एकड़ क्षेत्र में फैले 78 जल निकायों का जीणोद्धार किया है।

जैव विविधता सांरक्षण और जल सांरक्षण मेंअपने लक्ष्यों को आगे बढाने के लिए साझेदारी या सहयोग का गठन किया हैः

पर्यावरण संरक्षण के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण को बढावा देते हुए, जैव विविधता सर्वेक्षण और जल संरक्षण गतिविधियों को लागू करने के लिए 80 सेअधिक गैर सरकारी संगठनों और फील्ड स्टाफ के साथ सहयोग करता है। इसके अतिरिक्त, स्थानीय निकायों और अधिकारियों के साथ साझेदारी जैव विविधता और जल संसाधनों के सांरक्षण और सुरक्षा के उद्देश्य से परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और मापनीयता में योगदान करती है।

मुंडका के पूर्व विधायक रामबीर शौकीन 2016 के आर्म्स एक्ट के मामले में बरी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली से मुंडका विधानसभा के पूर्व विधायक रामबीर शौकीन को 2016 में दर्ज आर्म्स एक्ट के एक मामले में बरी कर दिया है। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट तान्या बामनियाल ने रामबीर शौकीन समेत दूसरे आरोपी विजय गहलोत को बरी करने का आदेश दिया। मामला 27 नवंबर 2016 का है। दिल्ली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर युवा शक्ति स्कूल, रामा विहार के पास छापा मारा और मौके से रामबीर शौकीन को हथियार के साथ गिरफ्तार किया था।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक उस वक्त रामबीर शौकीन जिस कार में सवार थे, उसमें दो लोग और थे। इन लोगों ने पकड़े जाने पर पुलिस पर अपनी पिस्तौल तानी थी। दिल्ली पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27, 54 और 59 के तहत एफआईआर दर्ज किया था। कोर्ट ने अभियोजन के केस में विसंगतियों का जिक्र करते हुए संदेह जताया और संदेह का लाभ आरोपियों को दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला जो यह साबित करता हो कि मालखाने में जमा कराने से पहले जब्त हथियारों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई इसलिए केस प्रापर्टी के साथ छेड़छाड़ और सील के दुरुपयोग की संभावना को लेकर गंभीर आशंका है।

कोर्ट ने कहा कि अभियोजन का केस कई विसंगतियों से भरा है। कोर्ट ने पाया कि दूसरे आरोपी विजय गहलोत के मौके से फरार होने को लेकर भी अभियोजन के गवाहों के बयानों में कहीं कोई समानता नहीं मिलती है। कोर्ट ने पाया कि एक झूठ को छिपाने के लिए अभियोजन पक्ष के गवाहों को कई झूठ बोलने पड़े रामबीर शौकीन गैंगस्टर नीरज बावनिया के मामा हैं। बता दें कि इसके पहले रामबीर शौकीन के खिलाफ मकोका का मामला भी दर्ज किया गया था। मकोका के मामले में भी रामबीर शौकीन और नीरज बावनिया को बरी कर दिया गया था।

सरेराह छात्र का अपहरण, अधमरा कर बीच सड़क फेंका

नई दिल्ली। बुराड़ी इलाके में बदमाशों ने रविवार को सरेराह बाइक पर अपहरण कर 12वीं के छात्र की बुरी तरह पिटाई की। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर सड़क पर फेंककर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर अपहरण और गैर इरादतन हत्या की कोशिश की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सभी आरोपी फरार हैं। एफआईआर के अनुसार, सब्जी मंडी शवगृह में कार्यरत सुनील सिंह परिवार सहित वजीराबाद इलाके में रहते हैं। उनका बड़ा बेटा सन्नी 12वीं का छात्र है। कुछ दिन पहले सन्नी के दोस्तों की जगतपुर गांव के कुछ लड़कों से लड़ाई हो गई थी। इसमें सन्नी ने बीचबचाव किया तो हमलावरों ने जान से मारने की धमकी दी थी। वह अपने छोटे भाई और दोस्त के साथ रविवार दोपहर संत नगर स्थित रेस्टोरेंट में जन्मदिन पार्टी में गया था। इसी बीच बाइक से दो युवक आए और उसे पीटते हुए जबरन बाइक पर बैठा लिया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फिर जगतपुर गांव में स्थित जींस की फैक्ट्री में ले जाकर बंधक बनाकर पिटाई की। इस बीच हमलावर फोन पर बात कर पिटाई के बारे में बताते रहे। फिर अधमरा करने के बाद सन्नी को बुराड़ी इलाके में फेंक गए। किसी तरह पीड़ित ई-रिक्शा से बुराड़ी थाने पहुंचा और पुलिस को जानकारी दी। इस बीच सन्नी के छोटे भाई ने भी परिजनों को सूचना दे दी थी। घायल को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी.डि.) महोदय, गौतमबुद्धनगर

मूलवाद सं.-494 सन 2022

डोरी लाल पुत्र स्व. श्री इम्मन सिंह, उम्र करीब 58 वर्ष निवासी बी-136, सैक्टर गामा- I, ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर।

...प्रार्थी/वादी

बनाम

देवेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्व. श्री इम्मन सिंह, उम्र करीब 47 वर्ष, निवासी एच-57, सैक्टर गामा- II, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर।

...विपक्षी

हरगाह यायी ने आपके नाम एक नालिश बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र करने हेतु माननीय न्यायालय में दायर किया है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि 20.07.2024 को वक्त 10:00 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे हालात से करार वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो ऐसे सवालात का जवाब दे सके, हाजिर और जवाबदेही की करें और आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला दस्तावेज पेश करे जिन पर आप बजरिये जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हो। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08.07.2024 ई जारी किया गया।

आदेशानुसार-मुसरिम

न्यायालय सिविल जज (सी.डि.), गौतमबुद्धनगर

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी.डि.) महोदय, गौतमबुद्धनगर

विविध वाद सं.-472 सन 2022

मांगेराम पुत्र स्व. खेमचन्द, आयु करीब 50 वर्ष, निवासी गांव गढ़ी, कस्बा दादरी, परगना व तहसील दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर।

...प्रार्थी/वादी

बनाम

श्रीमती सुदेश पत्नी श्री मांगेराम, आयु करीब 47 वर्ष, निवासी गांव गढ़ी, कस्बा, दादरी, परगना व तहसील दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर।

...विपक्षी

हरगाह यायी ने आपके नाम एक नालिश बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र करने हेतु माननीय न्यायालय में दायर किया है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि 26.07.2024 को वक्त 10:00 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे हालात से करार वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो ऐसे सवालात का जवाब दे सके, हाजिर और जवाबदेही की करें और आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला दस्तावेज पेश करे जिन पर आप बजरिये जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हो। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08.07.2024 ई जारी किया गया।

आदेशानुसार-मुसरिम

न्यायालय सिविल जज (सी.डि.), गौतमबुद्धनगर

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जू.डि.) महोदय, गौतमबुद्धनगर

वाद सं.-18 सन 2021

1.हेमचन्द पुत्र स्व. मुन्नीलाल
2. 2/1 मोहित पुत्र स्व. विक्रम सिंह
2/2 राहित पुत्र स्व. विक्रम सिंह
2/3 ओमवती पत्नी स्व. विक्रम सिंह
3 रामकुमार पुत्र स्व. रघुवीर सिंह
4.राजेन्द्र सिंह पुत्र स्व. रघुवीर सिंह
5.अजय कुमार पुत्र स्व. रघुवीर सिंह 6.विजय कुमार पुत्रगण स्व. रघुवीर सिंह समस्त निवासीगण-ग्राम [illegible], परगना दादरी, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर।

...वादीगण

बनाम

1.महेन्द्र सिंह पुत्र स्व. मीर सिंह 2.आनन्द पुत्र स्व. बोदल 3.जितेन्द्र पुत्र स्व. बोदल 4.राजेश पुत्र स्व. बोदल 5.राज सिंह पुत्र स्व. बोदल 6.देवेन्द्र पुत्र श्री [illegible] 7.पैमू पुत्र [illegible] श्री भोले निवासीगण ग्राम [illegible], परगना दादरी, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर।

...प्रतिवादीगण

हरगाह वादीगण ने आप प्रतिवादीगण के विरुद्ध एक सिविल मुकदमा संख्या-18/2021 वास्ते स्थायी निषेधाज्ञा की डिक्री हेतु प्रस्तुत किया गया है, लिहाजा आपको हुक्म होता है कि 26.07.2024 को वक्त 10:00 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे हालात से करार वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो ऐसे सवालात का जवाब दे सके, हाजिर और जवाबदेही की करें और आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला दस्तावेज पेश करे जिन पर आप बजरिये जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हो। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख [illegible].07.2024 ई जारी किया गया।

आदेशानुसार-मुसरिम

न्यायालय सिविल जज (जू.डि.), गौतमबुद्धनगर

पम्मा ने की 13 वर्ष की बच्ची की मैं खामोश नहीं किताब रिलीज

मन्नत प्रीत कौर एक ऐसी लेखिका है जिसने 13 साल की उम्र में कविता की एक बुक लिख दी थी। यह बच्ची इस समय 9ँ क्लास में पढ़ती है। मन्नत प्रीत की यह किताब नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने रिलीज की इस अवसर पर काफी हस्तियां मजबूत थी। इस अवसर पर पम्मा ने ने कहा इसके ग्रैंडफादर बलविंदर सिंह सोढ़ी एक जाने-माने लेखक है। उन्होंने गीत,गजल,कविता,नावल, हास्य-व्यंग्य और बेअंत शायरी की 80 से ज्यादा किताबें लिखी है। आज हमे मन्नत की लिखी पुस्तक (मैं खामोश नहीं) को रिलीज करके बेहद खुशी महसूस हो रही हैं। और हम चाहते हैं कि यह बच्ची इसी तरह आने वाले समय में अपना नाम रौशन करें। बलविंदर सिंह सोढ़ी ने बताया मन्नत प्रीत को लिखने के साथ-साथ पढ़ाई में हमेशा फर्स्ट आती है। मन्नत प्रीत कौर लिखना तो अभी और भी बहुत कुछ चाहती है परंतु इस समय वह अपनी पढ़ाई पर अपना ध्यान फोकस कर रही है। इसकी सोच आर्मी में जाने की है। उन्होंने बताया मन्नत प्रीत पहले भी एक किताब मेरे मन की बात (मानववादी कविता) लिख चुकी है बच्ची का आगे और भी लक्ष्य किताबें लिखने का।

24 लाख रुपये लेकर यूके का फर्जी वीजा दिया, एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

24 लाख रुपये लेकर युवक को फर्जी वीजा पर विदेश भेज रहे एक एजेंट को पुलिस ने अमृतसर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रमनदीप सिंह के रूप में की गई है। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार, 2 जुलाई को आईजीआई एयरपोर्ट के इमिग्रेशन काउंटर पर पंजाब निवासी गुरप्रीत सिंह पहुंचा था। यूके जाने के लिए उसके पासपोर्ट पर वीजा लगा हुआ था। जांच में वह वीजा फर्जी निकला। मामले की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर गुरप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह 12वीं कक्षा तक पढ़ा है। उसके गांव के कई लोग रोजगार के लिए विदेश गए हुए हैं। वह भी अच्छी कमाई के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान वह एजेंट रमनदीप सिंह से मिला, जिसने उसे 24 लाख रुपये में यूके भेजने का वादा किया। उसने बताया कि ग्रेजुएट को ही स्किलड वर्क वीजा मिलता है, लेकिन गुरप्रीत 12वीं कक्षा तक ही पढ़ा था। उसने 17 लाख रुपये एजेंट को नकद और सात लाख रुपये बैंक खाते में दिए। एजेंट ने पहले ग्रेजुएशन की फर्जी डिग्री पटियाला विश्वविद्यालय से बनवाई। इसके बाद उसके पासपोर्ट पर फर्जी वीजा लगवाकर टिकट के साथ दिल्ली एयरपोर्ट भेज दिया। इस जानकारी पर पुलिस ने पंजाब के अमृतसर में छापा मारकर रमनदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि कुछ वर्ष पहले वह ऐसे एजेंटों से मिला, जो लोगों को विदेश भेजने के नाम पर ठगते थे। उनके साथ मिलकर वह भी कबूतरबाजी करने लगा।

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that Mr. Shiv Kumar S/o. Late Sh. Siya Ram is the owner of Property Bearing Plot No. B – 17, Block – B, AreaMeasuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 203, Situated in Village Binda Pur, Anoop Nagar, UttamNagar, Delhi vide Relinquishment Deed Dated 21.05.2024 executed by 1) Mrs. Sushila Devi W/o. Mr.Murari Lal, Mrs. Beena Devi W/o. Mr. Mukesh Kumar Garg, Mrs. Krishna Devi W/o. Mr. BhagwanDass, Mrs.Renu Goel W/o. Mr. Arun Kumar Goel, Mr. Ram Sharan S/o Late Sh.Siya Ram, Mr. Pawan Kumar Gupta S/o. Late Sh. Siya Ram, (Regd. As Doc No. 2024/25/I/13843, Book No. 1, Vol No. 11541, Pages19-32, SRO – IIB Janakpuri)and in the property chain Original GPA & Will dated 02.07.1997 are/is not with / not available / misplaced from seller and same to be sold to Mr. Lalit Kumarand said property to be financed by AADHAR HOUSING FINANCE LTD, Branch Rajinder Place Delhi if anybody has any charge/interest/title in the said property or any kind of dispute kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present, failing which and I am aware that in case default with the mortgage property that borrower (Lalit Kumar) is responsible.

Krishan Kumar Goswami
Advocate
JBMRLAWASSOCAITES
Office cum Resi. B-1/307-308,
NandNagri Delhi-110093

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी उप मुख्य अभियंता निर्माण, सीएसबी-II, उत्तर रेलवे, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करता है. निविदा समापन तिथि 12.08.2024 को 15.00 बजे। मूल/संशोधित निविदा की अंतिम तिथि एवं समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा:	(ई-निविदा एक पैकेट) (खुली निविदा)।
निविदा सूचना संख्या	133-W-Dy. CE/C-II/CSB दिनांक 18/07/2024
कार्य:	दिल्ली डिवीजन के चिपियाना (CYZ)-गाजियाबाद (GZB) सेक्शन में चौथी लाइन के संबद्ध में, चिपियाना (CYZ) गाजियाबाद (GZB) स्टेशन के बीच मिट्टी काटना, बंध भरना, ब्लॅकेटिंग, बड़े और छोटे पुलो का निर्माण सहित अन्य सभी संबद्ध प्रस्तावित कार्य।
अनुमानित लागत:	रु. 4,62,03,947 (रु. चार करोड़ बासठ लाख तीन हजार नौ सौ सैंतालीस मात्र)।
सुरक्षा राशि:	रु. 3,81,000 (रु. तीन लाख इक्यासी हजार मात्र)।
पूर्णता अवधि:	छह माह।
निविदा की उपलब्धा:	निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदाकर्ता द्वारा निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर दिनांक 25.07.2024 से 12.08.2024 तक उपलोड किए जा सकते हैं।

निविदाएं अपलोड करने की तिथि:	18/07/2024
निविदा समापन तिथि:	12.08.2024 को 15.00 बजे।
निविदा खोलने की तिथि एवं समय:	12.08.2024 को 15.30 बजे।

2187/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शुद्धि पत्र

संदर्भः i) निविदा सूचना संख्या 27/2024—2025 दिनांक 26.06.2024 क्रमांक 19.
ii) निविदा संख्या 07242050 18.09.2024 को देय है।

उपरोक्त निविदा के संदर्भ में, निविदा संख्या 07242050 खोलने की नियत तिथि 18.09.2024 से 14.08.2024 तक प्रीपॉन्ड कर दी गई है। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है

2193/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में इन 18 जगहों पर लगेंगे कांवड़ यात्रियों के लिए शिविर, कई सुविधाओं से होगी लैस

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

1 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा के लिए प्रशासन के साथ-साथ धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं ने भी तैयारी शुरू कर दी है। उत्तर-पश्चिम जिला प्रशासन ने क्षेत्र में 18 स्थान चिह्नित किए हैं, जहां कांवड़ यात्रियों के ठहराव के लिए शिविर लगाए जाएंगे। पानी, शौचालय और स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराएगा प्रशासन

प्रशासन ने शिविर लगाने वाली संस्थाओं को कांवड़ यात्रियों के आने और जाने के लिए लिए अलग से कोरिडोर बनाने और आग से बचाव के लिए शिविर में फायर इस्टींग्यूशर लगाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन पानी, शौचालय व स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराएगा। उत्तर-पश्चिम जिले में कांवड़ यात्रियों के ठहराव के लिए स्थान चिह्नित किए जाने के साथ ही प्रशासन ने शिविर संचालन के लिए धार्मिक-सामाजिक संस्थानों के नामों को भी अंतिम रूप दे दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रशासन की ओर से चयनित किए स्थानों पर शामियाना लगवाए जाएंगे। इसके अलावा शासन और प्रशासन की ओर से कांवड़ शिविर में 24 घंटे चिकित्सा सेवा, पेयजल, टॉयलेट वैन आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अधिकारी ने बताया कि बिजली का अस्थायी कनेक्शन लगाया जाएगा, बिल का भुगतान सामाजिक-धार्मिक संस्था की ओर से किया जाएगा।

शिविर में कांवड़ियों के लिए आने व जाने के लिए अलग से कोरिडोर की व्यवस्था करने के लिए संस्थाओं को कहा गया है। ताकि, कांवड़ यात्रियों के आने-जाने से यातायात प्रभावित न हो। अन्य प्रबंधों पर क्षेत्र के एसडीएम व तहसीलदार नजर रखेंगे।

इन जगहों पर लगेंगे शिविर

केशवपुरम मेट्रो स्टेशन

शिवा मार्केट, बाहरी रिंग रोड, मधुबन चौक

राणा प्रताप बाग, जैन कालोनी के सामने

निमड़ी कालोनी, नजदीक टीचर बाग, अशोक विहार

ई-ब्लॉक, शकूरपुर कालोनी

जेजे कालोनी, शकूरपुर

जयपुर गोल्डन सर्विस रोड, सेक्टर-2, रोहिणी

ए-98/6, वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र

राणा प्रताप बाग, मनवीर माडल स्कूल

मेट्रो पिलर नं. 218, शांति नगर, त्रिनगर

ए-ब्लाक, शकूरपुर आनंदवास

बी-ब्लॉक, मंगोलपुरी

ई-ब्लक , मंगोलपुरी

एस-ब्लॉक, मंगोलपुरी

रिठाला गांव एमसीडी पार्क डिस्पेंसरी के सामने, सुल्तानपुरी

सुल्तानपुरी

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 20 जुलाई, 2024

दिल्लीवालों के साथ सौतेला व्यवहार करना छोड़े केंद्र सरकार

दिल्लीवालों ने ईमानदारी से दिया टैक्स फिर भी भाजपा शासित केंद्र सरकार उनके साथ किया सौतेला व्यवहार- आतिशी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली को केंद्रीय बजट में उसके हक का हिस्सा मिले इस बाबत शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि, केंद्र सरकार दिल्लीवालों के साथ सौतेला व्यवहार करना छोड़े और इस केंद्रीय बजट में दिल्ली को उसके हक का पैसा दे। उन्होंने कहा कि, इस बार केंद्रीय बजट में दिल्ली की माँग है कि दिल्लीवालों के कुल इनकम टैक्स कंट्रीब्यूशन का मात्र 5% हिस्सा यानि 10,000 करोड़ दिल्ली की तरक़्क़ी के लिए मिले। वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि, पिछले साल दिल्लीवालों ने केंद्र सरकार को 2.07 लाख करोड़ इनकम टैक्स और 25,000 करोड़ रुपये जीएसटी दिया लेकिन इसके बदले केंद्र सरकार ने दिल्ली को एक पैसा तक नहीं दिया। उसी जगह मुंबई से 5 लाख करोड़ रुपये इनकम टैक्स के बदले महाराष्ट्र को केंद्र सरकार से 54,000 करोड़ रुपये मिले, कर्नाटक को भी 2 लाख करोड़ के बदले 33,000 करोड़ रुपये मिले। उन्होंने कहा कि, दिल्लीवालों ने दिल्ली सरकार को जो टैक्स दिया वो पूरा दिल्लीवालों पर खर्च हुआ; लेकिन जब 2.32 लाख करोड़ रुपये टैक्स केंद्र सरकार को दिया तो उसमें से दिल्ली को एक पैसा नहीं मिला।दिल्लीवालों ने ईमानदारी से दिया टैक्स फिर भी भाजपा शासित केंद्र सरकार उनके साथ सौतेला व्यवहार किया। आतिशी ने कहा कि, पूरी दुनिया में किसी भी शहर और राज्य के साथ ऐसा अन्याय नहीं होता होगा जो भाजपा शासित केंद्र सरकार दिल्ली के साथ कर रही है। उन्होंने कहा कि, इस केंद्रीय बजट में दिल्लीवाले भीख नहीं बल्कि भाजपा शासित केंद्र सरकार से अपना हक माँग रहे है; इस केंद्रीय बजट में दिल्ली को उसके हक का पैसा मिले जिससे शहर में विकास की रफ़्तार को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि, 23 जुलाई को केंद्र सरकार का बजट आने वाला है। पिछले साल 2023-24 में ये 45 लाख करोड़ रुपये था। केंद्र सरकार बजट में जो पैसा खर्च करती है, वो पैसा देश के लोगों से मिलने वाले टैक्स से आता है।

उन्होंने कहा कि, दिल्ली के लोग मेहनत करते है, ईमानदारी से टैक्स भरते है और उम्मीद करते हैं कि उनके टैक्स के पैसे का इस्तेमाल दिल्ली की तरक़्क़ी में हो। दिल्ली के लोगों के टैक्स का एक हिस्सा दिल्ली सरकार के पास आता है। पिछले साल दिल्ली सरकार को दिल्ली के लोगों ने 35,000 करोड़ का टैक्स दिया। दिल्ली सरकार ने इन पैसों का इस्तेमाल दिल्ली को 24x7 बिजली देने में, फ्री बिजली-पानी देने, अनाधिकृत कालोनियों में पानी का नेटवर्क डालने में, दिल्ली के बच्चों को अच्छी शिक्षा देने में, लोगों की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ देने में, फ़्लाइओवर-रोड बनवाने, ट्रांसपोर्ट बेहतर बनाने में किया। दिल्ली सरकार ने टैक्स के पैसे का इस्तेमाल दिल्ली के विकास के लिए किया।

वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली देश में सबसे ज्यादा इनकम टैक्स देने वाले राज्यों में शामिल है। दिल्ली के लोगों ने पिछले साल केंद्र सरकार को 2.07 लाख करोड़ रुपये इनकम टैक्स के रुपये में दिए। साथ ही जीएसटी के रूप में 25,000 करोड़ रुपये दिए। दिल्ली के लोगों ने पिछले साल केंद्र सरकार को 2.32 लाख करोड़ रुपये का टैक्स दिया।

उन्होंने कहा कि, दिल्ली वालों ने जब दिल्ली सरकार को टैक्स दिया तो वो पूरा पैसा दिल्लीवालों पर खर्च हुआ। लेकिन जब दिल्लीवालों ने 2.32 लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार को टैक्स के रूप में दिया तो उसमे से केंद्र सरकार से दिल्ली को एक पैसा नहीं मिला। आतिशी ने कहा कि, दिल्ली के अलावा देश में कुछ और बड़े इनकम टैक्स कंट्रीब्यूटर्स है। मुंबई शहर से सबसे ज्यादा 5 लाख करोड़ रुपये इनकम टैक्स के रूप में केंद्र सरकार को मिलते है। इसके एवज में केंद्र सरकार टैक्स शेयर के रूप में 54,000 करोड़ रुपये मिलते है। बैंगलुरु लगभग 2 लाख करोड़ रुपये इनकम टैक्स देता है और इसके एवज में कर्नाटक सरकार को टैक्स शेयर के रूप में 33,000 करोड़ रुपये मिलते है। यानी इन दोनों राज्यों को टैक्स में शेयर के रूप में 10% से ज्यादा पैसे मिलते है।

उन्होंने कहा कि, दिल्ली के लोग भी 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का इनकम टैक्स और 25000 करोड़ रुपये का जीएसटी केंद्र सरकार को देते है। लेकिन दिल्ली को इसमें एक रुपये भी नहीं मिलते है। ऐसे में इस बार के बजट में दिल्लीवालों की माँग है कि दिल्ली को अपना हक मिलना चाहिए। जब दिल्ली वाले ईमानदारी से टैक्स देते हैं तो उन्हें उनके हक का पैसा मिलना चाहिए। अगर दिल्ली को उसके हक का पैसा मिलेगा तो जिस गति से दिल्ली में दिल्ली सरकार विकास कर रही है वो और तेज हो जायेगी। इन पैसों का इस्तेमाल पॉवर सेक्टर, ट्रांसपोर्ट सेक्टर और दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर बनाने में किया जा सकेगा। आतिशी ने कहा कि, दिल्लीवाले भीख नहीं माँग रहे बल्कि अपना हक माँग रहे है। हम टैक्स के रूप में दिया सारा पैसा नहीं माँग रहे है। हम ये जानते है कि, दिल्ली जैसे बड़े शहर पूरे देश की इकनॉमिक डेवलपमेंट में सहायक है और दिल्ली का पैसा देश के उन इलाकों में लगना चाहिए जहां जरूरत है। लेकिन ये कैसा न्याय है कि, दिल्ली के लोग 2 लाख करोड़ रुपये इनकम टैक्स दे, केंद्र सरकार को 25,000 करोड़ रुपये जीएसटी दे लेकिन दिल्ली को उसमें एक रुपया भी न मिले।

छठी पुण्यतिथि पर महान गीतकार पद्मभूषण स्वर्गीय गोपालदास नीरज जी को श्रद्धा सुमन अर्पित

- कारवाँ गुजर गया गुबार देखते रहे
- विलक्षण प्रतिभा के धनी थे महान गीतकार नीरजः दयानंद वत्स भारतीय

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री शिक्षाविद् डॉ. दयानंद वत्स भारतीय ने आज संघ के मुख्यालय बरवाला में महान गीतकार स्वर्गीय गोपाल दास नीरज की छठी पुण्यतिथि पर उनके लाखों चाहने वालों की ओर से अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि नीरज के गीतों में मानव मन की भावनाओं का समावेश होता था। जीवन के प्रति उनका भावनात्मक दृष्टिकोण अगाध प्रेम और उल्लास से भरा रहा है। नीरज के गीतों में सौंदर्य और माधुर्य भरा पडा है। उनकी सकारात्मक सोच का प्रभाव उनके गीतों में स्पष्ट परिलक्षित होता है

उनके बोल आज भी प्रासंगिक हैं कारवां गुजर गया गुबार देखते रहे

सहसपुर में जल्द होगा अजीम-ओ -शान कौमी मुशायरा एवं कवि सम्मेलनः नजर बिजनौरी

प्रातः किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

- ये ना लंदन से ना अफगान ना लाहौर से है।
- देश का नाम जो भारत है वह बिजनौर से है।

बिजनौर/सहसपुर।देश, विदेश में अपनी शायरी से जनपद बिजनौर का नाम रोशन करने वाले मशहूर ओ मारूफ अदबी शायर एवं हम फेस्ट संस्था के फाउंडर नजर बिजनौरी ने मुंबई से जानकारी देते हुए बताया की बहुत जल्द ही कौमी एकता को बढ़ावा देने के लिये उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक बिजनौर की धरती के कस्बा सहसपुर में अजीम- ओ- शान कौमी मुशायरा और कवि सम्मेलन कराया जाएगा। जल्द ही इस होने वाले अदबी,तारीखी व साहित्यिक कार्यक्रम की तैयारीयां सरजमी ए सहसपुर , बिजनौर में पूरी आबोताब के साथ हो रही है।

इस कौमी मुशायरा को बहुत ही उम्दा और मयारी शायरी के साथ मुनअक़्क़ीद किया जाएगा और जदीद तकनीक के साथ सजाया संवारा जाएगा। इस मुशायरे एवं कवि सम्मेलन में हिंदुस्तान के मकबूल व मारूफ शायर, कवि और शायरात के साथ साथ फिल्मी सितारे और बड़े वरिष्ठ अधिकारी भी जलवा अफरोज होंगे । शायर नजर बिजनौरी ने आगे बताया कि इस खूबसूरत और मयारी महफि ल ए मुशायरे का मकसद एक ऐसे इतिहास जो इतिहास के पन्नों में तो है लेकिन अक्सर लोगों को इस बात का पता नहीं है। उस इतिहास की सच्चाई को सामने लाना है कि हिंदुस्तान का नाम भारत सरजमी ए बिजनौर की देन है इस जानकारी से इस इतिहास से हमारे देश की जनता ही नहीं बल्कि हिंदुस्तान के बहुत से हुक्मरान भी पूरी तरह से वाकि फ नहीं हैं। मारा मकसद हिंदुस्तान ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को इस तारीख से आशना करना है

गंगा और मालिनी नदी के संगम तट पर महर्षि कण्व के आश्रम में पैदा हुए राजा भरत के नाम पर हिंदुस्तान का नाम भारत रखा गया बिजनौर की आब-ओ- हवा और बिजनौर का मौसम आज भी बहुत साफ और दिल फरेब है ।इसके बावजूद भी लोग बाग विकास की दृष्टि से बिजनौर को उत्तर प्रदेश का पिछड़ा मानते है जबकि इस सरजमी बिजनौर की मिट्टी ने हमेशा नायाब गुल खिलाए हैं।

चाहे सियासत का मैदान हो, अदब हो ,स्पोर्ट्स हो, इल्म और फिल्म कोई शोबा ऐसा नहीं है जहां बिजनौर ने या बिजनौर वालों ने अपना परचम ना लहराया हो।राजा दुष्यंत और रानी शकुंतला के प्यार की निशानी राजा भरत से बना भारत हमसे पूछ रहा है मैं कौन हूं ?और कहां हूं ?।

कहां है मेरे अपने ? पूछ रहा है बिजनौर वालों से भारत? मुझे इंसाफ चाहिए। इस मुशायरा के जरिए हमारा मकसद हिंदुस्तान की सरकार से और उत्तर प्रदेश की सरकार से

यह गुजारिश है के बिजनौर में एक यूनिवर्सिटी स्वर्गीय राजा भरत के नाम से बने जो काम अभी तक की सरकारें नहीं कर पाईं वह मौजूदा सरकार ये इतिहास अपने नाम करें ।

बिजनौर और भारत को पूरी शान और सम्मान के साथ यह हक दें।और एक ट्रेन मुंबई से बिजनौर तक भारत नाम से चलाई जाए क्योंकि मुंबई में बिजनौर के कई लाख लोग रहते है।आपको बताते चलें की शायर एवं हम फेस्ट संस्था मुंबई के फाउंडर नजर बिजनौरी अपने बिजनौर की तरक्की और विकास के लिए प्रयासरत रहते हैं कि कैसे अपने बिजनौर को आलमी पैमाने पर तरक्की की नई पहचान मिले। उनके दिल मे बिजनौर की मोहब्बत कूट-कूट कर भरी है जो की यह निम्न पंक्तियां बिजनौर की धरती के प्रति उनके प्यार को प्रदर्शित करती हैं

कांवड़ यात्रा को लेकर डीएम की सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक, अव्यवस्था पर चेताया

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कावड़ यात्रा के दृष्टिगत लगाए गए सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने ने निर्वाध विद्युत आपूर्ति के लिए क्या व्यवस्था की गई है ,खंभो पर इंसुलेशन कितने टूटे खंभो पर कार्रवाई की गई है मेडिकल की व्यवस्था ग्रामीण और शहरी में साफ सफाई शौचालय पेयजल सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की संबंधित विभागीय अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि लगाए गए सेक्टर मजिस्ट्रेट को जो भी जिम्मेदारी सौंपी जा रही है उसकी पूरी गंभीरता के साथ कार्य करेंगे लापरवाही करने वाले मजिस्ट्रेट किसी भी स्थिति में बख्से नहीं जाएंगे। कावड़ यात्रा सरकार की प्राथमिकताओं में है प्रत्येक विंदु पर नजर रखी जा रही है। जिस अधिकारी की जहां पर ड्यूटी लगाई जा रही है पूरी गंभीरता से निर्वहन करेंगे। जो सेक्टर आवंटित किया गया है वहां पर लाइट पानी विद्युत शौचालय साफ सुथरा मार्ग गड्ढा मुक्त मार्ग सहित सभी व्यवस्थाएं पूर्ण हो पहले से उसका जाकर निरीक्षण सेक्टर मजिस्ट्रेट कर लें कहीं पर कमी है तो उसको दूर करवा लें। जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी सेक्टर मजिस्ट्रेट बिना अवकाश के छुट्टी पर नहीं जाएगें।यदि बिना अनुमति के कोई मुख्यालय छोड़ता है तो कठोर कार्रवाई की जाएगी । मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कावड़ यात्रा में कहीं पर भी खुले में पशु टहलते ना मिले अभियान चलाकर संबंधित गौशाला में शिफ्ट किया जाए। जिला फूड सेफ्टी ऑफिसर यह सुनिश्चित करें कि कहीं पर भी अंडा मांस मछली की दुकान मार्ग में खुली ना रहे ,कोई भी कोई भी बिक्री नहीं होनी चाहिए लगाने वाले शिविर की खाद्य सामग्री की नियमित चेकिंग किया जाए ,खाद्यय सामग्री की रेट लिस्ट अवश्य हो।जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था हो ग्रामीण क्षेत्र में कहीं पर भी अंधेरा ना हो शौचालय एक्टिव रूप में कार्य करें कर्मचारियों की तैनाती कर दी जाए शौचालय की साफ सफाई भी हो। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में भी व्यवस्था हो 5 किलोमीटर के दायरे में तक प्रकाश की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए । अधिशासी अभियंता विद्युत ध्यान दें ट्रांसफार्मर जहां रखे गए हैं उसके चारों ओर बेरिकेटिंग किया जाय ,खंभो पर इंसुलेशन कम से कम 6 फीट तक की ऊंचाई तक अवश्य हो। कोई भी खंबा टेढ़ा ना हो सीधा जो जर्जर टूटे हुए तार बदल दें। अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी मार्ग में जल भराव कहीं पर भी नहीं होना चाहिए। गड्ढा मुक्ति शतप्रतिशत हो जाना चाहिए मार्ग साफ सुथरा दिखे। विद्युत विभाग और मेडिकल के द्वारा कंट्रोल रूम बनाए जाएं और वहां पर कर्मचारियों की तैनाती हो जाए। एंबुलेंस महत्वपूर्ण स्थल पर तैनात किया जाए और उसमें लगाए गए कार्मिक का मोबाइल नंबर भी दे दिया जाए।एआरएम रोडवेज यह सुनिश्चित करें कि किसी भी रोडवेज में अनट्रेंड ड्राइवर न हो चेकिंग कर लगाया जाए स्पीड लिमिट के लिए भी निर्देशित किया जाए। संभागीय परिवहन अधिकारी यह सुनिश्चित करें ओवर लोड और डग्गामार वाहन न चलें जो वाहन अनफिट हैं उन पर पूरी तरह से रोक लगाई जाय।अधिशासी अभियंता जल निगम यह सुनिश्चित करें कि जहां शिविर लग रहे हैं वहां पर पानी के पीने के लिए टोटी लगवाई जाए

हाई कोर्ट में केंद्र शासित रेलवे विभाग के खिलाफ दिल्ली सरकार को बड़ी जीत हासिल हुई

केंद्र शासित रेलवे विभाग द्वारा दिल्ली में कई जगहों पर वर्षों से बसी झुग्गियों को गैरकानूनी तरीके से तोड़ने का काम किया जा रहा है कइसी श्रृंखला में रेलवे विभाग ने दो दिन पहले भी दिल्ली की अलग-अलग इलाकों में बसी कई झुग्गी बस्तियों में उन झुग्गियों को तोड़ने का नोटिस लगा दिया था कजैसे ही मामले की जानकारी दिल्ली सरकार को प्राप्त हुई, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के आदेश पर दिल्ली सरकार का उ्रवरक्ष विभाग इस मामले को लेकर हाई कोर्ट पहुंचा, जहां माननीय न्यायाधीश ने पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए इस बात को माना, कि झुग्गियों को गैर कानूनी तरीके से तोड़ा जा रहा है और रेलवे विभाग द्वारा झुग्गियों को तोड़ने के लिए जारी किए गए नोटिस पर स्टे लगा दिया कबीते वर्ष भी इसी प्रकार से केंद्र शासित अलग-अलग एजेंसियों ने दिल्ली में स्थित कई झुग्गी बस्तियों को तोड़ दिया था, और लाखों लोगों को एक साथ घर से बेघर कर सड़क पर रहने के लिए मजबूर कर दिया था कहाई कोर्ट द्वारा रेलवे विभाग के नोटिस पर स्टे लगा देने के आदेश के बाद शहरी विकास मंत्री श्री सौरभ भारद्वाज सरोजिनी नगर के समीप स्थित फ्लाइंग क्लब जेजे कैंप पहुंचे और झुग्गी बस्ती में रहने वाले लोगों से मुलाकात कर उन्हें कोर्ट द्वारा रेलवे विभाग की नोटिस पर लगाए गए स्टे की जानकारी दी कलोगों में इस खबर को सुनने के बाद खुशी का माहौल था और लोगों ने माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का और दिल्ली सरकार का आभार व्यक्त किया कज्ञात रहे कि यह सभी झुग्गी बस्तियां दिल्ली सरकार के उ्रवरक्ष विभाग के रिकॉर्ड के मुताबिक लिस्टेड झुग्गी बस्तियां हैं, जिन्हें कानून के मुताबिक बस्तियों में रहने वाले लोगों को उनकी झुग्गी के बदले पक्का मकान देने से पहले नहीं तोड़ा जा सकता इस संबंध में एक बयान जारी करते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि दिल्ली सरकार का यह कानून है, कि दिल्ली में जहां कहीं भी झुग्गी बस्तियां हैं, उन झुग्गी बस्तियों को तोड़ने से पहले उन लोगों को रहने का पक्का मकान दिया जाएगा और कानून के अनुसार जो भी एजेंसी झुग्गियों को तोड़ेगी, उस एजेंसी की यह जिम्मेदारी होगी, कि पहले उन झुग्गियों में रहने वाले लोगों को वहीं कहीं आसपास के क्षेत्र में पक्के मकान बना कर दे, उसके बाद ही उन झुग्गियों को तोड़ा जाएगा कउन्होंने कहा कि हमने कोर्ट के समक्ष भी इसी बात को रखा और माननीय हाईकोर्ट ने हमारी इस बात को स्वीकार करते हुए केंद्र शासित रेलवे विभाग द्वारा झुग्गियों को तोड़ने के लिए जारी किए गए नोटिस पर स्टे लगा दिया कउन्होंने कहा कि यदि रेलवे विभाग इन झुग्गियों को तोड़ना चाहता है, तो पहले इन झुग्गियों के बदले झुग्गियों में रहने वाले लोगों को पक्के मकान बनाकर दे कजब तक झुग्गी में रहने वाले सभी लोगों को पक्का मकान बनकर नहीं मिल जाता, तब तक कानून के मुताबिक इन झुग्गियों को नहीं तोड़ने दिया जाएगा मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया, कि केंद्र शासित रेलवे विभाग द्वारा दिल्ली में कई जगहों जैसे फ्लाइंग क्लब जेजे कैम्प, दिल्ली कैंट झुग्गी बस्ती, लोहा मंडी झुग्गी बस्ती, राजीव गांधी कैंप, बुद्ध नगर एवं इन्द्रपुरी झुग्गी बस्ती आदि में इस प्रकार के नोटिस झुग्गी बस्तियों में चिपकाए गए थे, जबकि यह झुग्गी बस्तियां उ्रवरक्ष विभाग में लिस्टेड झुग्गी बस्तियों में आती हैं

दिन दहाड़े गन प्वाइंट पर हुई थी लाखों की लूट

संवाददाता

- 4 साल से थी तलाश, अब क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच की टीम ने लाखों की लूट के मामले में एक वांटेड क्रिमिनल को गिरफ्तार किया है। जिसे कोर्ट ने भी भगोड़ा घोषित कर दिया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सनी मलिक उर्फ सनी के रूप में हुई है। यह रघुवीर नगर और ख्याला इलाके में वारदात को अंजाम दे चुका था। डीसीपी सतीश कुमार ने बताया कि यह लगातार 4 साल से पुलिस की नजर से बचने के लिए इधर-उधर भाग रहा था। इसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार टेक्निकल सर्विलांस और लोकल इनफॉरमेशन की मदद से पुलिस टीम पता लगाने में डटी हुई थी। इसी बीच वेस्टर्न रेंज वन के एसीपी अजय कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर सतीश कुमार, सहायक सब इंस्पेक्टर आदित्य, हेड कांस्टेबल सुदामा, विनोद और लेडी कांस्टेबल प्रियंका की टीम ने एक स्पेसिफिक जानकारी इकट्ठा की। फिर उस जानकारी के आधार पर बकरवाला जेजे कॉलोनी में छापा मारकर इस आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान की गई और फिर गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार लक्ष्मी नगर के रहने वाले एक ज्वेलरी व्यवसाई से चांदनी चौक इलाके में 22 जुलाई 2020 को दिनदहाड़े लाखों की लाखों की लूट की वारदात को सरेआम अंजाम दिया गया था। उसमें गोल्ड और कैश कैश जिस बैग में मौजूद था, यूज लूट लिया गया। उनकी गाड़ी जैसे ही गाड़ी से गीता कॉलोनी फ्लाईओवर होते हुए राजघाट की ओर बड़ी। दूसरी कार ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक किया और उनकी गाड़ी को रोक कर हथियार से लैस बदमाशों ने उनसे डराया। उनसे कहा कि वह क्राइम ब्रांच से हैं और पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच के ऑफिस से लेकर उन्हें जाना है। उनकी गाड़ी से उन्हें अलग-अलग रास्ते से होते हुए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन वाले रोड पर ले गए और वहां से बुराड़ी होते हुए आउटर रिंग रोड की तरफ गए और वहां पर उन्होंने उनसे बैग को लूट लिया। जिसमें गोल्ड के बिस्कुट और कैश रखे हुए थे। उस मामले में पुलिस ने 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया था जबकी उसी मामले में इसकी आरोपी की तलाश की जा रही थी

चोरी की कारों से राजस्थान में तस्करी करने वाला एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के वाहन चोरी निरोधक दस्ते (एएटीएस) ने इलाके से चोरी हुई तीन कारों को सोमवार को बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लखविंदर सिंह ने बताया कि वह चोरी की कारों को राजस्थान में नशे की तस्करी करने वालों को बेचता था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एएटीएस प्रभारी इंस्पेक्टर पवन कुमार की टीम को रोहिणी जिले में सक्रिय वाहन चोरों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। टीम को सूचना मिली थी कि राजस्थान निवासी एक शख्स इलाके में रेकी करता है। फिर बाहर खड़े रहने वाले वाहनों को चोरी करता है। इस जानकारी के आधार पर टीम ने आरोपी लखविंदर को दबोच लिया। उसके कब्जे से मिली कार प्रशांत विहार से चोरी की गई थी। पुलिस ने पूछताछ के आधार पर दो और कारों को बरामद किया। आरोपी पर कार चोरी के दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

मान्सून के दौरान ब्लड शुअर लेवल को नियंत्रित रखकर करें त्वचा और पैरों के संक्रमण को दूर

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली मधुमेह से पीडित मरीजों के लिए मान्सून के दौरान सेहत का ध्यान रखना काफी जरूरी हैं। क्योंकी मान्सून के दौरान तापमान में बदलाव, बढी हुई नमी और दुषित पानी के वजह से होने वाला संक्रमण मधुमेह के मरीजों के लिए खतरनाक साबित हो सकता हैं। मान्सून के दौरान अनियंत्रित मधुमेह त्वचा संक्रमण, पैर के अस्लर और मूत्रमार्ग में संक्रमण को आमंत्रण देता हैं। इसलिए मधुमेह के मरीजों के लिए स्वस्थ रहने और गंभीर जटिलताओं से खुद को बचाने के लिए डॉक्टर द्वारा सुझाए गए अनुसार अपने रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी करना जरूरी है।

देशभ में मधुमेही मरीजों की संख्या बढती जात रही हैं। कई बार लोगों को मधुमेह का निदान जल्दी नही होता हैं। जो लोग दवा ले रहे हैं वे कभी-कभी उन जटिलताओं से भी अनजान होते हैं।

दिल्ली स्थिती अपोलो डायग्नोटिक्स के झोनल टेक्निकल चिफ (नॉर्थ) डॉ. तनिष मंडल ने कहॉ की, मानसून के दौरान मधुमेह से पीड़ित लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है क्योंकि मान्सून के दौरान मधुमेही मरीजों को गंभीर संक्रमण का खतरा रहता हैं। मानसून के दौरान बढ़ी हुई नमी और इससे जुड़े जलजनित संक्रमणों के कारण, प्रतिरक्षा कार्य पर बड़ा असर पड़ता है क्योंकि मधुमेह मरीजों में यह पहले से ही कमजोर होता है। कम प्रतिरक्षा से पाचन समस्याओं, त्वचा के संक्रमण, पैर के अल्सर, मूत्र पथ के संक्रमण (यूटीआई) और मधुमेह न्यूरोपैथी की जटिलताओं से पीड़ित होने का खतरा बढ़ जाता है। हर महीने ८०-१०० बुजुर्ग मरीजों इलाज के लिए अस्पताल आते हैं, जिन्हें अनियंत्रित मधुमेह है। बारिश के मौसम में बिना किसी लापरवाही के मधुमेह पर नियंत्रण रखना काफी जरूरी हैं।

डॉ. मंडल ने कहॉ की, मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए, व्यक्ति को अपने चिकित्सक द्वारा सुझाए गए अनुसार समय-समय पर अपने रक्त शर्करा के स्तर की नियमित रूप से जाँच करनी जरूरी हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण परीक्षण हीमोग्लोबिन अ स्तर परीक्षण या (ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन) है। स्तर पिछले 3 महीनों में रक्त शर्करा के स्तर और ग्लाइसेमिक नियंत्रण का औसत अनुमान देता है। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन द्वारा यह परीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए अनुशंसित किया जाता है कि आपका रक्त शर्करा का स्तर हाल के दिनों में अनुशंसित सीमा के भीतर है और आपकी मधुमेह की दवा को और बेहतर बनाने के लिए है। उपवास रक्त शर्करा और भोजन के बाद रक्त शर्करा परीक्षण (मरीज की वर्तमान मधुमेह स्थिति को समझने में मदद कर सकते हैं जिसके बाद उन्हें उनके चिकित्सक द्वारा उपयुक्त उपचार योजना और दवा की सिफारिश की जाएगी। की सामान्य सीमा से कम और प्री-डायबिटिक रोगियों के लिए के बीच होती है। की सामान्य सीमा के बीच होती है। सामान्य से कम होना चाहिए। कई मधुमेह मरीज समय-समय पर जाचं नहीं करवाते, जैसी स्थिती में कई बार गंभीर संक्रमण होने का खतरा रहता हैं। नियमित रूप से ये जांच कराने से उन्हें मधुमेह को नियंत्रित करने और पैर के अल्सर या त्वचा के संक्रमण को दूर रखने में मदद मिल सकती हैं।

रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी के साथ-साथ, मधुमेह मरीजों को जादा से जादा पानी का सेवन करना चाहिए। बार-बार हाथ धोने के साथ-साथ व्यक्तिगत स्वच्छता रखनी चाहिए। नंगे पैर चलने से बचें, अपने पैरों को साफ और सूखा रखें और अल्सर और संक्रमण को रोकने के लिए उचित और आरामदायक बंद जूते पहनें। मधुमेह मरीजों में एक छोटा सा घाव भी ठीक न होने वाला संक्रमण पैदा कर सकता है। ताजे और साफ फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाएं, घर पर रोजाना व्यायाम करें, घर का बना ताजा खाना खाएं और स्ट्रीट फूड, तैलीय, डिब्बाबंद और प्रोसेस्ड फूड से परहेज करें। डॉक्टर द्वारा दी गई दवाईओं का सेवन करें। नियमित पौष्टिक आहार का सेवन करें। यदि आपको नियमित रूप से अपने रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव दिखाई देता है, तो तुरंत विशेषज्ञ की सलाह ले।, डॉ. मंडल ने कहॉ।

इंटरेस्ट किडनी रैकेट का क्राइम ब्रांच ने किया पदार्फाश

- किंगपिन और कई कोर्डिनेटर सहित 15 गिरफ्तार
- एक किडनी के बदले लेते थे 35 से 40 लाख की रकम
- दिल्ली NCR सहित कई स्टेट में चल रहा था गोरखधंधा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल की टीम ने इटरस्टेट किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पदार्फाश किया है। इस मामले में किंगपिन सहित 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास 34 फेक स्टांप, 17 मोबाइल, दो लैपटॉप, 9 सिम, लग्जरी गाड़ी और डेढ़ लाख रुपए के अलावा फर्जी डॉक्यूमेंट और पेशेंट के फाइल इत्यादि बरामद किया गया है। यह गैंग दिल्ली, एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और गुजरात इत्यादि राज्यों में भी एक्टिव था।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में किंगपिन के अलावा हॉस्पिटलों के कोऑर्डिनेटर, पेशेंट और डोनर भी शामिल हैं। इनके पास से अलग-अलग हॉस्पिटल के ब्लैंक पेपर, लेबोरेटरी के कागजात, पेशेंट और डोनर के कागजात भी बरामद किए गए हैं। डीसीपी क्राइम अमित गोयल ने बताया कि इंटर स्टेट सेल की टीम को इसके बारे में एक इनफार्मेशन मिली थी। उसे इनफॉरमेशन को पुलिस टीम ने डेवलप किया। एक महिला ने इसके बारे में पुलिस को शिकायत भी की थी। जिसने संदीप और विजय कुमार कश्यप सुमित के बारे में बताया था। उसके हस्बैंड के लिए इन लोगों ने 35 लाख किडनी ट्रांसप्लांट के लिए लिया।

उस मामले में पुलिस टीम ने छानबीन शुरू की। एसीपी रमेश चंद्र लांबा, सतेंद्र मोहन की देखरेख में इंस्पेक्टर पवन, महिपाल के साथ-साथ सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार, अंकित, गौरव, सहायक सब इंस्पेक्टर सुरेश, हेड कांस्टेबल बृजेश, ललित, सुरेंद्र, सुनील, तरुण, विनोद, नितेश और नवीन की टीम ने खुलासा किया। सबसे पहले सुमित उर्फ विजय कश्यप को नोएडा से गिरफ्तार किया गया। उसके बाद संदीप आर्य और देवेंद्र को गोवा के फाइव स्टार होटल से पकड़ा गया। इनसे पूछताछ की गई तो फिर और आरोपी एक-एक करके गिरफ्तार होते चले गए।

जांच में पता चला कि यह पूरा गैंग एक ऑर्गेनाइज मैनेज गैंग की तरह काम करता था। गैंग का एक मेंबर पहले उस अस्पताल में ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर के रूप में जॉब पकड़ता था। उसके बाद फिर यह लोग उस पेशेंट को पहचान करते थे जो किडनी की बीमारी से सफर कर रहे होते थे। यह लोग दिल्ली, फरीदाबाद, मोहाली, पंचकूला, आगरा, इंदौर और गुजरात के पेशेंट को मुख्य रूप से टारगेट करते थे। सोशल मीडिया के जरिए डोनर का पता लगाते थे और उनके पुअर फाइनेंसियल कंडीशन का फायदा उठाकर 5 से 6 लख रुपए में किडनी देने के लिए तैयार कर लेते थे।

यह लोग उसका फर्जी डॉक्यूमेंट बनाकर उन्हें नजदीकी रिलेटिव बताकर इस गोरख धंधे में शामिल करते थे। यह दिल्ली सहित अलग-अलग स्टेट के 11 हॉस्पिटल में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। इनमें पांच आरोपी पुनीत कुमार, मोहम्मद हनीफ शेख, तेज प्रकाश और रोहित खन्ना, नरेंद्र को दिल्ली के अलग-अलग जगह से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार अभी तक इस गैंग के द्वारा 34 किडनी ट्रांसप्लांट का मामला के पता चला है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में किंगपिन संदीप आर्य नोएडा का रहने वाला है। यह पब्लिक हेल्थ में एमबीए की पढ़ाई कर चुका है। यह दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, इंदौर और बड़ोदरा मैं ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर के रूप में काम कर चुका है। यह 35 से 40 लख रुपए इसका लेता था इसे सब कुछ खर्च करने के बाद 7 से 8 लाख एक किडनी ट्रांसप्लांट पर बचता था। यह पता चला कि क्रेडिट कार्ड चीटिंग के मामले में भी शामिल रह चुका है।

दूसरा आरोपी देवेंद्र झा संदीप आर्य का नजदीकी रिलेटिव है। उसके सहायक के रूप में काम करता था, उसको हर एक केस के बदले 50 हजार मिलता था। विजय कुमार कश्यप उर्फ सुमित लखनऊ का रहने वाला है। ग्रेजुएट की पढ़ाई कर चुका है, यह संदीप आर्य के संपर्क में आया था। पैसे की जरूरत की वजह से इसने किडनी दिया था। बाद में यह भी शामिल हो गया। इसे भी एक किडनी ट्रांसप्लांट के बदले में 50 हजार मिलता था। पुनीत कुमार हॉस्पिटल मैनेजमेंट की डिग्री की पढ़ाई कर चुका है और यह अलग-अलग कई राज्यों में काम कर चुका है। अभी यह आगरा के एक अस्पताल में ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर के रूप में काम कर रहा था। इसे 50 हजार से लेकर एक लाख एक किडनी ट्रांसप्लांट पर मिलता था। मोहम्मद हनीफ शेख मुंबई का रहने वाला है, यह पैसे से टेलर है। फाइनेंसियल कंडीशन अच्छा नहीं होने की कारण इसने अपना किडनी संदीप आर्य के जरिए डोनेट किया था। बाद में गोरख धंधे में शामिल हो गया। एक आरोपी हैदराबाद का रहने वाला है, यह भी किडनी अपना डोनेट कर चुका है। उसके बाद संदीप आर्य के ही संपर्क में रहकर गोरख धंधे में शामिल हो गया।

संक्षिप्त खबरें

शौच करने के विवाद को लेकर हुई मारपीट, चार लोग हुए घायल

जमुई [झाझा] बलियाडीह गांव में एक व्यक्ति के साथ उसी गांव के कुछ लोगों के द्वारा बेरहमी से मारपीट करते हुए घायल कर दिया। घायल की पहचान नियाज अंसारी के रूप में हुई है। जिसका इलाज रेफरल अस्पताल झाझा में किया गया। जिसे डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। घायल ने बताया कि घर के बगल में शौच कर दिए जाने के विवाद की शिकायत करने पर इसराईल मियां, नियाज मियां, सजाद मियां एवं अन्य ईट पत्थर से चलाते हुए टांगी से प्रहार कर मुझे घायल कर दिया और जब घर के सदस्य सजीदा खातुन, नजमुन खातुन के साथ भी मारपीट किया।

ससुर- बहु के साथ घर के सदस्यों ने मारपीट कर किया घायल

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र अंर्तगत लहरनियाटांड गांव में घर के ही सदस्यों ने ससुर- बहु के साथ बेरहमी से मारपीट करते हुए दोनो को घायल कर दिया। घायल की पहचान कैलाश यादव और उसकी बहु बिंदु देवी के रूप में हुई है। घायल दोनो को इलाज के लिए परिजनों के द्वारा इलाज के लिए आनन फानन में रेफरल अस्पताल लाया गया जहां दोनो घायलों का डॉक्टर के द्वारा इलाज किया गया। घायल बिंदु देवी के पति रूपेश कुमार ने बताया कि मेमरा मंझला भाई बाबुलाल यादव पूर्व में भी जमीन हिस्सेदारी के विवाद को लेकर मेरे पिता के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। शुक्रवार को भी मंझला भाई और उसकी पत्नी प्रमीर्ला देवी उसका बेटा रंजन कुमार, मंटू कुमार फिर से मेरे पिता पर मारपीट करने के लिए घर पर आया तभी मेरी पत्नी मारपीट को रोकना चाहा तो वे सभी लोग उसके साथ मारपीट करने लगा और जब मेरा पिता मेरी पत्नी को बचाने की कोशिश किया तो पिता के साथ भी मारपीट की घटना को अंजाम देते हुए दोनो को घायल कर दिया।

मामूली बात पर महिला के साथ हुई मारपीट

जमुई [झाझा] मामूली बात को लेकर बलियाडीह गांव में एक महिला के साथ उसी के गांव के कुछ लोगों ने मारपीट की घटना को अंजाम देते हुए घायल कर दिया। घायल महिला की पहचान नाजमन खातुन के रूप में हुई है। जिसे रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां घायल महिला का इलाज किया गया। घायल महिला के पुत्र नौशाद आलम ने बताया कि मामूली बात को लेकर गांव के ही रहने वाले सरफुद्धीन, एहसान, अरमान, सदाम सहित आधा दर्जनभर लोगों ने मेरी मां के साथ मारपीट कि घटना को अंजाम दिया।

गिद्धौर में ध्वस्त हुई परंपरागत सिंचाई व्यवस्था, मृत पड़ी है कई सिंचाई पैन

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौर।प्रखंड के हजारों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करने वाले कई सिंचाई पैन आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है । एक समय की बात है। जब ये सभी सिंचाई पैन किसानों के सिंचाई का मुख्य साधन हुआ करती थी। सिंचाई पैन से किसानों द्वारा सिंचाई करने से जहां खेतों के प्यास बुझती थी वहीं इस परंपरागत सिंचाई व्यवस्था से जल स्रोतों का भी प्यास बुझाता था। जिससे भूमिगत जल स्तर बनी रहती थी परंतु आज वहीं सिंचाई पैन मृत्यु की गोद में सुला दी गई है। एक समय था जब किसानों की टोली इन सिंचाई पैन की खुद से मरम्मती किया करते थे इन कार्यों के कारण सामाजिक समरसता बनी रहती थी सभी जाति और समाज के लोगों की भागीदारी से इन सभी सिंचाई पैन को संचालित किया जाता था। जिससे समाज के बीच एक संबंध का संचार होता था लोगों के द्वारा इसे एक उत्सव के रूप में लिया जाता था।जनप्रतिनिधियों के द्वारा इनमें श्रमदान किया जाता था । परंतु आज के विकास के दौर में जमुई के बरनार नदी तथा और कई नदियों से जुड़ने वाली सिंचाई पैन की स्थिति यह है कि कुछ दिनों के बाद यह सिंचाई पैन सिर्फ सर्वे नक्शे पर नजर आएगी। आज इन सिंचाई पैन जिसमें लगभग सिंचाई पैन समाप्ति के कगार पर है। परंतु इसमें सरकार के द्वारा प्रतिवर्ष खुदाई तथा जीर्णोद्धार के नाम पर करोड़ों खर्च किए जाते हैं आज जो सिंचाई पैन अपनी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। खैरा प्रखंड अंतर्गत निजुआरा सिंचाई पैन,प्रधान चक सिंचाई पैन,झींगोय सिंचाई पैन, गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत मौरा पुवारी सिंचाई पैन,मौरा पछियारी सिंचाई पैन,धोबघट बुढ़िया सिंचाई पैन, सिमरिया सिंचाई पैन,कोल्हुआ सिंचाई पैन,रतनपुर सिंचाई पैन जो बरनार नदी से जुड़कर लाखों हेक्टेयर खेती हुआ करती थी वहीं ऊलाई तथा नागी नदी से जुड़कर नागी नदी से दादपुर तक सिंचाई करने वाले दादपुर सिंचाई पैन,जामु सिंचाई पैन,गंगरा के खेतों तक पहुंचने वाली गंगरा बड़की सिंचाई पैन, ढोलबाज गंगरा सिंचाई पैन,कुमरडीह बुढ़िया सिंचाई पैन, बंधौरा सिंचाई पैन,कसरौकी सिंचाई पैन,यह सभी सिंचाई पैन सैकड़ो वर्षों से जमुई के लोगों का पालन पोषण करती रही परंतु आज विकास के दौर में किसान सिंचाई पैन की जगह इलेक्ट्रिक मोटर से भूमिगत जल स्तर की निकासी कर खेती कर रहे हैं। जिससे दिन प्रतिदिन जलस्तर नीचे जा ही रही है जबकि सिंचाई पैन से भूमिगत जल स्तर बना रहता था। वही जमुई जिले में नदियों के लगातार दोहन और बालू उठाव के कारण नदियाँ गहरी हो गई है जिससे सिंचाई पैन का संचालित होना कठिन हो गया। सरकार के द्वारा खर्च किए गए राशि के बंदर बांट का असर इन सिंचाई पैन पर गहरी रूप से पड़ी है। आज जिले के किसान तथा कई समाज सेवी इसकी आवाज उठा रहे हैं परंतु सरकार का ध्यान इस पर नहीं जा रहा है। किसान नेता श्रवण यादव कुणाल सिंह व सच्चिदानंद मिश्र इस विषय पर लगातार आंदोलन कर रहे हैं परंतु इसका असर सरकार पर नहीं पड़ रहा है। आज के दौर में सिंचाई पैन को बचाना पर्यावरण की दृष्टि से अति आवश्यक हो गया है।

शराब पीकर हंगामा कर रहे सरकारी कर्मचारी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई झाझा पुलिस ने शराब पीकर हंगामा कर रहे एक सरकारी कर्मचारी को गिरफ्तार किया। जिसके निशानदेही पर उसके घर से पिस्टल, कारतूस सहित एक बोतल विदेशी शराब बरामद हुआ है। इस संदर्भ में पुलिस अनुमंडल कार्यालय में एसडीपीओ राजेश कुमार ने पीसी कर गिरफ्तारी के संदर्भ में पूरी जानकारी दिया। एसडीपीओ ने बताया कि शुक्रवार को डायल 112 की पुलिस को सूचना दिया गया कि पुरानी बाजार में एक युवक शराब पीकर हंगामा करते हुए अपनी पत्नी व बच्चों के साथ मारपीट कर रहा है। जिसके बाद झाझा पुलिस टीम द्वारा तत्क्षण सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुरानी बाजार पहुंचकर युवक के घर पर पहुंचकर उसको गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान पुरानी बाजार के रहने वाले स्व. दिवाकर झा का पुत्र प्रवीण कुमार झा के रूप में हुई। वही प्रवीण के घर पर मौजूद पुरानी बाजार की रहने वाली पूजा देवी ने पुलिस को बताया कि प्रवीण सेवन कर गाली गलौज व मारपीट करने लगा एवं पिस्तौल अपनी अगुंली में नचाते हुए जान मारने की धमकी दे रहे थे। महिला के द्वारा बताए गए पूरी बात पर थानाध्यक्ष संजय सिंह, पुनि संजय कुमार यादव, पुअनि निधि कुमारी, कुंज बिहारी, नंदन कुमार के द्वारा पूरे घर की तलाशी ली गई ।

शहीद मंगल पाण्डेय के जन्म दिन पर किया वृक्षारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की नारी शक्ति प्रांत टोली सदस्य तथा जमुई शहर की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ ने कहा कि पर्यावरण संतुलन हेतु संसार के मानव को सतत वृक्षारोपण अभियान चलाना होगा , दूसरा कोई विकल्प नहीं हैं । जन्म दिन , वर्षगांठ , पुण्य तिथि आदि सुअवसर पर वृक्षारोपण सभी मानव को करनी चाहिए । जिसमें भारत में बालिका के जन्म दिन पर एक फलदार वृक्ष लगाना चाहिए क्योंकि कन्या बड़ी होकर 2 कुलों को जोड़ती है । जिस कारण कन्या को लक्ष्मी कहा जाता है अतः बच्ची के जन्म दिन पर एक वृक्ष अवश्य लगायें । जमुई स्थित शिशु रोग विशेषज्ञ के एक डॉक्टर ने कहा कि शिशु तो भगवान का रूप है लिहाजा पर्यावरण संरक्षण हेतु बच्चों के जन्म दिन पर वृक्षारोपण करना पुनीत कार्य हे । पर्यावरण भारती के संस्थापक सह पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के प्रांत संयोजक और अखिल भारतीय पेड़ उपक्रम टोली सदस्य रामबीलास साण्डिल्य ने बताया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम शहीद मंगल पाण्डेय जी का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिला अन्तर्गत नगवा गांव में हुआ था । उनके पिता स्वः दिवाकर पाण्डेय धार्मिक व्यक्ति थे । वे सन 1849 में 22 वर्ष की उम्र में ब्रिटिश सेना में भर्ती हुए थे । श्री साण्डिल्य ने आगे बताया कि शहीद मंगल पाण्डेय द्वारा गाय की चर्बी मिले कारतूस को मुंह से काटने पर मना कर दिए थे । फल स्वरुप 2 अंग्रेज अफसरों ने मंगल पाण्डेय को गिरफ्तार करने आगे आया । जिसमें ह्यूस्टन और बाऊ नामक अंग्रेज अफसर को मंगल पाण्डेय ने गोली चला कर मार डाले थे । जिस कारण उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिए गए । फांसी की निश्चित दिन से 10 दिन पहले ही 8 अप्रैल 1857 को बंगाल के बैरकपुर में मंगल पाण्डेय को अंग्रेज शासन ने फांसी दे दिया । भारत माता के सपूत ओर देश की रक्षा करने वाले प्रथम शहीद मंगल पाण्डेय जी के जन्म दिवस पर पौधारोपण स्मरणीय कार्य है । पर्यावरण भारती के वृक्षारोपण कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ , शिशु रोग विशेषज्ञ के अलावा स्वेता कुमारी , संगीता सिंह , कोमल कुमारी , प्रोफेसर राम जीवन साहू , राम बिलास साण्डिल्य , डॉक्टर बी० मोदी , डॉक्टर ए० मोदी , वीरेन्द्र बरनवाल , अमन कुमार नीरज , तेज नारायण ठाकुर , नरेश प्रसाद बरनवाल आदि लोगों ने भाग लिया । ज्ञात हो कि शहीद मंगल पाण्डेय का जन्म आज ही के दीन 19 जुलाई 1827 को हुई थी ।

सुशीला हेम्ब्रम के निधन पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] भारत संचार निगम लिमिटेड के सुपरीटेंडेंट के पद से सेवानिवृत स्थानीय आदिवासी महासभा के अध्यक्ष एवं एससी एसटी अत्याचार निवारण समिति के सदस्य सीताराम बेसरा की पत्नी सुशीला हेम्ब्रम का निधन हो गया है। जिसको लेकर तिलवरिया क्षेत्र में जिला परिषद सह अध्यक्ष शिक्षा समिति धर्मदेव यादव की अगुवाई में शोकसभा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें झारखंड से आए सामाजिक कार्यकर्ता बच्चू मरांड़ी सुरेंद्र यादव, मनिष टुडु, अधिवक्ता उमेश प्रसाद, राजेश साह ,पंसस बाबूलाल बेसरा आदि लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। लोगों ने बताया कि सीताराम बेसरा के सामाजिक योगदान में सुशीला हेम्ब्रम बराबर की भागीदारी निभाने वाली एक सामाजिक कार्यकर्ता थी।

गुरू-शिष्य परम्परा पर संवाद कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में, कुलपति करेंगे उद्घाटन

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा में आगामी 21 जुलाई (रविवार) को अपराह्न एक बजे से आयोजित होने वाले गुरू-शिष्य परम्परा विषयक संवाद कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रधानाचार्य प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव ने शुक्रवार को कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र जारी किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के निमित्त सभी अतिथियों को आमंत्रण पत्र हस्तगत कराया जा चुका है। इसके अलावा वाट्सएप एवं ई. मेल से भी आमंत्रण-पत्र भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि संवाद के उद्घाटनकर्ता-सह-मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. बी. एस. झा, विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव डॉ. विपिन कुमार राय एवं मुख्य वक्ता पूर्व प्रतिकुलपति प्रो. के. के. मंडल होंगे। तीनों की सहमति प्राप्त हो गई है। इसके अलावा जिले के सभी महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य भी सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के संयोजक दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर ली गई है। प्रधानाचार्य द्वारा कुलपति एवं अन्य अतिथियों का महविद्यालय द्वार पर अगुवानी की जाएगी। एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा तथा एनएस के स्वयंसेवक तिलक लगाकर अभिनंदन करेंगे। तदुपरांत कुलपति द्वारा पुस्तकालय के सामने आंवला रोपकर ह्यएक गाछ गुरू के नामह्ण (ए ट्री नेम्ड आफ्टर द टीचर) अभियान की शुरूआत की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभा भवन में पहुंचने के बाद कुलपति एवं अन्य अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम महाविद्यालय के संस्थापक कीर्ति नारायण मंडल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि की जाएगी। अतिथियों का अंगवस्त्रम् एवं पुष्पगुच्छ से सम्मान किया जाएगा। अतिथियों द्वारा डॉ. कौशल किशोर सिंह की पुस्तक ह्यपाषाण गुरुह्ण का लोकार्पण भी किया जाएगा। अर्थपाल डॉ. मिथिलेश कुमार अरिमर्दन ने बताया कि रविवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। शुक्रवार से रविवार तक किसी भी शिक्षक या कर्मी को सामान्यतः किसी भी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर बी. एड. विभागाध्यक्ष डॉ. जावेद अहमद, विवेकानंद आदि उपस्थित थे।

जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने बिहार में कानून व्यवस्था पर उठाया सवाल? लालू और नीतीश राज्य पर बोला जुबानी हमला

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा पहुंचे जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने पदयात्रा के बाद आज मधेपुरा में प्रेस वार्ता की। जहां उन्होंने कहा कि बिहार में आगामी 2025 की विधानसभा चुनाव में जन सुराज सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आगामी 2 अक्टूबर को जन सुराज अभियान को राजनीतिक दल के रूप में परिवर्तित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैंने घोषणा की है कि मैं इस दल का नेता नहीं हूं। उन्होंने कहा कि हम पहले नेताओं को सलाह देते थे कि किस तरह से संगठित हों, किस तरह से चुनाव अभियान चलाया जाए। वहीं काम 2 अक्टूबर बनने वाले जन सुराज के लिए करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। लॉ एंड ऑर्डर की जो एजेंसियां हैं उसका आधा समय शराबबंदी लागू करने, उसको लाने छिपाने में इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि लालू यादव का राज अपराधियों का जंगल राज था। अब नीतीश कुमार का राज अधिकारियों का जंगल राज है। उन्होंने कहा कि बिहार में चपरासी से लेकर मुख्य सचिव तक सब की संख्या अगर जोड़कर देखा जाए तो 1.97% लोग ही सरकारी नौकरी करते हैं। जो लोग यह दावा कर रहे हैं कि सरकारी नौकरी से आपका जीवन बदल जाएगा। वह बिल्कुल आपको भरमा रहे हैं। आपको गलत सपना दिखा रहे हैं। पिछले 75 सालों में मात्र 1.97% लोगों को सरकारी नौकरी मिली है। यह सिर्फ समाज को लॉलीपॉप दिखाकर वोट लेने की राजनीति है। प्रशांत किशोर ने कहा कि पूरे दुनिया में ऐसा कहीं कोई प्रमाण नहीं है कि 13 करोड़ आबादी वाले राज्य में सरकारी नौकरी के जरिए बेरोजगारी दूर किया जा सकता है। दुनिया में इस बात का जरूर प्रमाण है कि अगर लोगों को अच्छी शिक्षा, स्किल और काम करने की सुविधा दे दी जाए तो उससे उसकी रोजी रोजगार मिल सकता है। बता दें कि प्रशांत किशोर जनसुराज अभियान के सूत्रधार हैं और बीते डेढ़ साल से पूरे बिहार में पदयात्रा कर रहे हैं। वहीं जन सुराज के मुख्य प्रवक्ता रंजीत सिंह ने कहा कि मधेपुरा समाजवाद की पवन धरती रही है, जिले में खासकर युवा और बुजुर्गों में काफी खुशी है लोग परिवर्तन चाहता है साथ हीं प्रशांत किशोर की बातों से काफी संतुष्ट है जिस तरह से पीके का कारवां पूरे बिहार में चल रहा है आने वाला समय जरूर परिवर्तित होगी ऐसा आम अवाम का भी मानना है।

10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा बीएन मंडल विवि के षैक्षणिक परिसर में 17 बिहार बटालियन एन.सी.सी. सहरसा के तत्वाधान में चल रहे 10 दिवसीय वार्षिक कैंप का शुक्रवार को कैडेटों के द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन किया गया। 10 दिवसीय कैंप के दौरान कैडेटों को विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। इसके अलावा हथियार चलाना, प्राथमिक चिकित्सा, स्वास्थ्य और स्वच्छता, आपदा से बचाव के तरीके और रक्षा बलों में कैरियर के अवसरों सहित प्रदर्षन और व्यावहारिक अभ्यास भी किए गये। इसके साथ-ही कैडेटों को अपनी सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास गतिविधियों के तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, का जागरूकता फैलाने का भी मौका मिला। साथ-ही विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया, बेहतर प्रदर्शन करने वाले कैडेटों को पुरस्कृत किया गया। शिविर के समापन के दौरान कैंप कमान अधिकारी पी.के. चौधरी ने सभी कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि इन 10 दिनों के प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने जो भी जानकारी हासिल की है उसका बेहतर ढंग से अनुश्रण करें एवं देष का एक जिम्मेदार नागरिक बनें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। इसके साथ-ही सभी कैडेटों के उज्जवल सभी भविष्य की कामाना करते हुए कैडेटों को विदा किया। मौके पर डिप्टी कैंप कमांडर कैप्टन गौतम कुमार, ले. गुड्डु कुमार, ले. डॉ0 शुभाषिश दास, सेना मेडल सुबेदार मेजर मो0 रकीब, बीएचएम मोहन लाल लाम्बा, सुबेदार स्तानजिन मोसलम, हवलदार शैलेश सिंह, एवं यूडीसी कौशलेन्द्र कुमार आदि मौजूद थे।

मानव ने पहली बार सन 1969 में चंद्रमा पर कदम रखा: डॉ. गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई:- चंद्र दिवस की पूर्व संध्या पर देर शाम चंद्र दिवस पर केकेएम कॉलेज के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. (प्रो.) गौरी शंकर पासवान ने कहा कि चंद्रमा पृथ्वी का एकमात्र विशिष्ट उपग्रह है. चंद्रमा की धरती पर सबसे पहले मानव सन 1969 में कदम रखा था. इसी उपलक्ष में 20 जुलाई को चंद्रमा पर पहली बार इंसान के पहुंचने का वर्षगांठ मनाया जाता है. 16 जुलाई 1969 को अपोलो- 2 रॉकेट को अमेरिका ने लांच किया था, जिसमें तीन अंतरिक्ष यात्री- नील आर्मस्ट्रांग, माइकल कॉलिंग और एडमिन एल्डिन सवार थे. कमांडर आर्मस्ट्रांग ने चंद्रमा की धरती पर सबसे पहले कदम रखा था। तदोपरांत घोषणा की थी कि एक व्यक्ति के लिए यह एक छोटा सा कदम है, लेकिन मानवजाति के लिए जबरदस्त छलांग हैह्ण नासा एक बार फिर आगामी 2025 तक इंसानों को चांद पर उतारने का लक्ष्य रखा है. उन्होंने कहा कि चंद्र दिवस मनाने का सबसे उत्तम तरीका है,चांद पर इंसान के पहले कदम से संबंधित कथा,आलेख को पढ़ना और संबंधित फिल्में भी देखना है. चीन और अमेरिका के बीच छिड़ी चांद पर जाने की होड़ में भारत यानी इसरो के लिए अमेरिका रूस ने अपना दरवाजा भी खोल दिया है. चांद पर मूल्यवान और दुर्लभ संसाधन है - टाइटेनियम, हिलियम, थोरियम, यूरेनियम और जल आदि पाए जाते हैं जो चंद्र अर्थव्यवस्था के सूचक हैं। प्रो.पासवान ने कहा कि भारत की भी चांद पर कब्जा कर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने की प्रबल इच्छा रही है। अभी हाल ही में 14 जुलाई को चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण कर इसरो यानी भारत ने विकसित राष्ट्रों को न केवल चौंकाया बल्कि,चंद्रयान-3 जब 23- 24 अगस्त को चांद की दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट और सुरक्षित सफल लैंडिंग कराकर दुनिया में अंतरिक्ष महाशक्ति के क्षेत्र में चौथा देश बन गया, तो दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला संसार का पहला राष्ट्र बन गया है। चंद्रयान 3 साउथ पोल का अध्ययन कर प्रत्येक दिन नया-नया तस्वीर इसरो को भेज रहा है। हमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) पर गर्व है. एक दिन ऐसा भी समय आएगा कि भारत चांद पर पौधा और फसल उगाने में भी कामयाब होगा। उन्होंने कहा कि एक समय में भारत में जब अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरूआत की थी, तो कई विकसित देशों ने इसका मजाक उड़ाया था, लेकिन भारत कम बजट में भी उच्च अंतरिक्ष तकनीक को हासिल करने में सफलता प्राप्त कर अंतरिक्ष प्रक्षेपण में विकसित देशों को लोहा मनवा दिया है। आज भारत श्रेष्ठ अंतरिक्ष तकनीक वाले देशों के कतार में शुमार हो चुका है।

हत्यारे ने सनोज तांती की हत्या कर शव को सिंधिया नदी तट पर फेंका

● हत्यारे को गिरफ्तार करने में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई:- जिले के लक्ष्मीपुर थानान्तर्गत सिंघिया गांव के पास गुरुवार को एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना थानाध्यक्ष आलोक कुमार प्राप्त हुआ। तत्क्षण पुलिस के वरीय पदाधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। मृत शव की पहचान सनोज ताँती पिता बनारसी ताँती ग्राम महुआगढ़ थाना लक्ष्मीपुर के रूप में की गई है।
शव को अन्त्य परीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। घटनास्थल पर वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम बुलाई गई है। जमुई पुलिस की तकनीकी टीम द्वारा घटनास्थल से मोबाइल टावर डंप एकत्रित किया गया है। पुलिस को शुरूआती अनुसंधान में अपराधियों के विरुद्ध महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। पुलिस शीघ्र घटना के उद्भेदन एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए तत्पर है। ज्ञात हो कि सनोज तांती 14 जुलाई को अपने पड़ोसी से कुछ कहा सूनी हुई थी और पड़ोसी ने सनोज तांती को देख लेने की धमकी दी।18 जुलाई को सनोज तांती की हत्या कर शव को सिंधिया नदी तट के किनारे हत्यारों ने फेंक दिया।जिसे लक्ष्मीपुर पुलिस अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल जमुई भेज दिया। वहीं एसडीपीओ सतीश सुमन के नेतृत्व में टीम गठित कर अनुसंधान आरंभ कर दिया गया है और जल्द ही हत्यारे पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

डाक विभाग की योजनाओं की पूर्ण जानकारी साझा करने को लेकर आयोजित हुआ डाक चौपाल

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] डाक सेवाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचे इसको लेकर झाझा डाकघर में डाक चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें अलग विभाग के कर्मी के अलावे अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए। डाक निरीक्षका अभिषेक कुमार ने बताया कि डाक विभाग लगातार लोगों के बीच बेहतर सेवा देने के लिए प्रयत्नशील है। डाक विभाग के द्वारा कई ऐसी जनकल्याणकारी योजना लोगों के बीच पूरी विश्वास के साथ चलाया जा रहा है जिसका लाभ भी लोगों को मिल रहा है। डाक निरीक्षक ने बचत योजनाओं सहित डाक बीमा के बारे मे बताया। उन्होनें बताया कि डाक चौपाल का आयोजन करने का मकसद लोगों में बैंकिंग और बीमा के बारे में साक्षर करना था। डाक चौपाल के माध्यम से हर घर को डाक विभाग से जोड़ा जा रहा है ताकि हर लोग डाक घर से जुड़कर संचालित हो रही महत्वपूर्ण योजना के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त कर डाक विभाग के किसी भी योजना से वंचित न हो पाए। उन्होनें बताया कि आज डाक विभाग लोगों को तमाम सुविधा प्रदान कर रही है। बच्चों की शिक्षा से लेकर सुकन्या योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत खाता, आपीपीबी खाता, डाक निर्यात केंद्र आदि की जानकारी देने के साथ अन्य योजना से लोगों को जोड़ा जा रहा है। मौके पर उपस्थित लोगों से उनकी समस्या भी सुनी गई और उसका समाधान करने का भरोसा भी डाक निरीक्षक के द्वारा किया गया। डाक चौपाल में उपडाकपाल सुधीर प्रसाद सिन्हा, डाक सहायक गोपाल कुमार, नरेंद्र कुमार यादव, सेवानिवृत वरिष्ठ नागरिक सीपी यादव, शंकर यादव सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता की तैयारी जारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा में 22 जुलाई, 2024 (सोमवार) को पूर्वाह्न 11:30 बजे से श्री कीर्ति नारायण मंडल सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का का आयोजन किया जाएगा। नगर अध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि प्रतियोगिता आयोजन की तैयारियां चल रही हैं। इसको लेकर कार्यकताओं द्वारा सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के प्रधानाचार्यों तथा कोचिंग संस्थानों के निदेशकों से अनुरोध किया है कि वे अपने संस्थान के विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित करने का कष्ट करेंगे। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सीनेटर रंजन यादव, एवं विभाग संयोजक सौरभ यादव बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सहयोग राशि मात्र दस रुपए रखी गई है। जिला संयोजक नवनीत सम्राट एवं नगर मंत्री अंकित आनंद ने बताया कि इस प्रतियोगिता का समापन समारोह सह प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार वितरण समारोह 26 जुलाई को ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय में ही आयोजित किया जाएगा।

कुमरसार कांवरिया सेवा शिविर में भाग लेने 25 जुलाई को निकलेगी सत्य साईं सेवादल की टोली

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर/जमुई। बीते गुरुवार की देर शाम गिद्धौर के एक निजी भवन में श्री सत्य साईं सेवा समिति गिद्धौर की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने की। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने बताया कि सावन के पावन महीने में सुल्तानगंज से बाबा बैद्यनाथ धाम जाने के रास्ते में कुमरसार स्थित श्री सत्य साईं बाबा के सेवा आश्रम में कांवरिया सेवा शिविर में भाग लेने के लिए संगठन के जमुई जिला की टोली 25 जुलाई की सुबह निकलेगी जो27 जुलाई तक बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले कांवरियों की सेवा करेगी और 28 जुलाई को वापस आयेगी। इसमें जमुई जिला सत्य साईं सेवा संगठन के अंतर्गत गिद्धौर, झाझा एवं कन्हाईफरका समिति के सेवादल हिस्सा लेंगे। उक्त बैठक में संगठन के बिहार प्रदेश आईटी कॉर्डिनेटर सुशांत साईं सुंदरम, जमुई जिला आध्यात्मिक प्रभारी योगेश कुमार, गिद्धौर समिति कन्वेनर पवन कुमार, युवा प्रभारी रितेश कुमार अध्ययन केंद्र प्रभारी मुकेश कुमार, शशि साईं, मनीष केशरी, मंटू रावत, रॉकी कुमार सहित गिद्धौर समिति के अन्य सेवादल व साईं भक्त मौजूद रहे।

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 20 जुलाई, 2024

विचार मंथन

सम्पादकीय

स्थानीय आरक्षण की सियासत

न जाने क्यों कर्नाटक सरकार को स्थानीय आरक्षण वाला विधेयक फिलहाल स्थगित करना पड़ा! कर्नाटक सरकार की नीयत और उसके मंसूबे विधेयक में साफ झलकते हैं, जिसे राज्य कैबिनेट ने पारित किया था। पारित विधेयक भारतीय संविधान की भावना और उसका अक्षरशः उल्लंघन है, क्योंकि अनुच्छेद 19 (1) के तहत देश का प्रत्येक नागरिक, देश के किसी भी हिस्से में, कारोबार या नौकरी कर, अपनी आजीविका कमा सकता है। किसी भी क्षेत्र की भाषा, जाति, धर्म और राज्यवाद उस पर प्रतिबंध नहीं थोप सकते। इसी तरह स्थानीय भाषा और नागरिकता के आधार पर आरक्षण तय करना भी असंवैधानिक है। कर्नाटक कैबिनेट ने जो बिल पारित किया था, उसके मुताबिक निजी क्षेत्र के उद्योगों, फैक्टरियों और अन्य कंपनियों में प्रबंधकीय श्रेणी के पदों पर 50 फीसदी आरक्षण कन्नड़भाषी लोगों के लिए होगा। गैर-प्रबंधकीय पदों के लिए कन्नड़वालों के लिए 75 फीसदी आरक्षण होगा। सरकार से अनापत्ति प्रमाण-पत्र तभी मिलेगा, जब इस आरक्षण की पुष्टि हो जाएगी। कन्नड़ भाषा का ज्ञान, कन्नड़ परिवार में जन्म आदि शर्तें आरक्षण के लिए अनिवार्य हैं। यदि किसी पद के लिए पात्र, योग्य, कुशल कर्मचारी न मिले, तो यह दायित्व भी कंपनी का होगा कि वह अपात्र व्यक्ति को भी अपने साथ रखे और तीन साल के अंतराल में प्रशिक्षित करे। रोजगार और नियुक्ति कन्नड़वाले को ही मुहैया की जाएगी। दरअसल कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु सूचना प्रौद्योगिकी का गढ़ है। वहां 67, 000 से ज्यादा देशी-विदेशी आईटी कंपनियां काम कर रही हैं। उन कंपनियों में नौकरी सिर्फ योग्यता के आधार पर मिलती है, क्योंकि काम ही तकनीकी और प्रौद्योगिकी का है।

बेंगलुरु में देश के अन्य क्षेत्रों और विदेशों से भी लोग आईटी की नौकरी करने आते हैं और बेंगलुरु के युवा विदेशों में भी नौकरी करने जाते हैं। क्या ऐसे क्षेत्र में आरक्षण तर्कसंगत है? बेंगलुरु के अलावा मुंबई हमारे देश का नंबर एक महानगर है, जहां देश के कोने-कोने से लोग नौकरी करने आते हैं। वहां मराठा के नाम पर ऐसा आरक्षण नहीं है कि अन्य भारतीयों के लिए दरवाजे बंद कर दिए जाएं। कर्नाटक कोई पहला राज्य नहीं है, जहां कैबिनेट ने स्थानीय आरक्षण का बिल पारित किया है। इससे पहले आंध्रप्रदेश (2019) और हरियाणा सरकार (2020) अपने भाषायी और स्थायी नागरिकों के लिए 70-75 फीसदी आरक्षण का कानून बना चुकी हैं। बीते साल नवंबर में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने स्थानीय आरक्षण की व्यवस्था और कानून को खारिज कर दिया था। आंध्र उच्च न्यायालय ने भी स्थानीय आरक्षण को ह्यअसंवैधानिकह्न करार दिया है, जबकि यह बिल आंध्र विधानसभा में मई, 2019 में पारित किया जा चुका था। दरअसल यह भी आरक्षण के बुनियादी मुद्दे सरीखा है। यह भरपूर सियासत भी है। सरकारें स्थानीय आरक्षण को इसलिए लागू करना चाहती हैं, क्योंकि वे अपने मतदाता को रोजगार मुहैया कराना चाहती हैं। यह लाभ उन्हें बाहर के लोगों से नहीं मिल सकता, लेकिन सवाल यह भी है कि कन्नड़वाले बाहर के क्षेत्रों में भी काम करने जाते हैं। हरियाणा के असंख्य लोग दिल्ली और अन्य शहरों में व्यापार करते हैं, नौकरियां करते हैं। क्या उन सभी को प्रतिबंधित किया जा सकता है? यह अवधारणा भी संविधान के खिलाफ है। दरअसल बेरोजगारी पूरे देश की भीषण समस्या है। सरकारों और राजनीतिक दलों के लिए गंभीर चुनौती है। अब भी बेरोजगारी की राष्ट्रीय दर 9 फीसदी के करीब है, जो भयानक है। ऐसे आरक्षण से देश में इंस्पेक्टर राज की वापसी भी हो सकती है, क्योंकि नौकरशाहों को जिम्मेदारी दी जाएगी कि औसत कंपनी में कितने स्थानीय कर्मचारी हैं अथवा नहीं हैं। जिस आयाम को नजरअंदाज किया जाता रहा है, वह है-निजी क्षेत्र पर प्रभाव। अब तक यह साफ हो चुका है कि भारत में केंद्र या राज्य सरकारें देश के बेरोजगार युवा को नौकरी या रोजगार देने में असमर्थ हैं, लिहाजा समाधान के तौर पर निजी क्षेत्र की ओर देखा जा रहा है। स्थानीय आरक्षण के लगातार दबाव से उन शहरों की गतिशीलता और उत्साह या प्रगतिशीलता भी ठंडी पड़ेगी, जो नई प्रौद्योगिकी के हब बने हुए हैं। सियासत के अलावा कोई और रास्ता निकाला जाए, ताकि रोजगार भी मिलें और निजी क्षेत्र पर भी उलटा असर न पड़े।

इसलिए जरूरी है बफर स्टॉक

प्रियंका सौरभ

गेहूं और चने की खुले बाजार में बिक्री से अनाज और दालों की बढ़ती महंगाई को रोकने में मदद मिली है। बढ़ते जलवायु-संचालित आपूर्ति झटकों और मूल्य अस्थिरता के बीच बफर स्टॉक को अन्य प्रमुख खाद्य पदार्थों तक बढ़ाना समझदारी है।

मूल्य वृद्धि को कम करने के लिए बफर स्टॉक को चावल, गेहूं और चुनिंदा दालों के अलावा तिलहन, सब्जियों और यहां तक कि दूध पाउडर को भी शामिल किया जाए। भविष्य में बाजार स्थिरीकरण के लिए पर्याप्त बफर स्टॉक बनाने के लिए अधिशेष वर्षों के दौरान खरीद बढ़ाने की वकालत की जाती है। बफर स्टॉकिंग जलवायु परिवर्तन से प्रेरित कृषि अनिश्चितताओं से प्रभावित मूल्य अस्थिरता को कम कर सकता है, जिससे उपभोक्ताओं और उत्पादकों दोनों को लाभ होगा।

दरअसल बफर स्टॉक आवश्यक वस्तुओं के भंडार हैं जो आपूर्ति और मांग में उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने के लिए बनाए रखे जाते हैं। भारत में चौथी पंचवर्षीय योजना (1969-74) के दौरान शुरू बफर स्टॉक खाद्य सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और मूल्य नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय खाद्य निगम द्वारा बनाए गए चावल और गेहूं के बफर स्टॉक प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान इन प्रमुख वस्तुओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता का समर्थन होता है। बफर स्टॉकिंग खाद्य पदार्थों की कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने का एक साधन हो सकता है, मुद्रा बाजार के मुकाबले आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार के समान। जलवायु-संचालित मूल्य अस्थिरता में वृद्धि-जो अंततः न तो उपभोक्ताओं और न ही उत्पादकों की मदद करती है-केवल खाद्य बफर नीति के मामले को मजबूत करती है।

आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों को स्थिर करने के लिए कमी की अवधि के दौरान बफर स्टॉक जारी किया जाता है, जिससे उपलब्धता सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिए 2019 में प्याज की कीमत में उछाल के दौरान भारत सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने, कीमतों को नियंत्रित करने और मुद्रास्फीति को रोकने के लिए बफर स्टॉक जारी किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्याज सस्ता बना रहे। बफर स्टॉक बनाए रखने से सरकार आपूर्ति की कमी के दौरान कीमतों में भारी वृद्धि को रोक सकती है, जिससे बाजार की मांग संतुलित रहती है। उदाहरण के लिए 2020 में सरकार ने कीमतों को स्थिर करने के लिए बफर स्टॉक से दालें जारी कीं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उत्पादन में कमी के बावजूद दालें उपलब्ध और सस्ती बनी रहें।

बफर स्टॉक बाजार में आपूर्ति और मांग की गतिशीलता को विनियमित करके अत्यधिक मूल्य में उतार-चढ़ाव को सुचारु बनाने में मदद करते हैं। बफर स्टॉक कमी के दौरान बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रास्फीति को कम करते हैं, जिससे कीमतों में अत्यधिक वृद्धि को रोका जा सकता है। उदाहरण के लिए 2021 में गेहूं और चावल के स्टॉक को जारी करने से भारत में बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिली, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि मुख्य अनाज उपभोक्ताओं के लिए किफायती रहे। बफर स्टॉक स्थिर बाजार सुनिश्चित करके, अधिक आपूर्ति के कारण कीमतों में गिरावट को रोककर और मूल्य स्थिरता प्रदान करके किसानों की सहायता करते हैं। उदाहरण के लिए: सरकार ने अतिरिक्त दूध खरीदा और किसानों के लिए दूध की कीमतों को स्थिर करने के लिए इसे स्किम्ड मिल्क पाउडर (एसएमपी) में बदल दिया, जिससे अधिक आपूर्ति के कारण वित्तीय नुकसान को रोका जा सके।

बफर स्टॉक आवश्यक खाद्य पदार्थों तक निरंतर पहुंच सुनिश्चित करते हैं, जिससे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए महामारी के दौरान, गरीबों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने, भूख को रोकने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया था। बफर स्टॉक कीमतों को स्थिर करके और बाजार संतुलन बनाए रखकर आर्थिक झटकों को रोकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिरता में योगदान मिलता है। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र में 2018 के सूखे के दौरान बफर स्टॉक जारी करने से कीमतों को स्थिर करने और आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने में मदद मिली, जिससे क्षेत्र मंक आर्थिक संकट को रोका जा सका। बफर स्टॉक जलवायु-प्रेरित आपूर्ति झटकों के कारण खाद्य उपलब्धता पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हैं, जिससे जलवायु लचीलापन बढ़ता है। अधिशेष वर्षों के दौरान अतिरिक्त उपज की खरीद करके बफर स्टॉक किसानों को एक स्थिर बाजार और उचित मूल्य प्रदान करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक स्थिरता में योगदान मिलता है।

फिर आतंकी हमलें, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है। ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संतप्त परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें।

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है।

ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संतप्त परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें।

डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले कश्मीर टाइगर्स जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन ह्यस्लीपर सेल्सह्न की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है।

पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। उसकी घरेलू व विदेश नीति ह्यकश्मीरह्न पर ही आधारित है। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन उसे उकसाने में लगा हुआ होगा, इसलिए भारत को कहीं अधिक सतर्क रहना होगा।

केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। बढ़ती आतंकी घटनाओं पर गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नजर बनाए हुए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सुरक्षा बल आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देगा लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों को आतंकियों के प्रति अपनी रणनीति बदलनी होगी और आतंकी जिन बिलों में छिपे होंगे उन्हें वहां से निकालकर ढेर करना होगा। आतंकवाद पर अंतिम प्रहार करने की तैयारी करनी होगी और साथ ही आतंकियों के मददगारों की भी पहचान करनी होगी, तभी आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जा सकता है।

पुलिस के आला अधिकारी यदि यह कह रहे हैं कि घाटी के नागरिक समाज में पाकिस्तानी घुसपैठ को बढ़ावा देने में कतिपय राजनीतिक दलों का रुख भी जिम्मेदार रहा है, तो क्या यह आधारहीन है? इसका मुकाबला हर स्तर पर हम एक होकर और सजग रहकर ही कर सकते हैं।

आइए हम सब खेल का उत्सव मनाएं- खेल ही ज्ञान है!

जैसे ही बच्चों ने जादुई पिटारा खोला, जो पूर्व-प्राथमिक स्तर के शिक्षण-शिक्षा से जुड़ी सामग्री है, तो उन्होंने औपचारिक तरीके से पुस्तकों और फ्लैशकार्ड को एक-एक करके ध्यान से देखा। लेकिन जब उनकी नजर नीचे पड़े खिलौनों पर पड़ी, तो उनकी आंखें चमक उठीं और वे उसके चारों ओर ऐसे इकट्ठा हो गए, जैसे बच्चे जन्मदिन-केक के चारों ओर जमा हो जाते हैं। उन्होंने बॉक्स से अपने पसंदीदा खिलौने उठाए- गुड़िया, कठपुतली आदि और एक-दूसरे के साथ खुशी व्यक्त करते हुए अपनी दुनिया में इस तरह मग्न हो गए कि मंच और समारोह पीछे छूट गए। इसने आश्चर्य, जिज्ञासा और खुशी पैदा की। पांच सौ से ज्यादा प्रशासकों, शिक्षाविदों और शिक्षकों की प्रतिष्ठित सभा ने अपने बचपन को याद करते हुए तालियां बजाईं और मुस्कान बिखेरी। जुलाई 2024-25 में नए स्कूल वर्ष की शुरूआत के मौके पर भारत भर की कक्षाओं में चमकती आंखें, हंसी, खिलखिलाहट, बातचीत, नन्हें पैरों की पदचाप और कभी-कभी रोने की आवाजें सुनाई देती हैं। आइए हम नए शिक्षण वर्ष को प्रत्येक बच्चे के लिए स्वागत योग्य, आनंदमय और चंचल बनाकर मनाएं। खेल बच्चों के लिए स्वाभाविक है और समग्र विकास (शारीरिक, सामाजिक-भावनात्मक, भाषाई, संज्ञानात्मक और सांस्कृतिक) के लिए एक शक्तिशाली उपाय है।

श्री संजय कुमार

माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा 20 फरवरी 2023 को जादुई पिटारा (जादू बॉक्स) के शुभारंभ के अवसर पर कुछ बच्चों को बॉक्स का अनावरण करने के लिए मंच पर आमंत्रित किया गया था। जैसे ही बच्चों ने जादुई पिटारा खोला, जो पूर्व-प्राथमिक स्तर के शिक्षण-शिक्षा से जुड़ी सामग्री है, तो उन्होंने औपचारिक तरीके से पुस्तकों और फ्लैशकार्ड को एक-एक करके ध्यान से देखा। लेकिन जब उनकी नजर नीचे पड़े खिलौनों पर पड़ी, तो उनकी आंखें चमक उठीं और वे उसके चारों ओर ऐसे इकट्ठा हो गए, जैसे बच्चे जन्मदिन-केक के चारों ओर जमा हो जाते हैं। उन्होंने बॉक्स से अपने पसंदीदा खिलौने उठाए- गुड़िया, कठपुतली आदि और एक-दूसरे के साथ खुशी व्यक्त करते हुए अपनी दुनिया में इस तरह मग्न हो गए कि मंच और समारोह पीछे छूट गए। इसने आश्चर्य, जिज्ञासा और खुशी पैदा की। पांच सौ से ज्यादा प्रशासकों, शिक्षाविदों और शिक्षकों की प्रतिष्ठित सभा ने अपने बचपन को याद करते हुए तालियां बजाईं और मुस्कान बिखेरी। जुलाई 2024-25 में नए स्कूल वर्ष की शुरूआत के मौके पर भारत भर की कक्षाओं में चमकती आंखें, हंसी, खिलखिलाहट, बातचीत, नन्हें पैरों की पदचाप और कभी-कभी रोने की आवाजें सुनाई देती हैं। आइए हम नए शिक्षण वर्ष को प्रत्येक बच्चे के लिए स्वागत योग्य, आनंदमय और चंचल बनाकर मनाएं। खेल बच्चों के लिए स्वाभाविक है और समग्र विकास (शारीरिक, सामाजिक-भावनात्मक, भाषाई, संज्ञानात्मक और सांस्कृतिक) के लिए एक शक्तिशाली उपाय है। यह बच्चों को एक सुरक्षित, मजेदार और बगैर रोक-टोक वाली जगह में जिज्ञासु होने, खोज करने और प्रयोग करने की अनुमति देता है।हाल ही में, भारत और दुनिया ने 11 जून को संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया, जिसमें विशेष रूप से बच्चों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए खेल के महत्व को मान्यता दी गई है। भारत ने भी खेल पर जोर दिया है और इसे संस्थागत बनाने में अग्रणी रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 और राष्ट्रीय पूर्व-प्राथमिक स्तर पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2022 (एनसीएफ-एफएस) ने पहली बार पूर्व-प्राथमिक स्तर (3-8 वर्ष की आयु) के लिए एक पाठ्यक्रम रूपरेखा की परिकल्पना की और इसे तैयार किया। एनसीएफ-एफएस का मुख्य परिवर्तनकारी पहलू ह्लखेल के माध्यम से सीखनाह्व है, जो अपने आप पता चल जाने वाली बातों को वैधता प्रदान करता है: यानी, जब बच्चे खेलते हैं, तो वे सीखते हैं। सीखना केवल तब नहीं होता, जब बच्चा लिख रहा होता है। सीखने की एक विशेष शैली को लागू न करने की जरूरत है, क्योंकि सीखने वालों की संख्या जितनी अधिक होती है, सीखने के उतने ही अधिक तरीके भी मौजूद होते हैं। खेल में बातचीत, कहानी सुनाना, खिलौने, गीत और कविताएं, संगीत और शारीरिक सक्रियता, कला और शिल्प तथा इनडोर और आउटडोर खेल शामिल होते हैं।

यह आपसी संपर्क छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के बीच एक मजबूत बंधन बनाता है। ऐतिहासिक रूप से, देखभाल के एक हिस्से के रूप में खेल सिंधु घाटी सभ्यता से शुरू हुआ। सभ्यता की विरासत लोरियों, बच्चों की कहानियों, खेलों, खिलौनों, कविताओं और पहेलियों के समृद्ध और विविधतापूर्ण भंडार में दिखाई देती है। एनसीएफ-एफएस की परिवर्तनकारी प्रकृति का प्रतीक एनसीईआरटी का जादुई पिटारा है, जिसे फरवरी 2023 में जारी किया गया। जादुई पिटारा किसी भी स्कूल में पूर्व-प्राथमिक स्तर के लिए आवश्यक सामग्री का उदाहरण है। यह विविधतापूर्ण है और ऐसी सामग्री विकसित करते समय ध्यान में रखी जाने वाली संवेदनशीलता (आयु-उपयुक्त, संवेदी अनुभव और स्थानीय) को प्रदर्शित करता है। पिटारे में खिलौने, खेल, पहेलियां, कठपुतलियां, पोस्टर, फ्लैशकार्ड, कहानी की किताबें, प्लेबुक और शिक्षक-पुस्तिकाएं हैं। प्रत्येक खिलौना और खेल को एक निश्चित सीखने के परिणाम से जोड़ा गया है। देश भर के हितधारकों ने जादुई पिटारा में उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत परिवर्तनकारी शिक्षण-शिक्षा से जुड़ी सामग्री की सराहना की है। राज्यों द्वारा अपने स्थानीय संदर्भ और परिवेश के लिए बॉक्स की सामग्री को अनुकूल बनाने के प्रयास जारी हैं। यह मानते हुए कि हम अब डिजिटल युग में रह रहे हैं और प्रौद्योगिकी-सक्षम चैनल, जादुई पिटारा की पहुंच और प्रभाव को बढ़ा सकते हैं, शिक्षा मंत्रालय ने फरवरी 2024 में ई-जादुई पिटारा का शुभारंभ किया, ताकि यह भौतिक जादुई पिटारा का पूरक बन सके और विभिन्न माध्यमों: कंप्यूटर, स्मार्ट-व फीचर-फोन, टेलीविजन और रेडियो आदि, के जरिये पहुंच को लोकतांत्रिक बनाया जा सके। बच्चों को कहानियां सुनाने तथा खेल-खेल में सीखने की गतिविधियों में उन्हें शामिल करने के जुड़े सवाल पूछने के लिए; देखभाल करने वाले अब चैट और वॉयस सुविधाओं के माध्यम से जनरेटिव एआई का लाभ उठाते हुए वर्चुअल सहायक के साथ बातचीत कर सकते हैं।

गुरुपूर्णिमा - शिष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन !

श्रीमती प्राची जुवेकर

गुरुपूर्णिमा, शिष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन है, यह गुरु और गुरु तत्व का उत्सव है। यह गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है, जो हमें मोक्ष का मार्ग दिखाते हैं व हमारा हाथ पकड़ कर हमें वहां तक ले जाते हैं। इस दिन गुरु-शिष्य परंपरा के संस्थापक आदि गुरु महर्षि व्यास की पूजा की जाती है। इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई 2024 को रविवार के दिन मनाई जाएगी। गुरु ईश्वर का साकार रूप होते है। हिंदू संस्कृति ने गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया है; क्योंकि गुरु साधक को ईश्वर प्राप्ति के लिए साधना सिखाते हैं, उससे करवाते हैं और उसे ईश्वर प्राप्ति में मदद करते हैं। गुरु विभिन्न तरीकों से शिष्यों का मार्गदर्शन करते हैं और जीवन भर लगातार उन पर अपनी कृपा बरसाते हैं।

गुरु के ऋण को चुकाना असंभव है, किन्तु हम विनम्रतापूर्वक गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर सकते हैं ! गुरु पूर्णिमा पर गुरु तत्व अन्य दिनों की तुलना में एक हजार गुना अधिक कार्यरत होता है। इसलिए सेवा और त्याग भी हजार गुना अधिक फलदायी होता है । गुरुपूर्णिमा शिष्यों को गुरु तत्व की सेवा करने और गुरु की कृपा प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। सभी गुरु, बाह्य रूप से स्थूल शरीर से अलग होते हुए भी, आंतरिक रूप से एक हैं। जिस प्रकार गाय के प्रत्येक थन से एक समान शुद्ध दूध निकलता है, उसी प्रकार प्रत्येक गुरु में गुरुत्व एक समान होता है, उसी प्रकार उनसे निकलने वाली आनंद की तरंगें भी एक समान होती हैं। जैसे समुद्र की लहरें किनारे की ओर आती हैं, वैसे ही ब्रह्म/ईश्वर यानी गुरु की लहरियाँ समाज की ओर आती हैं। जिस प्रकार सभी तरंगों में जल का स्वाद एक समान है, उसी प्रकार सभी गुरुओं में तत्त्व एक ही है, ब्रह्म। गुरु का महत्व : इस जीवन में छोटी-छोटी चीजों के लिए भी, हर कोई किसी न किसी से मार्गदर्शन लेता है, चाहे वह शिक्षक, डॉक्टर, वकील आदि हों। फिर जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति दिलाने वाले गुरु के महत्व की कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। संत और गुरु : सकाम और निष्काम की प्राप्ति के लिए संत बहुत कम मार्गदर्शन देते हैं।

कुछ संत लोगों की व्यावहारिक समस्याओं को हल करने के साथ-साथ बुरी शक्तियों के कारण होने वाले कष्टों को दूर करने के लिए भी काम करते हैं। ऐसे संतों का यही काम है। जब कोई संत किसी साधक को अपना शिष्य स्वीकार कर लेते हैं तो वह उसका गुरु बन जाता है। गुरु ही निष्काम (ईश्वर) की प्राप्ति का पूर्ण मार्गदर्शन करते है। एक बार जब कोई संत गुरु के रूप में कार्य करना शुरू कर देते हैं, तो जो लोग उसके पास अपनी सकाम समस्याओं को हल करने के लिए आते हैं, उनका मार्गदर्शन करने की इच्छा धीरे-धीरे कम हो जाती है और अंततः समाप्त हो जाती है; लेकिन जब वे किसी को अपना शिष्य स्वीकार करते हैं तो उसका पूरा ख्याल रखते हैं। प्रत्येक गुरु संत है; लेकिन प्रत्येक संत गुरु नहीं होते । हालाँकि, संतों के अधिकांश गुण गुरु पर लागू होते हैं।

गुरुपूजन : दैनिक स्नान के उपरांत पूजन के समय उपासक गुरुपरंपरासिद्धार्थं व्यासपूजां करिष्ये । का उच्चारण करता है और गुरु की पूजा शुरू करता है। एक धुला हुआ वस्त्र बिछाकर उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम दिशाओं में चंदन से रेखाएँ खींची जाती हैं (प्रत्येक में 12 रेखाएँ)। यह महर्षि व्यास का आसन होती है। ब्रह्मा, परात्परशक्ति, व्यास, शुकदेव, गौड़पाद, गोविंदस्वामी और शंकराचार्य का आह्वान किया जाता है और उन्हें व्यासपीठ पर आमंत्रित किया जाता है। उन सभी को षोडशोपचार पूजा अर्पित की जाती है। इस दिन दीक्षा गुरु और माता-पिता की पूजा करने की प्रथा है। यदि भारत को किसी एक शब्द से परिभाषित किया जा सकता है तो वह है गुरु-शिष्य परंपरा। गुरु की शरण में जाना ही मुक्ति का एकमात्र मार्ग है। गुरु शिष्य के जीवन में अज्ञानता के अंधकार को नष्ट कर उसे परब्रह्म के शाश्वत प्रकाश से मिला देता है। संतों और विद्वानों ने सदियों से गुरु के गुणों का गुणगान किया है।

संक्षिप्त खबरें

जंगली जीवो के घरों में निकल आने का सिलसिला जारी मगरमच्छ का किया रेस्क्यू

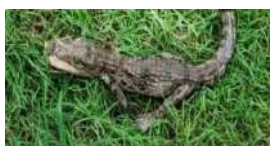

बगहा। वाल्मीकिनगर परिक्षेत्रों स्थित रिहायशी इलाकों में जंगली जीवो के निकलने का सिलसिला जारी है। कहीं जंगली सांप तो कहीं मगरमच्छ बदस्तूर निकल आ रहे हैं। गत दिनों सुबह के मोर्निंग वॉक के समय वाल्मीकि सभागार कन्वेंशन सेंटर के सामने मगरमच्छ के बच्चे को बरामद किया गया था।ठीक इसके दो दिन बाद वाल्मीकिनगर के बिसहा गांव निवासी राजेश कुमार के घर से व्यस्क मगरमच्छ का रेस्क्यू कर गंडक नदी में छोड़ दिया गया। बतादें की बरसात के कारण ये जीव सरकते हुए रिहायशी इलाके की तरफ चले आते हैं। रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि कहीं भी इस तरह की घटना को देखें तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें।

गौरी केडिया बुटीक कलेक्शन प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

छपरा कार्यालय। गौरी केडिया बुटीक कलेक्शन प्रदर्शनी का उद्घाटन उपमेयर रागिनी कुमारी तथा गौरी केडिया ने दीप प्रज्जवलित कर राजस्थान होटल के सभागार में किया गया। उपमेयर रागिनी कुमारी ने अपने सम्बोधन में कहा छपरा में ऐसे प्रदर्शनी की आवश्यकता थी एक जगह पर सभी तरह के कलेक्शन मौजूद हो। गौरी केडिया बुटीक कलेक्शन ने प्रदर्शनी लगा कर इस कमी को पूरा किया है। एक से बढ़कर एक कलेक्शन की प्रदर्शनी लगाई गई है जो सबको पसन्द आएँगी। गौरी केडिया ने बताया यह प्रदर्शनी अभी दो दिन के लिए लगाई गई है। मैंने काफी मेहनत करके बनारस के एक्सक्लूसिव कलेक्शन को इस प्रदर्शनी में शामिल किया है जो छपरा के लोगो को काफी पसन्द आ रहा है। समाजसेवी रोटरी क्लब सारण के संस्थापक अध्यक्ष श्याम बिहारी अग्रवाल ने बताया गौरी केडिया कलेक्शन बनारस घराने का एक नामी ब्रांड है। छपरा जैसे शहर में इस ब्रांड के कलेक्शन को काफी पसन्द किया जा रहा है। इसमें साड़ी, सुट, कुर्ती, कुर्ता पायजामा, बेडसीट आदि का काफी अच्छा कलेक्शन है। इस अवसर पर कौशल किशोर जालान, सुमित के डिया, गोविन्द अग्रवाल, शकुन्तला देवी, संगीता जालान, गंगा चौधरी, राज जालान, ज्योति अग्रवाल, श्वेता माहेश्वरी आदि शहर के गणमान्य उपस्थित हुए।

पिस्टल के बल पर बाइक लूट

एकमा। पिस्टल के बल पर बाइक लूट लेनें का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पीड़िता ने थाना क्षेत्र के पचुवां गांव निवासी अब्दुल गफ्फार के पुत्र मंसूर आलम ने अज्ञात अपराधियों पर प्राथमिक की दर्ज कराई है। अपनी दर्ज प्राथमिकी में कहां है कि हम अपने पत्नी के साथ बाइक से सिवान जिले के चैनपुर से इलाज कराकर अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी बीच आमडाढी गांव के समीप रेलवे ओवरब्रिज के पास पहुंचा तो इसी समय एक स्प्लेंडर पर तीन अज्ञात व्यक्ति सवार होकर मुझे ओवरटेक कर पिस्टल का भय दिखाकर मेरा अपाची मोटरसाइकिल जिसका नंबर बीआर जीरो फोर एम 1349 लूट लिया। जब हम हो हल्ला किया तो तीनों अपराधी बाइक लेकर रसूलपुर की ओर फरार हो गए। तीनों अपराधी जिंस एवं टी-शर्ट पहने हुए थे। पुलिस ने प्राथमिक दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

पीडीएस दुकानों पर शिविर लगाकर 31 जुलाई तक आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा

प्रातः किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन-आरोग्य योजना अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये 18 जुलाई से 31 जुलाई तक सभी पीडीएस दुकानों पर विशेष अभियान का आयोजन किया जा रहा है। राज्य में आयुष्मान भारत-जन आरोग्य योजना का क्रियान्वयन पात्र लाभार्थियों को प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक निःशुल्क चिकित्सा प्रदान करने हेतु किया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (ठञअ) के लाभार्थियों को सम्पूर्ण रूप से स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के क्रम में प्रथम लक्षित परिवारों को आच्छादित करने के उपरांत ठञअ के डेटाबेस में शेष बचे लाभार्थियों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करते हुये इसका संचालन आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के एकीकृत प्लेटफॉर्म पर किया जा रहा है। ठञअ से आच्छादित शत प्रतिशत परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाने के उद्देश्य से इस विशेष अभियान का अयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत जिला के सभी जनवितरण प्रणाली की दुकानों पर सभी पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। इस विशेष अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आज जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने विभिन्न संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। सिविल सर्जन, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस एवं डीपीएम जीविका को आशा, आंगनबाडी सेविका/सहायिका एवं जीविका दीदियों के माध्यम से जमीनी स्तर पर इस अभियान का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने को कहा गया। जिला पंचायत राज पदाधिकारी को सभी मुखिया एवं पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर इस अभियान के बारे में जानकारी देने को कहा गया ताकि जनप्रतिनिधियों के स्तर से भी पात्र लोगों को इस अभियान की जानकारी दी जा सके। सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों को भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर प्रचार-प्रसार का निदेश दिया गया। सभी मार्केटिंग ऑफिसर को पीडीएस डीलरों के साथ आज ही बैठक कर संपूर्ण प्रक्रिया का विधिवत एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया। सभी पीडीएस दुकानों के साथ सी.एस.सी. के वी.एल.ई.(विलेज लेवल इंट्रेप्रेनेर) की टैगिंग की गई है। वीएलई द्वारा सम्बद्ध पीडीएस दुकान पर जाकर पात्र लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। जहाँ वीएलई उपलब्ध नहीं है वहाँ पंचायत के कार्यपलाक सहायकों की टैगिंग करने का निदेश जिला पंचायत राज पदाधिकारी को दिया गया। सभी प्रखंडों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी इस अभियान के क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण हेतु सबंधित प्रखंड के नोडल पदाधिकारी बानाये गये हैं। लोग आयुष्मान भारत एप्प के माध्यम से स्वतः लॉगिन कर निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन कर स्वयं भी अपना आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। जिलाधिकारी ने अभियान के पहले दिन (गुरुवार) की उपलब्धि पर गहरी नाराजगी व्यक्त किया। डिस्ट्रिक प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर आयुष्मान भारत को प्रतिदिन का प्रगति प्रतिवेदन वीएलई वार उपलब्ध कराने का निदेश दिया। बैठक में सिविल सर्जन, जिला आपूर्त्ति पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस, डीपीएम हेल्थ, डीपीएम जीविका सहित अन्य पदाधिकारी तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अंचलाधिकारी, एमओआईसी एवं अन्य पदाधिकारी जुड़े थे।

शराब उन्मूलन को ले ग्रामीण क्षेत्रों में चला जागरूकता अभियान

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम)।मझौलिया प्रखण्ड के माधोपुर, बखरिया सहित अन्य दलित बस्ति में नशा उन्मूलन, बाल शोषण रोकथाम को लेकर, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले, पारा विधिक स्वयंसेवक अवधेश कुमार गुप्ता के द्वारा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए स्वयंसेवक ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दलित, महादलित बस्ती में, बच्चों में बढ़ रहे नशा कि लत, बच्चों के प्रति बढ़ रहे हिंसा, अपराध, बाल शोषण, बाल विवाह से बचाव के लिए बच्चों व उनके अभिभावकों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि छोटे छोटे बच्चों को इन बुराइयों के अलावा, गुड टच व बैड टच के बारे में समझाना भी हैं ताकि वह इन चीजों को समझ सकें और अपने माता - पिता या परिजन को अपने साथ हो रहे शोषण, अपराध के बारे जानकारी दे सके। उन्होंने कहा कि आजकल ज्यादातर बच्चों के ऊपर शोषण, हिंसा व अत्याचार हो रहे हैं, हमें इन बुराइयों से बचना है, कम उम्र में हो रहे बच्चों की शादी को रोकना है। बच्चों में बढ़ रहे नशा करने कि लत को दूर करने के लिए सभी को जागरूक रहने कि जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर घर की महिलाएं चाहे तो नशा मुक्ति व शराब बंदी को पूर्ण रूप से सफल बनाया जा सकता है। अगर घर में कोई पुरूष शराब पीकर आ रहा है या नशीला पदार्थ की खरीद विक्री कर रहा है तो, उसका जोरदार विरोध करें। तथा तत्काल इसकी सूचना अपने थानाध्यक्ष, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, चौकीदार इत्यादि को दे।

नीतीश कुमार की सुशासन व विकास की तथाकथित छवि ढह रही है : महागठबंधन

20 जुलाई को जिलाधिकारी के समक्ष होगा आक्रोश मार्च

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया मोहन सिंह।राज्य में दलित-गरीबों-महिलाओं-अल्पसंख्यकों पर दमन, चौतरफा हिंसा और अपराध के खिलाफ राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तहत भाकपा माले जिला कार्यालय बेतिया में महागठबंधन नेताओं की बैठक हुआ, बैठक में 20 जुलाई को शहीद पार्क से आक्रोश मार्च निकल कर जिला पदाधिकारी के समक्ष होगा बैठक में भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य सुनील कुमार राव, इंकलाबी नौजवान सभा जिला अध्यक्ष फरहान राजा, राजद युवा जिला अध्यक्ष संजय यादव, कांग्रेस जिला कार्यालय सचिव राहुल कुमार वीआईपी जिला अध्यक्ष विजय चौधरी आदि नेताओं ने मिटिंग को संबोधित किया। नेताओं ने कहा कि वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की नृशंस हत्या स्तब्ध करने वाली है. नेताओं ने कहा कि अपराध का ग्राफ बढ़ रहा है और अपराधी बेलगाम और बेखौफ है। 67 साल का वृद्ध जो बिहार के एक बड़े नेता के पिता हैं, उनकी हत्या रात में नृशंसता पूर्वक कर दी जाती है,तो आमलोग की हालत क्या होगी। चुनाव के बाद दर्जनों हत्याएं हुई हैं और दलितवंचितों के ऊपर हमले बढ़े हैं। सुशासन के नाम पर आई सरकार जंगल राज का प्रतिनिधि बन गई है और भाजपा साथ रहते हुए आग में रोटी सेंकने का काम कर रही है।पुल टूट रहे हैं,परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हो रहे हैं और अपराध बढ़ रहे हैं,लगता है कि सरकार का इकबाल ही गिर गया है।

ट्रक ने बाइक सवार को रौदा, एक की मौत 1 गंभीर रुप से घायल

- मौके पर आक्रोशित लोगों ने की आगजनी एवं सड़क जाम, घंटों आवागमन बाधित

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।शुक्रवार को नगर के छावनी के पास खड़ी ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया जिससे घटना स्थल पर ही एक युवक की मौत हो गई। वही एक व्यक्ती गंभीर रुप से घायल हो गया हैं।घटना की सुचना पर पहुंची बेतिया पुलिस ने मृत व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं गंभीर रुप से घायल व्यक्ति को उपचार के लिए बेतिया जीएमसीएच अस्पताल भेज दिया। घटना के सम्बन्ध में बताया जाता है कि घायल गुलफाम अंसारी जो कि पोलंबर मिस्त्री का कार्य करता है बाइक से आर्यन कुमार पोलम्बर मिस्त्री को छोड़ने छावनी जा रहा था। छावनी में रेलवे गुमटी बंद होने के कारण ओवरब्रिज के नीचे खड़ा था। उसी दरम्यान एक खड़ी ट्रक ढुल गई और अपने चपेट में ले लिया।इस दौरान ट्रक की चपेट में आने से बानूछापर हाजमा टोला वार्ड 27 निवासी रामायण साह के 19 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार की घटना स्थल पर ही मौत हों गई। वहीं पोलंबर मिस्त्री गुलफाम अंसारी गंभीर रुप से घायल हो गए हैं जिनका उपचार बेतिया जीएमसीएच अस्पताल में जारी हैं। वहीं आक्रोशित लोगों ने घटनास्थल पर आगजनी कर सड़क जाम किया जिससे घंटो आवागमन बाधित रहा। मौके पर कालीबाग, मनुआपुल एवं बानुछापर थाने की पुलिस मामले को शांत कराने में जुटे।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में कई मामलों का हुआ ऑन-द-स्पॉट समाधान

जिलाधिकारी ने समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम)। जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में शुक्रवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। जनता दरबार में कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के जनता दरबार में कुल-50 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। शुक्रवार को जनता दरबार में जिन लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया उनमें छोटेलाल प्रसाद, लखन साह, रूबी देवी, हृदया मांझी, रमेश पासवान, विपिन बिहारी प्रसाद, सुभाष महतो, शेख तैयब, मनोज प्रसाद, झुनी देवी आदि के नाम शामिल हैं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, विभागीय जांच कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्त्ता, आपदा प्रबंधन रामानुज प्रसाद सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर विनोद कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता विपिन कुमार यादव, जिला परिवहन पदाधिकारी ललन प्रसाद, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की हुई मौत, दूसरा घायल

प्रात: किरण, संवाददाता

दरियापुर।स्थानीय थाना क्षेत्र के शीतलपुर-परसा पथ पर दरियापुर बाजार के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक सवार सगे भाइयों को ठोकर मार दी।जिसमें दोनों घायल हो गए।जिसमें इलाज के क्रम में छोटे भाई की पीएमसीएच में गुरुवार की देर शाम मौत हो गई।मृतक 22 वर्षीय अमरजीत कुमार मठ केवटिया के चंदेश्वर राय का पुत्र था।मृतक के पिता ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह अपने बड़े भाई नीतीश कुमार के साथ बाइक से दरियापुर बाजार पर सामान खरीदने जा रहा था।तभी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में ठोकर मार दी।जिसमें नीतीश आंशिक व अमरजीत बुरी तरह घायल हो गया।लोगों ने उसे इलाज के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।जहां इलाज के बाद चिकित्सकों ने उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया।जहां इलाज के क्रम में ही उसकी मौत हो गई।मौत की सूचना मिलते ही उसके घर में कोहराम मच गया।सुबह में शव थाने पर पहुंचा।जहां से पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेजा।पूर्व जिला पार्षद राजनाथ राय,लक्ष्मण ब्यास सहित कई गण्यमान्य लोग मृतक के घर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी।मृतक दिल्ली में एक कपड़ा मिल में काम करता था।एक माह पूर्व ही घर आया था।वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था।लोगों को कहना है कि मृतक बहुत ही मिलनसार लड़का था।

जंगली हाथियों का वीटीआर जंगल मे हो रहा है लगातार मूवमेंट्स, वनकर्मी मॉनेटरिंग में लगे

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। वीटीआर वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र में नेपाल स्थित चितवन राष्ट्रीय निकुंज से भटककर आए हाथियों की चहलकदमी इन दिनों बराबर बनी हुई है।बतादें की शुक्रवार को गनौली वन क्षेत्र के टी 41 व टी 3 के जंगल में हाथियों के पगमार्क वन कर्मियों को मिलने की सुचना हैं।बताते चलें कि गत एक सप्ताह पहले टाइगर रिजर्व में पहुंचे हाथियों का मूवमेंट्स टाइगर रिजर्व में देखा जा रहा है । वनकर्मियो की टीम हाथियों के पगमार्क के सहारे मॉनिटरिंग में लगी हुई हैं। हालांकि अब तक जंगली हाथियों के द्वारा किसी भी प्रकार के नुकसान पहुंचाने की सूचना नहीं है। वही टाइगर रिजर्व के पालतू हाथियों को सुरक्षा हेतु कौशल विकास केंद्र परिसर में रखा गया है। इस बाबत पूछे जाने पर वन संरक्षक सह क्षेत्र निदेशक डॉक्टर नेसामणि ने दूरभाष पर बताया कि बारिश के कारण हाथियों के पगमार्क जंगल में स्पष्ट नहीं हो पा रहे हैं। जिससे उनकी क्लियर लोकेशन नहीं मिल पा रही है। सुचना के मुताबिक ऐसा संभावना है कि हाथियों की गतिविधि सोनहा जंगल की तरफ हो सकती है। वनकर्मी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। टाइगर रिजर्व की भरपूर हरियाली चितवन के जंगली हाथियों को खूब लुभाती है। जिस कारण नियमित अंतराल पर चितवन जंगली हाथी सरहदों को पार कर टाइगर रिजर्व में प्रवेश कर जाते हैं और दो-चार दिनों तक लगातार विचरण कर नेपाल की तरफ वापस चले जाते हैं।

इंडो नेपाल सीमा गंडक बराज एसएसबी कैम्प में सीमा मित्रों के साथ बैठक संपन्न

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। एसएसबी 21 वीं बटालियन के इंडो नेपाल सीमा पर स्थित एसएसबी बी समवाय के साथ सीमा मित्रो की शुक्रवार को बैठक हुई। जिसमें सावन के महीना में भीड़ भाड़ के कारण सुरक्षा में सहयोग,बाढ़ से बचाव, सर्प दंश से बचाने के उपाय, नागरिक कल्याण योजना में युवा के लिए रोजगार के अवसर नागरिक के लिए व मवेशी के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई और साथ ही सीमा मित्रों से सहयोग की अपील की गई। बतादें की इंडो नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी के जवानों के द्वारा समाज से जुड़े सरोकारों के लिए कई कार्यक्रम चलाए जाते रहे है। इस कार्यक्रम में एसएसबी बी कम्पनी के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार मंडल,एएसआई गिरवीर सिंह,मुखिया पन्ना लाल साह, मुख्य प्रतिनिधि रमेश महतो दरुआबारी समेत सभी वार्ड सदस्य के अलावा समाजसेवी विजय कुमार झा एवम अन्य गण्यमान्य लोग शामिल हुए।

डाक चौपाल का आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

जलालपुरे जलालपुर बाजार स्थित बाल विकास निकेतन के प्रांगण में सारण डाक प्रमंडल द्वारा डाक चौपाल का आयोजन वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जे पी सेनानी ललनदेव तिवारी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक डाक अधीक्षक निरज कुमार ने डाक विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डाक विभाग में, आवर्ती खाता, बचत खाता, पेंशन योजना खाता, किसान विकास पत्र, राष्ट्रीय बचत पत्र , सुकन्या समृद्धि योजना खाता, पी एल आई, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, आई पी पी बी बैंक खाता आसानी से खोला जाता है तथा आयुष्मान एवं आधार कार्ड भी प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा बनाया जाता है। कार्यक्रम का संचालन भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश्वर कुंवर ने किया। इस अवसर पर रमेश तिवारी, कन्हैया सिंह तुफानी, धर्मेन्द्र यादव एवं उतम बैठा मुखिया, अनिल कुशवाहा सरपंच, अवधेश सिंह, रामेश्वर सिंह काका, शैलेंद्र सिंह, राहुल मेहता, तरुण कुमार, नगनारायण सिंह, अमितांशु भूषण मिश्र, सूरज पासवान, बिनोद साह सनत तिवारी उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन बाल विकास निकेतन के निदेशक नागेन्द्र सिंह अधिवक्ता ने किया।

डाक चौपाल लगाकर डाक कर्मियों द्वारा योजनाओ की दी गई जानकारी

- चौपाल में उमड़ी हुई थी लोगो की भारी भीड़

प्रात: किरण, संवाददाता

अमनौर प्रखंड के अमनौर पर्यटक स्थल बड़ा पोखरा के सेमिनार सभागार में शुक्रवार को डाक चौपाल का आयोजन किया गया।इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रबुद्ध गण्यमान लोग शिक्षाविद समेत सैकड़ो आम ग्रामीण जनता शामिल हुए। कार्यक्रम का प्रारम्भ बीपीआरओ जितेंद्र कुमार के कर कमलो द्वारा किया गया। पूर्वी अनुमंडल मढ़ौरा डाक अधिकारी दीपक साह ने डाक विभाग के योजनाओ के बारे में बिंदुवार जानकारी दी ।डाक चौपाल के द्वारा सरकारी सेवाएं आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत पेमेंट बैंक सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, ई-कॉमर्स और निर्वात सेवाए, नागरिक केंद्रित सेवाएं आईपीपीबी बचत खाता महिला सम्मान बचत खाता किसान सम्मान निधि के बारे में बिस्तार से बताया गया। सुकन्या समृद्धि खाता जो खाता बालिका के जन्म लेने से उसकी आयु 0- 10 वर्ष तक की आयु तक खोला जा सकता है.1 वर्ष में न्यूनतम रुपए 250 और अधिकतम रुपए 1.5 लाख जमा किया जा सकता है. ब्याज दर 8.2% एवं 18 वर्ष उम्र या शादी के समय परिपक्व हो जाएगा. ग्रामीण डाक जीवन बीमा के बारे में जानकारी प्रदान की गई। जिसमे प्रमुख योजनाएं आजीवन बीमा, बंदोबस्ती बीमा, प्रत्याशित बंदोबस्ती बीमा, परिवर्तनीय आजीवन बीमा, युगल सुरक्षा चिल्ड्रन पॉलिसी के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गई। उम्र 5 वर्ष तक के बच्चे का आधार कार्ड बनाने के लिए मुफ्त कैम्प लगाया गया था। उक्त मौके पर अमनौर हरनारायण मुखिया प्रतिनिधि राजीव सिंह मुखिया प्रतिनिधि दिलीप साह , पूर्व जिला परिषद विक्रमा मांझी सच्चिदानंद शर्मा संजय कुमार सिंह,स्वामी शरण तिवारी, मनीष सिंह,सुबोध सिंह, आलोक सिंह, भारतेन्दु विमल, विशाल कुमार समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

जिला पदाधिकारी के द्वारा लोक शिकायत के 06 मामलों की सुनवाई करते हुए किया समाधान

सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें: जिला पदाधिकारी

- बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम- 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी, सारण अमन समीर के द्वारा शुक्रवार को कार्यालय कक्ष से बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील में शिकायतों की सुनवाई की गई और शिकायत का निवारण किया गया।

जिला पदाधिकारी के द्वारा आज लोक शिकायत के कुल 06 मामलों की सुनवाई की गई जिसमें 02 मामलों पर अंतिम रूप से आदेश पारित किया गया तथा शेष 04 मामलों में पूर्ण प्रतिवेदन के साथ अगली तिथि पर लोक प्राधिकार को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी अमन समीर ने कहा कि लोक शिकायतों का ससमय तथा गुणवत्तापूर्ण निवारण अत्यावश्यक है। लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी। उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें।

कटाव को लेकर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम और प्रदर्शन, पुलिस प्रशासन ने समझाबुझा कर जाम खुलवाया

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा स्थित गंडक नदी से कटाव तेज हो गया है ।जलस्तर में गिरावट के कारण लगातार हो रहे कटाव के बाद आक्रोशित लोग सड़क पर उतर आये हैं ।एनएच 727 गोरखपुर बेतिया मुख्य सड़क पर मंगलपुर के पास कटावरोधी कार्य की धीमी गति और बचाव कार्यों कि गुणवत्ता से नाराज ग्रामीण आक्रोशित होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं ।कटाव की सूचना मिलते ही वाल्मीकिनगर के जेडीयू विधायक रिंकू सिंह मौके पर पहुंचे फिर क्या लोगों का आक्रोश देखकर माननीय ने जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को जमकर फटकार लगाई । इसके बाद विधायक नें कटाव से बचाव कार्य में तेजी लाने के साथ साथ मजबूती का निर्देश दिया। बतादें कि बगहा में गंडक नदी कटाव कर लगातार आगे बढ़ रही है जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है । फिलहाल मंगलपुर के साथ साथ धनहा के रंगळलही में दबाव बना हुआ है जिससे लोगों के घर बार कटने का खतरा तेज हो गया है। यहीं वजह है कि लोग हल्ला बोल बांस बल्ली लगाकर मुख्य सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने लगे हैं तों माननीय का गुस्सा भी अभियंता पर भड़क उठा और खरी खोटी सुना डाला।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक से कुचलकर बाइक सवार की मौत

आरा। जिले के गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर अंडरपास के समीप सीमेंट लदी ट्रक ने एक बाइक सवार को बुरी तरह कुचल दिया जिससे उसकी घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के सरथुआ निवासी रामईश्वर सिंह का 40 वर्षीय पुत्र संतोष सिंह यादव बताया जाता है। मृतक अपने घर सरथुआ से गीधा इंडस्ट्रियल एरिया के एक गैस कंपनी में काम करने आ रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही ट्रक ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मारते हुए उसे कुचल दिया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा भेज दिया।

इसुआपुर में पुल पुलियों के निर्माण पर दिया गया बल

इसुआपुर। प्रखंड विकास कार्यालय इसुआपुर के सभागार में शुक्रवार को प्रखंड प्रमुख मिथिलेश प्रसाद यादव की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। बैठक में प्रभारी बीडीओ सह राजस्व पदाधिकारी पूजा रॉय ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों को बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग एवं पथ प्रमंडल सारण द्वारा निर्मित सड़क में अतिरिक्त पुल पुलियों के निर्माण के लिए प्रस्ताव की मांग की गई है। जिसके लिए जनप्रतिनिधियों से दो दिनों के अंदर इस संबंध में अपना प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा गया। वहीं जनप्रतिनिधियों से खतियानी रैयतों को संधारित जमाबंदी में आधार सिडिंग कार्य तथा आयुष्मान कार्ड को बनवाने में भी उनके द्वारा सहयोग किए जाने की अपील गई। वहीं प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी आकांक्षा के द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने पोषक क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाइट का कार्य सुनिश्चित किए जाने की बात कही गई। बैठक में प्रभारी लिपिक केसरी सिंह, उप प्रमुख प्रतिनिधि डब्लू ओझा, मुखिया अजय राय, धनंजय पांडेय, विजय सिंह, पन्नालाल राय, अजय साह, सूरज लाल श्रीवास्तव, सुरेंद्र राम, हरे राम राम, मुकेश चौरसिया व अन्य थे।

सेमिनार में कुलपति ने दिया व्याख्यान

छपरा कार्यालय। जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर में आयोजित द्विसाप्ताहिक क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में सारगर्भित व्याख्यान दिया। युवा समाज विज्ञान प्राध्यापकों के क्षमता संवर्धन हेतु आयोजित इस सेमिनार का थीम इक्कीसवीं सदी की जरूरतों के मुताबिक समाज विज्ञान की शोध कार्यप्रणाली था। इस थीम पर माननीय कुलपति महोदय ने अपने व्याख्यान में कई विषयगत संदर्भों की चर्चा करते हुए 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप शोध पाठ्यक्रम तैयार करने पर बल दिया। माननीय कुलपति महोदय के व्याख्यान को वहां उपस्थित शैक्षणिक जगत के लोगों द्वारा काफी सराहा गया। कार्यशाला के अध्यक्ष गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर के माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल हैं जबकि मुख्य अतिथि आईजीएनटीयू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रकाशमणि त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि प्रो. ए. एस. रणदिवे, कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय थे।

संकायाध्यक्ष कार्यालय का कुलपति ने किया उद्घाटन

छपरा कार्यालय। शुक्रवार को जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के कुलपति प्रोफेसर परमेंद्र कुमार बाजपेई ने संकायाध्यक्ष, समाज विज्ञान के ऑफिस का उद्घाटन किया। मालूम हो कि स्थापना काल से जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा में संकाय अध्यक्ष का कोई भी ऑफिस नहीं था। कुलपति ने पहली बार सभी संकाय को ऑफिस अलॉट कर रहे हैं जिसकी पहली उद्घाटन सोशल साइंस संकाय का किया गया है। इस अवसर पर सोशल साइंस संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ अनिल कुमार सिंह द्वारा लिखित पुस्तक स्वामी विवेकानंद राष्ट्रवादी चिंतन का का विमोचन किया गया। यह पुस्तक एडिटोरियल इंडिया दिल्ली के द्वारा प्रकाशित की गई है। प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह द्वारा लिखित 14वां पुस्तक है। जिसका विमोचन कुलपति प्रोफेसर परमेंद्र कुमार वाजपेई ने किया है। इस अवसर पर चारों संकाय के डिन सभी विभाग के विभागअध्यक्ष एवं शिक्षक शोधार्थी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रोफेसर सैयद रजा प्रोफेसर सुधीर कुमार सिंह, प्रोफेसर कुमार मोती, प्रोफेसर संजय कुमार, डॉ नीरज कुमार, डॉ रत्नेश्वर नाथ तिवारी आदि थे. कुलपति प्रोफेसर प्रमेन्द्र कुमार बाजपेई ने पुस्तक पर विस्तार से अपनी बात रखी।

डॉ. रजनीश कांत को लंदन में मिला वर्ल्ड बुक ऑफ रेकॉर्ड्स का सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। आरा जिले के काइरोप्रैक्टर डॉ। रजनीश कांत ने सात समुंदर पार वर्ल्ड बुक ऑफ रेकॉर्ड्स सम्मान प्राप्त कर बिहार का मान बढ़ाया। उन्हें यह सम्मान 18 जुलाई को ब्रिटिश पार्लियामेंट लंदन में आयोजित समारोह के दौरान मिला। इस मौके पर उनके साथ दुनिया की चिकित्सा क्षेत्र की कई बड़ी हस्तियां भी मौजूद रहीं। इससे पूर्व उन्हें 29 जून को दुबई के पाम अटलांटिस होटल में एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉ। रजनीश कांत को काइरोप्रैक्टर के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

अवार्ड पा कर डॉ. रजनीश कांत ने कहा कि यह फिजियोथेरेपी, ऑस्टियोपैथी और काइरोप्रैक्टर उपचार का एक ऐसा रूप है, जहां हम हर तरफ से इलाज करवाकर निराश हो चुके लोगों का इलाज करते हैं और उन्हें ठीक करके घर भेजते हैं, जिसमें इसमें न तो किसी दवा का प्रयोग किया जाता है और न ही किसी विशेष प्रकार की सर्जरी की जाती है। अब तक इस पद्धति से कमर दर्द, पैर दर्द, नस दर्द, गैस्ट्रिक, सिर दर्द, कमर दर्द, बदहजमी जैसी कई प्रकार की बड़ी बीमारियों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा चुका है। बिहार के भोजपुर जिले के आरा शहर के बेगमपुरा मोहल्ले जैसी छोटी जगह से आने वाले डॉक्टर रजनीश कांत बहुत ही कम उम्र में सफलता के शिखर पर पहुंच गए हैं।

क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कोई ऐसी चिकित्सा प्रणाली भी हो जिसमें दवा की एक भी खुराक के बिना कोई बीमारी जड़ से ठीक हो जाए? यह कर दिखाया आरा भोजपुर के बेगमपुरा मोहल्ले के निवासी फिजियोथेरेपिस्ट, ऑस्टियोपैथ और कायरोप्रैक्टर डॉ। रजनीश कांत ने। उन्होंने ऐसी चिकित्सा पद्धति से देश-विदेश में लोगों का इलाज कर चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांति का बिगुल फूंक दिया है। उनकी वैद्य प्रणाली से अब तक देश-विदेश के हजारों लोग लाभान्वित हो चुके हैं। वह इस चिकित्सा प्रणाली से बिहार में हर महीने की पहली तारीख को 100 मरीजों का मुफ्त इलाज करते हैं।

आज के आधुनिक युग में जहां हर जगह पैसे की भूख है, वहीं समाज के गरीब तबके को मुफ्त चिकित्सा प्रदान करने के कारण डॉ। रजनीश कांत को हर जगह सम्मानित किया जा रहा है। वह सिर्फ महीने की पहली तारीख को ही नहीं बल्कि उनके क्लीनिक पर आने वाले गरीबों से भी उनकी हालत देखकर इलाज के लिए पैसे नहीं लेते हैं। बहुत कम समय में सबसे ज्यादा मरीजों का इलाज करने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। इन सभी उपलब्धियों के कारण विश्व प्रसिद्ध संस्था एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड बुक ऑफ रेकॉर्ड्स से सम्मानित किया गया।

आरा सदर अस्पताल में वृद्ध से निबंधन के नाम पर पैसे मांगने का आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले के आरा सदर अस्पताल में निबंधन शुल्क के नाम पर अधिक पैसे की वसूली का मामला प्रकाश में आया है। सदर अस्पताल आरा में ओपीडी निबंधन काउंटर पर आपरेटर द्वारा वृद्ध मरीज से पांच रुपये लिए जाने को लेकर भुक्तभोगी ने सिविल सर्जन, डीएम, स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री को आवेदन दिया है। जबकि सीनियर सिटीजन मुफ्त में निबंधन होना है ऐसे में वृद्ध से 5 रुपये पैसे जाने से गुस्साए वृद्ध ने शिकायत दर्ज कराई है। कोईलवर के गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर निवासी धर्मात्मा शर्मा ने सिविल सर्जन को भेजे गए आवेदन में कहा है कि सदर अस्पताल आरा में निबंधन काउंटर पर नियम का उलंघन कर मरीजो से अवैध राशि ली जा रही है। वृद्ध धर्मात्मा शर्मा ने बताया कि 16 जुलाई को इलाज के लिए सदर अस्पताल आरा गया था। जहां रोग का हाल बताने के बाद निबंधन के लिए पांच रुपये आपरेटर को दिया। जिन्हें तीन रुपये लौटाने को कहा तो खुल्ला नहीं होने की बात कह पैसा नहीं लौटाये, जबकि काउंटर से टेबल पर पांच रुपये का खुल्ला दिख रहा था। कर्मी को कई बार पैसे देने का आग्रह के बाद भी तीन रुपये वापस नहीं किया गया। जब ओपीडी का रसीद मिला तो उस पर सीनियर सिटीजन का शुल्क शून्य अंकित था। भुक्तभोगी धर्मात्मा शर्मा ने वरीय अधिकारियों से इसकी जांच की मांग कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग के साथ दोषी कर्मी पर करवाई की बात कह रहे हैं।

गंगा से कटाव की हो रोकथाम : राजेश्वर पासवान

प्रात: किरण संवाददाता

भोजपुर:लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एवम प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी के निर्देश पर पूरे बिहार के पार्टी जिला प्रभारियों एवम जिला अध्यक्षों को अपने जिले में बाढ़ और सुखाड़ की समीक्षा करने, उसकी रोक थाम हेतु जिला प्रशासन को लिखित आवेदन देने हेतु निर्देशित किया गया है,उसी क्रम में भोजपुर लोजपा रामविलास जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान ,अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव संतोष पासवान ,सोहरा पंचायत के मुखिया सह जिला अध्यक्ष पंचायती राज प्रकोष्ठ लोजपा रामविलास भोजपुर मोहन शर्मा,वीरकुवर सिंह विश्व विद्यालय के पार्टी छात्र अध्यक्ष विकाश सिंह,जिला महासचिव प्रमोद पासवान,जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश कुमार का शिष्टमंडल संभावित बाढ़ ग्रस्त इलाका दामोदरपुर जवाइनिया , सलेमपुर, पिपरपाती ,बलुवा , हेतमपुर ,सोहरा , महुली,महुली घाट, सिन्हा,नेकनाम टोला आदि गांवों में जाकर संभावित बाढ़ ग्रस्त इलाका गंगा नदी से कटाव से प्रभावित होने वाले गांवो का दौरा किया गया । दौरा के दरम्यान राजेश्वर पासवान जिला अध्यक्ष ने कहा कि गंगा के जल स्तर में बढ़ोतरी हो रही है ,गंगा के किनारे बसने वाले गांव गंगा नदी की कटाव से परेशान है। अगर जिला प्रशासन जियो बैग के द्वारा तत्काल रोक नही लगाती है तो बहुत सारे गांव उनके गोद में चले जायेंगे,सोहरा में पवन सिंह के खेत से मझौली हॉस्पिटल तक और हेतमपुर मठिया से लेकर सुरेश यादव का डेरा महुली तक,महुली घाट के पास एवम सिन्हा घाट के पास जियो बैग देना अति आवश्यक है, जिला अध्यक्ष से दामोदरपुर निवासी जय किशुन पासवान और मुन्ना पासवान ने कहा कि जवानियां गांव के पास कटाव हो रहा है वहा जियो बैग के माध्यम से ठोकर देना अति आवश्यक है अन्यथा पूरा गांव काल के गाल में समा जाएगा , विगत वर्ष बाढ़ से प्रभावित क्षति ग्रस्त बांध की मरम्मत करना भी अति आवश्यक है। मुखिया मोहन शर्मा का कहना है कि जहा जहा जिला प्रशासन द्वारा जियो बैग दिया गया है वहा वहा कटाव रुक गया है लेकिन जहा जहा जियो बैग नही दिया गया है वहा कटाव हुआ है ।सोहरा बांध का भी कटाव हो गया है जिसको ठीक करना बहुत जरूरी है नही तो दर्जनों गांव बाढ से प्रभावित हो सकते है ।ग्रामीण रामाकांत पांडे कहते है कि हेतमपुर गांव 75 वर्षो से तबाह है पहले हेतमपुर गांव गंगा उस पार था लेकिन गंगा की तबाही से हम लोग इस पर आए लेकिन जिला प्रशासन इस पर ध्यान नहीं देंगी तो मेरा गांव काल के गाल में समा जाएगा। अन्य ग्रामीणों ने श्री पासवान से ससमय पर जियो बैग एवम टूटे बांध की मरम्मती करवाने हेतु जिला प्रशासन से मिलने को कहा । राजेश्वर पासवान ने कहा कि शिष्टमंडल जिला पदाधिकारी से मिलकर इस समस्या का निदान किया जाएगा और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान एवम प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू तिवारी जी को भी पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाएगा ।शिष्टमंडल के अलावे अन्य ग्रामीणों में सोनू शर्मा, रामाकांत पांडे, जागा सिंह,अखिलेश सिंह,मनोज यादव,शिवकुमार पासवान,मुखदेव पासवान,हरदेव पासवान,संजय शर्मा,विकाश सिंह आदि दर्जनों लोग शामिल थे।

मातृभूमि सेवा संघ क्लब द्वारा 551 वृक्ष लगाया गया

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा प्रखंड के नथमलपुर पंचायत के ज्ञानपुर गांव मातृभूमि सेवा संघ क्लब द्वारा 551 वृक्ष लगाया गया कुछ फलदार कुछ छायादार आम अमरूद आंवला गागल नींबू जामुन श्रीफल बर पीपल महुबानी सिसो नीम...

क्लब सदस्य के द्वारा संकल्प पूरा किया गया जिसमे (क्लब अध्यक्ष छोटन सिंह , ने बताया कि वृक्ष लगाने से वातावरण शुद्ध होता है अशुद्ध हवा मिलती है हर लोगों को अपने-अपने घर के पास सिक्स लगावे पौधारोपण करें और मैं सभी अपने गांव के लोगों से कहना चाहता हूं कि अपने-अपने वृक्ष लगाने का कार्य करें वृक्ष लगाने से स्वस्थ रहता है शरीर भी अच्छा रहती है इसलिए हम लोग हर गांव में हर शहर में वृक्ष लगाने का कार्य आज हम लोग 551 पौधारोपण किया लालजी पांडे, अजीत सिंह , सूरज सिंह, झगरु,लकी,सूगा, अभय विकी,कृष्णा,गोलू,आदर्श, करिया, मनीष, राहुल, अक्लेश,करीमन, विवेक, रफ्तार. जैसे में स्कूल, मंदिर, सड़क के किनारे और सामाजिक स्तर पर भी लगाया गया है।

महिला वार्ड पार्षद के साथ आरा नगर आयुक्त ने किया अभद्र व्यवहार , नगर आयुक्त के खिलाफ वार्ड पार्षदों ने किया हंगामा

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। नगर निगम में महिला वार्ड पार्षद वार्ड नंबर 22 रेखा जैन के साथ नगर आयुक्त ने अभद्र व्यवहार करते हुए चेंबर से बाहर जाने के लिए कहने लगे। जिस पर वार्ड पार्षदों के सदस्यों ने नगर आयुक्त के चेंबर के बाहर हो हंगामा होने लगा, जिसमें नगर आयुक्त निरोज कुमार भगत के खिलाफ मोर्चा खोल डाला। नगर आयुक्त के द्वारा किसी भी तरह का विकास कार्य नही होने को लेकर वार्ड पार्षदो ने हंगामा शुरू कर दिया। पार्षदो के द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त को जिस कार्य मे अपना फायदा होता है, वही कार्य कराते है। बोर्ड में कई योजना का पास होने के बाद भी वह कार्य नही कराते है। ई रिक्शा नगर निगम में मंगाने के बाद भी नगर आयुक्त के मन के मुताबिक डील नही होने के कारण वापस कर दिया गया ।पूर्व में नगर आयुक्त के द्वारा सीसीटीवी कैमरा में बड़ा घोटाला किया गया। जिसको लेकर महापौर के द्वारा जांच के लिए मुख्यमंत्री, प्रधान सचिव से लेकर विजलेंस तक शिकायत करने के बाउजूद अभी तक कोई कार्यवाई नही किया गया। नगर आयुक्त ने कैमरा घोटाले में करीब 1 करोड़ 60 लाख रुपए का घोटाला करने की बात सामने आ रही है। आरा नगर निगम में योजना का कार्य व अन्य कार्य नही कराया जा रहा है। जिसमे कई संवेदक के द्वारा धरना पूर्व में भी दिया गया था। महापौर इंदु देवी ने कहा कि आरा नगर निगम में भ्रष्टाचार नहीं होने दिया जाएगा। नगर आयुक्त के खिलाफ कई शिकायत मिल रही थी। जिसमें आज नगर आयुक्त के उनके चेंबर में सभी वार्ड पार्षदों के साथ वार्ता की गई।

आरा नगर निगम के वार्ड नंबर 41 के गायत्री देवी ने कहा कि सीसीटीवी कैमरा आरा शहर में लगाया गया है, जो बहुत ही घटिया क्वालिटी का है। उसका भुगतान लगभग लगभग चार करोड़ का है। एक कमरे की कीमत लगभग 1 लाख 76 हजार के करीब है नगर आयुक्त के द्वारा कितनी भारी संख्या में इसकी लूट की गई है। वही सुपर शक्कर मशीन जो आउट फॉल नाला उसकी सफाई करने के लिए बनाई गई थी, लेकिन दुर्भाग्य है कि 1 दिन में नहीं चला और उस मशीन को वापस करने के लिए पूर्व के नगर आयुक्त के द्वारा कहा गया है । तत्कालीन नगर आयुक्त के द्वारा उसका भुगतान भी किया गया है मोटा रकम लेकर यह बहुत ही निंदनीय है। नगर निगम को नगर आयुक्त के द्वारा लूटते नहीं देंगे।

वार्ड नंबर 40 के वार्ड पार्षद राजीव कुमार ने कहा कि हमने कहा कि हमारे वार्ड में काम नहीं हो रहा है तो आखिर किस कारण से नहीं हो रहा है। जब एस्टीमेट बन गया तो यह बोले थे कि चुनाव आचार संहिता के बाद 10 दिनों के बाद आप लोगों का टेंडर जाएगा। और काम होगा और इन्होंने अचानक कह रहे हैं कि टेंडर अब नहीं होगा। इस पर हम लोग बिरोध करते हैं और नहीं काम होगा तो एक बड़ा आंदोलन हम लोग करने का काम करेंगे। वार्ड नबर 33 के प्रतिनिधि मुन्ना महतो ने कहा कि हमारे 22 नंबर के वार्ड पार्षद रेखा जैन उनके चेंबर में गए और उनके साथ अभद्र व्यवहार करके चैंबर से बाहर निकलवा दिया गया। पूरे पार्षद जितने भी पार्षद से आक्रोशित हो गए और उनके भ्रष्टाचार के खिलाफ लूटने नही दिया जाएगा। आज तक 2 महीना हो गया लगभग आचार संहिता खत्म हुए अभी तक एक भी योजना पास नहीं किया गया है। टेंडर नही करके विभागीय कार्य के लिए उनके पास रुपए है। टेंडर भेजने के लिए पैसा नहीं दे रहे है।

आंगनबाड़ी केंद्र पर अन्न प्रासन्न दिवस के उपलक्ष में 6 माह के बच्ची को किया गया मुंह जूठी कार्यक्रम

प्रात: किरण संवाददाता

भोजपुर। समेकित बाल विकास परियोजना आरा ग्रामीण के तहत आंगनबाड़ी रामापुर संदिया पूर्वी कोड 92 पर अन्न प्रासन्न दिवस के उपलक्ष में 6 माह के बच्ची को मुंह जूठी किया गया ।कार्यक्रम की शुरूआत उपस्थित महिलाओं ने ढोल झाल बजाकर सोहर से शुरूआत की इसके बाद सुनीता तिवारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी आरा ग्रामीण,रंभा कुमारी महिला प्रयवेक्षिका,मंजू देवी सेविका ने सयुक्त रूप से उपस्थित महिलाओं के 6 माह के बच्ची शिवानी कुमारी को खीर खिला कर मुंह जूठी किया। सीडीपीओ सुनीता तिवारी ने कहा कि 6 माह के बच्चे को मा की दूध के अलावे ऊपरी आहार बहुत ही जरूरी है ।बच्चे को दूध के आलावे नरम,मुलायम,मोटे अन्नाज,खीर मूंग का दाल,खिचड़ी ,अंडा के अंदर वाला पीला भाग खिलाने की आदत डालना चाहिए ताकि बच्चे को खाने की आदत पड़े और वह बच्चा मजबूत हो सके ।उपस्थित गर्वभति - धात्री महिलाओं से उन्होंने मोटे अनाज के साथ साथ हरी सब्जी ,सुपाच्य खाद्य पदार्थ लेने की सलाह दी। आज की महिला अपने बच्चो को स्तन का दूध नहीं पिलाना चाहती है वे ऊपरी दूध ही पिलाती है जिसके कारण बच्चो पर दुष्प्रभाव पड़ता है। मां का दूध ही बच्चो का सर्वोत्तम आहार है। समय समय पर गर्भवती महिला को जांच कराते रहना चाहिए टिका लेते रहना है,बच्चे को भी प्रत्येक केंद्र पर पड़ने वाले टिका लेना चाहिए। केंद्र पर मिलने वाले बच्चे को भोजन एवम घर ले जाने वाले राशन के विषय में पूछा गया तो उपस्थित लाभार्थी महिलाओं ने बताया कि विभाग द्वारा जब जब आंगनबाड़ी केंद्र को राशि मुहैया कराई जाती है राशन वितरण किया जाता है तथा बच्चो को नियमित खाना भी खिलाया जाता है। सेविका मंजू देवी और सहायिका पूनम देवी का कार्य हमेशा संतोष प्रद रहता है इन दोनो से हम सभी ग्रामीण महिलाओं का कोई शिकायत नही है।

कार्यक्रम में पोषक क्षेत्र की सनामुखी देवी,गीता देवी,सुनैना देवी,सविता देवी,अति सुंदर देवी आदि दर्जनों महिला उपस्थित थी।

वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए : बीडीओ

प्रात: किरण संवाददाता

भोजपुर। जिला गंगा समिति भोजपुर के द्वारा गंगा ग्राम में चलाए जा रहे विशेष अभियान एक पौधा मां के नाम के तहत बड़हरा प्रखंड के सोहरा पंचायत के सोहरा गंगा ग्राम में 500 छायादार और फलदार पौधे का वितरण किया गया। वितरण किए गए पौधे में आम अमरूद, शीशम ,सागवान, महोगनी ,अर्जुन आंवला ,नींबू,और, ग्रीन सिमर के पौधे उपलब्ध थे ।

इस कार्यक्रम के मौके पर मोहित भारद्वाज प्रखंड विकास पदाधिकारी बड़हरा अमित कुमार सिंह जिला परियोजना अधिकारी भोजपुर उपस्थित रहे ।मोहित भारद्वाज ने कहा कि पौधे लगाना एक छोटा सा प्रयास हो सकता है, लेकिन इसके परिणाम विशाल होते हैं। आज वर्तमान समय में हर व्यक्ति को एक पौधा तो जरूर लगाना ही चाहिए साथ ही साथ पौधे लगाने के उसकी रक्षा करना भी जरूरी है हर पौधा हमारे जीवन में संतुलन और स्थिरता लाता है। हमें अपने बच्चों को भी पौधारोपण के महत्व के बारे में सिखाना चाहिए ताकि वे भी इस प्रयास में शामिल हों और अपनी धरती को हरा भरा बनाए बनाएं।

जिला परियोजना पदाधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने और धरती के श्रृंगार के लिए पौधा रोपण करना बहुत आवश्यक है। धरती पर जितने ज्यादा पेड़-पौधे होंगे। वातावरण उतना ही शुद्ध रहेगा और अच्छी बरसात होगी। हर व्यक्ति को एक-एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी लेना चाहिए। आज के आयोजन को सफल बनाने में स्वच्छता पर्यवेक्षक अजीत कुमार ,मिल्खा सिंह युवा क्लब के अध्यक्ष रवि रंजन कुमार, सचिव लव कुमार , श्री निवाश ,चंदन कुमार ,दीपक चौधरी ,रमेश ठाकुर मां गंगा युवा क्लब के अध्यक्ष चंदन कुमार सिंह सचिव मनीष कुमार सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

कलयुगी बेटों ने अपनी बुजुर्ग मां को किया घर से बेदखल

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। ये कलयुग है साहब, यहां कुछ भी संभव है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के बलिया जिला के बंसाडिह की रहने वाली 80 वर्षीया राधा देवी अब असहाय हो चुकी है। उनकी आंखे साथ छोड़ चुकी है, पैदल चलने के लिए भी सहारे की जरूरत पड़ती है। इस उम्र में ऐसी बुजुर्ग महिला को कलयुगी पुत्रों ने मरने के लिए छोड़ दिया। जब रेल की सवारी करके राधा देवी रक्सौल पहुंची, तो यहां उन्हें माहेर ममता निवास में सहारा मिला। यह कहानी है राधा देवी की, जिनको गुरूवार के दिन रक्सौल स्टेशन से रेस्क्यू किया गया है। राधा देवी को अकेले देखकर राजकीय रेल पुलिस के द्वारा इसकी सूचना माहेर संस्था को दी गयी और संस्था के प्रतिनिधियों के द्वारा स्टेशन से उन्हें रेसक्यू किया गया। इसकी जानकारी देते हुए माहेर ममता निवास के स्थानीय प्रबंधक विरेन्द्र कुमार व स्वच्छ रक्सौल संगठन के अध्यक्ष रंजीत सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि राधा देवी के पति नहीं है। तीन बेटों में एक की मौत हो गयी है, बाद में दो बेटों के द्वारा इनको प्रताड़ित किया जाने लगा, जिसके बाद यह घर छोड़कर ट्रेन से रक्सौल आ गयी थी। इन्हें अब माहेर ममता निवास में रखा गया है, जहां इनकी उचित देखभाल की जायेगी। इस संबंध में जीआरपी के प्रभारी थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि एक बुजुर्ग महिला को माहेर भेजा गया है, जो सद्भावना एक्सप्रेस से रक्सौल आयी थी। उनके साथ कोई नहीं था। स्वच्छ रक्सौल संगठन के रंजीत सिंह ने बताया कि एक नेपाली नाबालिग युवती को भी रेस्क्यू किया गया है, जो बहकावे में आकर घर से भाग आयी थी और दिल्ली जाने की तैयारी में थी।

कार्यशाला में जेपीविवि के कुलपति ने लिया हिस्सा

छपरा कार्यालय। राज्यपाल-सह-कुलाधिपति के आदेशानुसार, नई दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं भारतीय भाषा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई ने भाग लिया। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के सभागार में कुलपतियों के लिए आयोजित "उच्च शिक्षा के लिए भारतीय भाषा में पुस्तक लेखन" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई के साथ प्रो. एल के पांडे, कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा एवं प्रो. ए के सिंह, कुलपति, पटना विश्वविद्यालय, पटना ने बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत सरकार के शिक्षा राज्य मन्त्री डॉ सुकांत मजूमदार द्वारा किया गया। डॉ मजूमदार ने उनके मन्त्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कियान्वयन हेतु किये जाने वाले प्रयासों की चर्चा करते हुए इसके सफल कियान्वयन में भारतीय भाषाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषायें संस्कृति की वाहक हैं। भारतीय भाषाओं में पाठ्य पुस्तक निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ मजूमदार द्वारा इस अवसर पर भारत सरकार के शिक्षा मन्त्री जी द्वारा "अस्मिता" नामक भारतीय भाषाओं को पाठ्यक्रम में समाहित करने के पोजेक्ट की भी जानकारी दी गयी ।कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष पद्म पुरस्कार प्राप्त आचार्य चमक कृष्ण शास्त्री ने पाठ्यक्रम, पठन-पाठन एवं शिक्षण में भारतीय भाषाओं की उपादेयता स्थापित करते हुए शिक्षा-समागम में माननीय प्रधान मन्त्री जी द्वारा 100 भारतीय भाषाओ की पुस्तकें राष्ट्र को समर्पित करने के बारे में बताया। इस बर्ष यह लक्ष्य 1800 पुस्तकों का है। जयप्रकाश विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत ही गौरव का विषय है कि पिछले शिक्षा-समागम में माननीय प्रधान मन्त्री जी द्वारा जिन 100 पुस्तकों को ई पोर्टल (ई-कुम्भ) में अपलोड किया गया है, उनमें से 38 पुस्तकों का अनुवाद समन्वय में जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई द्वारा किया गया था।

जयप्रकाश विश्वविद्यालय और गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू, शैक्षणिक और शोध कार्यों में करेंगे एक-दूसरे का सहयोग

छपरा। जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई जी के प्रयासों से अकादमिक क्षेत्र में विश्वविद्यालय को एक और उपलब्धि हासिल हुई है। जयप्रकाश विश्वविद्यालय और नामचीन केंद्रीय विश्वविद्यालय गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ है। इसके साथ ही दोनों विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त पाठ्यक्रमों के संचालन सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के विलासपुर में स्थित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय है और राष्ट्रीय मूल्यांकन (नैक) द्वारा इसे ए++ की उच्च रेटिंग प्राप्त है। इस यूनिवर्सिटी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कैटेगरी-1 विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। जाहिर है कि इतने बड़े और नामचीन विश्वविद्यालय के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर होने से एक ओर जहां जयप्रकाश विश्वविद्यालय के गौरव में वृद्धि हुई है, वहीं विश्वविद्यालय क्षेत्रान्तर्गत आनेवाले छपरा, सीवान एवं गोपालगंज जिलों के छात्र-छात्राओं को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय जैसे संस्थान के पाठ्यक्रम और फैकल्टी का लाभ मिलेगा। दोनों विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक एवं शोध संबंधी कार्यो में एक-दूसरे का सहयोग और मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई की व्यक्तिगत पहल से यह संभव हो सका है। दोनों विश्वविद्यालय शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में एक-दूसरे का मार्गदर्शन और सहयोग करेंगे। जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा से कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेयी ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इस एमओयू से दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को भी अनेक शैक्षणिक लाभ प्राप्त होंगे। इस समझौता ज्ञापन के अनुसार दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य लघुकालिक पाठ्यक्रम, सेमिनारों, सम्मेलनों, शिक्षण और अनुसंधान परियोजनाओं, गतिविधियों का आदान प्रदान किया जायेगा। दोनों विश्वविद्यालयों ने विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक और अनुसंधान विकास के लिए अपनी विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने के लिए संयुक्त रूप से सहमति जताई है।

इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने से जयप्रकाश विश्वविद्यालय में हर्ष है तथा विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों ने कुलपति को साधुवाद दिया है।

मिडिल क्लास व्यक्ति की तरह जिंदगी जीता हूं

विजेता पंकज त्रिपाठी अपने किरदार को बेहतरीन तरीके से निभाने के लिए जाने जाते है। वह लग्जरी लाइफस्टाइल जीने के बजाय साधाराण जिंदगी जीना पसंद करते है। अपने लाइफस्टाइल को लेकर पंकज ने बात की। उन्होंने कहा, आपने देखा होगा कि मैं अपनी निजी जिंदगी में कैसा हूं। मैं एक मिडिल क्लास व्यक्ति हूं। मेरा काम भले ही ऐसा न लगे, लेकिन मेरे जीने का तरीका वास्तव में वैसा ही है... मैं अपनी जिंदगी को बिल्कुल ऐसे ही एन्जॉय करता हूं। एक्टर ने कहा, मैंने अपना काम कम कर दिया है, ताकि मैं अब जिंदगी को बेहतर तरीके से बैलेंस कर सकूं। मैं अभी घर पर हूं। जब तक मेरी पत्नी मुझसे परेशान नहीं हो जाती, मैं घर पर ही रहूंगा... अभी मैं कम काम कर रहा हूं। पहले मैं ज्यादा काम करता था और बहुत बिजी रहता था... मैं कुछ समय के लिए कम काम करूंगा। एक्टर का मानना है कि स्क्रीन पर ज्यादा एक्सपोजर से लोग बोर हो जाएंगे और मैं भी। पंकज ने कहा, प्रमोशन के बाद मैं निकलना पसंद करता हूं। मुझे अपनी जगह पर रहना पसंद है।

उन्होंने आगे कहा, जब बात मेरे प्रोजेक्ट्स की आती है तो मैं सबसे कम जानकारी रखने वाला व्यक्ति हूं, क्योंकि मैं काम करके वापस घर भागता हूं। निर्माता जानते हैं कि मुझे कोई जानकारी नहीं चाहिए, तो फिर क्यों बताएं? पंकज ने कहा, मैं काम करता हूं और घर आ जाता हूं। जब फिल्म के लिए एडिटिंग होती है या नहीं, तो वे कॉल करते हैं और कहते हैं कि उन्हें किसी शूट के लिए डेट चाहिए, तो मैं हां कह देता हूं। मुझे कोई आइडिया नहीं होता। मिर्जापुर 3 में पंकज को बहुत कम स्क्रीन स्पेस दिया गया था।, इस सीरीज में उन्होंने कालीन भैया की भूमिका निभाई थी। यह पूछे जाने पर कि कालीन भैया को इतना पसंद क्यों किया जाता है, पंकज ने कहा, वह एक नए तरह का डॉन है। ट्रेडिशनल डॉन नहीं। वह शालीन व्यक्ति है, लेकिन उसका काम अजीब है। उनमें एक खास तरह की कॉमेडी थी, जो इस सीजन में नहीं थी, क्योंकि वह लो लाइफ में है।

यूं ही नहीं ग्लोबल स्टार हैं प्रियंका चोपड़ा, हर रोल में खुद को किया साबित

इंडस्ट्री में देसी गर्ल के नाम से मशहूर प्रियंका चोपड़ा अपना 42वां जन्मदिन मना रही हैं। वह एक ग्लोबल स्टार हैं। इस मुकाम पर पहुंचना आसान नहीं था। इसके पीछे उनकी कड़ी मेहनत और लगन रही है। 2016 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया। आज वह सक्सेसफुल मॉडल, एक्टर, सिंगर, प्रोड्यूसर, एंटरप्रेन्योर और मां हैं। उनके जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस के लाइफ के बारे में बताते हैं। प्रियंका ने 2002 में साउथ सुपरस्टार विजय दलपति तमिल फिल्म थमिजहन से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया। साल 2003 में बॉलीवुड में एंट्री ली। वो सनी देओल और प्रीति जिंटा की फिल्म द हीरो- लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई में दिखीं। इसके बाद अक्षय कुमार और लारा दत्ता स्टारर हिट फिल्म अंदाज में नजर आईं। इस मूवी के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यूटेंट का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। साल 2004 में प्रियंका चोपड़ा ने प्लान, किस्मत और असंभव और मुझसे शादी करोगी जैसी फिल्मों में काम किया। साल 2005 में अक्षय कुमार और करीना कपूर की ऐतराज में नेगेटिव रोल निभाकर प्रियंका ने अलग पहचान बनाई। इसके लिए उन्हें बेस्ट एक्टर इन नेगेटिव रोल का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उनकी कई फिल्मों को पसंद किया गया। जिनमें सलाम-ए-इश्क, बिग ब्रदर, द्रोणा, गॉड तुस्सी ग्रेट हो, लव स्टोरी 2050 में देखा गया। लेकिन उनकी फिल्म फैशन ने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले। मधुर भंडारकर की इस फिल्म में प्रियंका ने मेघना का रोल निभाया, जिसके लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड (बेस्ट एक्ट्रेस) मिला। प्रियंका की हिट फिल्मों में डॉन 2, बर्फी, अग्निपथ, तेरी मेरी कहानी, जंजीर, कृष 3, बाजीराव-मस्तानी, गुंडे, मेरी कॉम, दिल धड़कने दो जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं। इन फिल्मों में प्रियंका के निभाए किरदारों ने उन्हें एक अलग मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया। एक्टिंग से अलग भी उन्होंने खुद को साबित किया। उन्होंने विदेशी म्यूजिक कंपनी सीएए (क्रिएटिव आर्टिस्ट एजेंसी) के साथ बतौर सिंगर काम किया। प्रियंका ने हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनानी शुरू की। वह अमेरिकन थ्रिलर सीरीज क्वांटिको में एलेक्स पैरिश के रोल में नजर आईं। वह बेवॉच, इज नॉट इट रोमांटिक, द व्हाइट टाइगर और द मैट्रिक्स रिसरेक्शन में जैसी हॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा रहीं। वह 2023 में रिलीज हुई सीरीज सिटाडेल में एक्शन अवतार में नजर आई। 2018 में उन्होंने जीवन की नई पारी शुरू की। निक जोनास से उदयपुर में शाही शादी की। तब भी लोगों ने दोनों के बीच उम्र के फासले पर सवाल उठाए लेकिन प्रियंका चुप रहीं। साल दर साल दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सारे दावों को ध्वस्त कर दिया है। विदेशी परिवार में अब देसी गर्ल बिलकुल रम गई हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म जी ले जरा में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में कैटरीना कैफ, आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं।

विक्की कौशल की फेवरेट एक्ट्रेस हैं कियारा

विक्की कौशल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बैड न्यूज को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। विक्की, तृप्ति और एमी विर्क इस फिल्म का जोरो-शोरो से प्रचार भी कर रहे हैं। यह फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब हाल ही में, एक इंटरव्यू में विक्की ने कियारा आडवाणी की तारीफों के पुल बांधे हैं। विक्की ने कियारा की तारीफ करते हुए कहा कि कियारा उनकी पसंदीदा अभिनेत्री हैं। विक्की ने यह भी कहा कि इंडस्ट्री में कियारा उनकी फेवरेट हैं।

क्या जल्द शादी करने वाली हैं श्रद्धा?

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी फिल्म स्त्री के मोस्ट अवेटेड सीक्वल स्त्री 2 की रिलीज के लिए तैयार हैं। 15 अगस्त को सिनेमाघरों में आने वाली इस फिल्म में अभिनेत्री कॉमेडी और हॉरर का तड़का लगाने के लिए तैयार हैं। निजी जीवन की बात करें तो श्रद्धा के बारे में पिछले काफी समय से यह अफवाह है कि वह स्क्रिप्ट राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। अब स्त्री 2 के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर उन्होंने अपनी शादी के प्लान के बारे में खुलकर बात की है। फिल्म स्त्री 2 के कलाकार और क्रू आज मुंबई में ट्रेलर लॉन्च इवेंट के लिए एक साथ आए। श्रद्धा कपूर गोल्डन-रेड साड़ी, ग्लैमरस मेकअप और बंधे बालों में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अपने रिश्ते और शादी के प्लान के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए, अभिनेत्री ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, वह स्त्री है, उसे जब दुल्हन बनना है वो बनेगी। इससे पहले श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर राहुल मोदी के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर जाहिर किया था। उन्होंने राहुल के साथ एक सेल्फी पोस्ट की और एक मजेदार कैप्शन भी लिखा। तस्वीर में श्रद्धा और राहुल सफेद रंग के कपड़ों में नजर आ रहे थे, जिसमें श्रद्धा, राहुल के हाथ में हाथ डाले नजर आई थीं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, दिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार श्रद्धा ने इस पोस्ट के साथ बैकग्राउंड में फिल्म इश्क का गाना नींद चुराई मेरी भी इस्तेमाल किया था।

जान्हवी की फिल्म उलझ के ट्रेलर पर पाकिस्तान में मनाई जा रही खुशी

अभिनेत्री जान्हवी कपूर की फिल्म उलझ का ट्रेलर कल मंगलवार 16 जुलाई को रिलीज हो चुका है। अभिनेत्री की इस स्पाई सस्पेंस थ्रिलर फिल्म को आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म राजी बनाने वाली कंपनी जंगली पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 2 अगस्त को पर्दे पर आएगी। फिलहाल ट्रेलर ने दर्शकों के मन में फिल्म के प्रति दिलचस्पी जगा दी है। भारत में तो जान्हवी की इस फिल्म को लेकर जो उत्साह है सो है, लेकिन चर्चा पाकिस्तान तक छिड़ गई है। यूं तो फिल्म, साहित्य और कलाएं सरहद को नहीं मानतीं। एक देश की फिल्म की चर्चा दूसरे देश में होना नई बात नहीं। लेकिन, बात अगर भारतीय फिल्म की पाकिस्तान में हो रही है और वह भी फिल्म की रिलीज से पहले हो रही हो तो यह जरूर एक खबर बन जाती है। तो ऐसा ही कुछ जान्हवी कपूर की फिल्म उलझ के ट्रेलर के साथ हो रहा है। कुल दो मिनट और 33 सेकंड के इस ट्रेलर में एक जगह पाकिस्तान की झलक नजर आ गई है। फिल्म में जान्हवी कपूर देश की सबसे युवा डिप्टी हाई कमिश्ननर सुहाना भाटिया की भूमिका में हैं। ट्रेलर में वह आईएसआई के अंदर सेंधमारी करने के लिए भेजी गई भारतीय अंडरकवर एजेंट की रूप में दिखी हैं। ट्रेलर में एक जगह पाकिस्तान की सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के झंडों वाली रैली की झलक भी दिखाई गई है। हालांकि, झलक सिर्फ कुछ सेकंड की ही है, लेकिन इस पर सोशल मीडिया पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है।

कंगना ने इमरजेंसी फिल्म को लेकर साझा किया अपडेट

कंगना रणौत की फिल्म इमरजेंसी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी और कंगना ने फिल्म को लेकर एक अपडेट साझा किया है। कंगना रणौत ने बताया कि फिलहाल इस फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन काम चल रहा है। कंगना के प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका के इंस्टाग्राम हैंडल से स्टोरी साझा की गई है, जिसे कंगना ने भी साझा किया है। इसके साथ कंगना ने लिखा है, आज अपनी साउंड टीम के साथ मिक्सिंग स्टूडियो जाना हुआ, सभी ने शानदार काम किया है। कंगना की यह फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

ऋचा-अली के आंगन में गूंजी किलकारी, कपल ने किया बिटिया का स्वागत

अली फजल और ऋचा चड्ढा के यहां किलकारी गूंजी है। ऋचा चड्ढा मां बन गई हैं। उन्होंने पहली संतान के रूप में बिटिया को जन्म दिया है। ऋचा और अली ने यह खुशखबरी बेबी गर्ल के जन्म के दो दिन बाद फैंस के साथ साझा की है। कपल के यहां 16 जुलाई को बेटी का जन्म हुआ। पूरा परिवार बेहद खुश है।

ऋचा चड्ढा ने खुशखबरी साझा करते हुए कहा, हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि 16 जुलाई को हमारे यहां बेटी का आगमन हुआ। बच्ची बिल्कुल स्वस्थ है। हमारा पूरा परिवार बहुत खुश हैं। हम अपने शुभचिंतकों के प्रति शुक्रगुजार हैं, जो उन्होंने इतना प्यार और आशीर्वाद दिया। ऋचा चड्ढा और अली फजल ने वर्ष 2022 में शादी की। इससे पहले दोनों ने कई वर्ष तक एक-दूसरे को डेट किया। दोनों की मुलाकात फिल्म फुकरे के सेट पर 2012 में पहली बार हुई थी। वहीं, से दोनों एक-दूसरे के करीब आए। हालांकि, लंबे वक्त तक इन्होंने अपना रिलेशनशिप सीक्रेट रखा।

दिलजीत दोसांझ-अर्जुन रामपाल की फिल्म पंजाब 95 को सीबीएफसी से झटका

दिलजीत दोसांझ अभिनीत पंजाब 95, 1984 से 1994 तक पंजाब विद्रोह के अशांत वर्षों के दौरान खालरा की न्याय की निडर खोज पर प्रकाश डालती है। सीबीएफसी ने हाल ही में फिल्म की जांच की और इसके संवेदनशील कंटेंट पर चिंताओं का हवाला देते हुए एक, दो नहीं 85 कट लगाए। इतना ही नहीं जानकारी तो यह भी है कि सीबीएफसी इस फिल्म को रिलीज सर्टिफिकेट देने में झिझक रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म निर्माता अनिच्छा से व्यापक एडिटिंग के लिए सहमत हुए। हालांकि, सीबीएफसी आज के समय में राजनीतिक रूप से आरोपित घटनाओं के चित्रण पर आपत्ति व्यक्त करते हुए, फिल्म को रिलीज प्रमाणपत्र देने के बारे में सतर्क है। यह पंजाब 95 के लिए पहला झटका नहीं है, जिसका नाम पहले घल्लूघारा था। 2022 के अंत में, फिल्म को छह महीने की लंबी प्रमाणन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जिसके दौरान सीबीएफसी ने 21 कट की मांग की और यहां तक कि शीर्षक परिवर्तन पर भी जोर दिया। 1990 के दशक के अमृतसर, पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित पंजाब 95 में खालरा को एक समर्पित बैंक कर्मचारी से कार्यकर्ता बने व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया है, जो व्यक्तिगत और सामाजिक चुनौतियों के बीच न्याय के लिए प्रयास करते हैं। उनकी खोज गहरे रहस्यों को उजागर करती है और उन खतरों को उजागर करती है जो यथास्थिति को चुनौती देने का साहस करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने शुरू किया अपने सिप को दो प्रमोशन

मुंबई, एजेंसी। जैसे-जैसे हमारा जीवन आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे हमारे लक्ष्य, हमारी जीवनशैली, हमारे खर्चे, हमारे जीवन-यापन के व्यय और हमारे सपने भी बदलते रहते हैं. लेकिन हममें से कितने लोग अपने पैसों को उतना बढ़ाने के बारे में सोचते हैं, जितना उसे बढ़ना चाहिए? हमारा यही पैसा हमारी संपत्ति को बढ़ाने के लिए बहुत काम करता है, ताकि हम अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं को पूरा कर सकें.

एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने अपने सिप को दो प्रमोशन नामक एक अनोखे डिजिटल अभियान का शुभारंभ किया है, जो एसआईपी टॉप-अप और दीर्घकालीन धनोपार्जन में इसकी भूमिका के बारे में निवेशकों को जागरूक करने और इस बारे में उन्हें जानकारी देने के लिए है. यह अभियान 30 सेकंड की तीन लघु फिल्मों की एक श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को अपने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर टॉप-अप सुविधा का विकल्प चुनकर अपने पैसे को भलीभाँति बढ़ावा देने की भावना को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है. एसआईपी एक लोकप्रिय निवेश साधन है, जिसके माध्यम से निवेशक नियमित अंतराल (मासिक, त्रैमासिक, आदि) पर म्यूचुअल फंड योजनाओं में एक निश्चित राशि का निवेश कर सकते हैं. इस विचार को एसआईपी टॉप-अप एक कदम आगे ले जाता है.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और छत्तीसगढ़ सरकार ने एसएमई आईपीओ पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का किया आयोजन

मुंबई एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 12 जुलाई 2024 को रायपुर में एसएमई आईपीओ ꠶ एसएमई के लिए फंड जुटाने का आशाजनक मार्ग विषय पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के एसएमई प्रमोटरों के चुनिंदा समूह ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ सरकार के श्रम एवं वाणिज्य मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हम अपने राज्य में एमएसएमई क्षेत्र को विकसित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आज हमने अपने राज्य के एमएसएमई को विकास के अवसरों के लिए पूंजी बाजार का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने और समर्थन देने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ रायपुर में एसएमई आईपीओ पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला आयोजित की। एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग से हमारे राज्य के एमएसएमई को वैश्विक स्तर पर वांछित दृश्यता और विश्वसनीयता मिलेगी। हम एमएसएमई को फंड जुटाने की प्रक्रिया और स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के लाभों को समझने में मदद करने के लिए सुविधा प्रदान करेंगे। मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में देश के कुल पूंजी बाजार में छत्तीसगढ़ का योगदान बढ़ता रहेगा।

अब नहीं चलेगी जियो, एयरटेल और वोडाफोन की मनमानी!

● जल्दी ही 4जी और 5जी सर्विसेज शुरू करेगी बीएसएनएल ● टाटा और सी-डॉट का कंसोर्टियम विकसित कर रहा इन्फ्रा

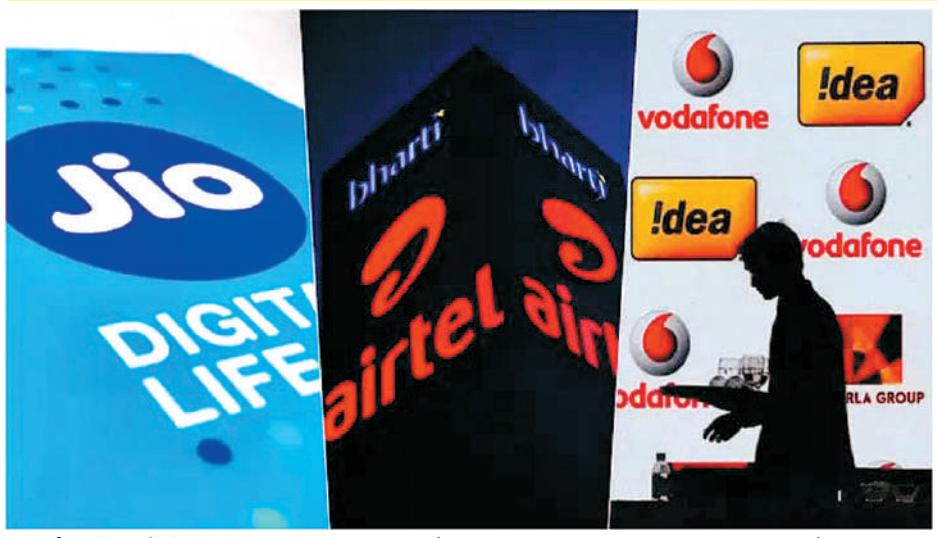

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो , एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने हाल में मोबाइल टैरिफ में भारी बढ़ोतरी की है। इसके बाद यूजर्स ने सरकारी टेलिकॉम कंपनी बीएसएनएल का रुख करना शुरू कर दिया है। हालांकि कंपनी ने अब तक 4जी और 5जी सर्विसेज शुरू नहीं की हैं। लेकिन अब ज्यादा दिन तक प्राइवेट टेलिकॉम कंपनियों की मनमानी चलने वाली नहीं है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कहना है कि बीएसएनएल और एमटीएनएल जल्द से जल्दी 4जी और 5जी सेवाएं शुरू करेंगी। उनका कहना है कि सरकारी टेलिकॉम कंपनियों में तेजी से बदलाव किया जा रहा है और इसकी रोजाना निगरानी की जा रही है।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस के उद्घाटन समारोह से इतर बोलते हुए सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि सरकार एमटीएनएल के सॉवरेन गारंटी बॉन्ड के पीछे खड़ी है और कोई चूक नहीं होगी, भले ही इसका संचालन बीएसएनएल को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने जो कहा है वह बहुत स्पष्ट है कि एमटीएनएल का संचालन बीएसएनएल को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। देनदारियों का भुगतान करने के लिए एसेट्स का मॉनिटाइजेशन किया जाएगा। भारत सरकार एमटीएनएल के बॉन्ड के पीछे खड़ी है और इसमें कोई डिफॉल्ट नहीं होगा।

सरकारी टेलिकॉम कंपनियों के अपग्रेडेशन के बारे में उन्होंने कहा, हमारे लिए आसान होता कि हम ग्लोबल वेंडर्स से तकनीकें लेते और वही करते जो दूसरे करते हैं। लेकिन हमें लगता है कि भारत को केवल सर्विसेज का ही आपूर्तिकर्ता नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रॉडक्ट्स का भी आपूर्तिकर्ता होना चाहिए। इसलिए, हमने कठिन रास्ता चुना और भारत 4जी स्टैक को खुद विकसित करने का फैसला किया। टाटा द्वारा संचालित तेजस और टीसीएस तथा सी-डॉट का एक कंसोर्टियम 4जी और 5जी टेलिकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए जटिल तकनीक पर काम कर रहा है। इसे बीएसएनएल और एमटीएनएल नेटवर्क पर तैनात किया जाएगा। सिंधिया ने कहा, मैं गारंटी देता हूं। हम इस प्रयास के लिए एक लाख आरएएन (रेडियो एक्सेस नेटवर्क) तैनात करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास भारत के भीतर ऐसी तकनीकें विकसित करना है जिनका उपयोग न केवल घरेलू उपयोग के लिए किया जाएगा, बल्कि निर्यात के लिए भी किया जाएगा। एक दशक पहले की तुलना में पिछले साल दूरसंचार उपकरणों का निर्यात 20,000 करोड़ रुपये के करीब था। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार नियामक की भूमिका निभाने के बजाय इस क्षेत्र के विकास को सक्षम बनाने में एक फैसिलिटेटर बनना चाहती है।

उन्होंने कहा कि 5त्र में तेजी से विकास देखने के बाद, भारत अब 6त्र प्रौद्योगिकियों के विकास में अग्रणी बनने के लिए काम कर रहा है। एक ऐसा देश जिसने 4त्र में दुनिया का अनुसरण किया, 5त्र में उसके साथ चला और अब 6त्र की बात आने पर नेतृत्व करेगा। सिंधिया ने कहा कि भारत अब 5त्र के लिए ऐप और सॉल्यूशन के विकास को प्रोत्साहित करने पर काम कर रहा है, जिन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। साइबर सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत डिजिटल मोर्चे पर विकसित हो रहा है, साइबर सुरक्षा के मोर्चे पर एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने आज युद्ध केवल जमीन पर ही नहीं, बल्कि क्लाउड पर भी लड़े जाते हैं। जब साइबर सुरक्षा की बात आती है तो देश, नागरिकों और व्यवसायों की सुरक्षा करना महत्वपूर्ण है।

सोने में लगातार छठे दिन बढ़त; 700 रुपये मजबूत हुआ, चांदी में 400 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। रुपये की विनिमय दर में गिरावट के साथ ताजा घरेलू मांग में तेजी आने से दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 700 रुपये की तेजी के साथ 76,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, पिछले करोबारी सत्र में सोना 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

लगातार छठे कारोबारी सत्र में सोने की कीमतों में बढ़त दिखी। राष्ट्रीय राजधानी में सोना 700 रुपये की तेजी के साथ 76,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 750 रुपये की तेजी के साथ 76,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

हालांकि, चांदी की कीमत 400 रुपये की गिरावट के साथ 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जो पिछले सत्र में 94,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एसोसिएशन ने कहा कि स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की सतत लिवाली से सोने की कीमतों में तेजी आई और रुपये में कमजोरी से भी पीली धातु की तेजी को समर्थन मिला।

गुरुवार को रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 83.64 रुपये प्रति डॉलर (प्रारंभिक आंकड़ा) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को मुहर्रम के मौके पर कमोडिटी बाजार बंद थे। विदेशी बाजार में कॉमेक्स पर सोने का भाव 6.90 डॉलर प्रति औंस की तेजी के साथ 2,466.80 डॉलर प्रति औंस हो गया। सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ने और डॉलर के कमजोर होने के बीच इस सप्ताह की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोने की कीमतें स्थिर रहीं। हालांकि, इस सप्ताह बाजार प्रतिभागी 2024 में फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कम से कम दो कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में चांदी का भाव मामूली तेजी के साथ 30.66 डॉलर प्रति औंस हो गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (जिंस व मुद्रा) जतीन त्रिवेदी ने कहा, सोने में गुरुवार को सकारात्मक ढंगस से कारोबार होता दिखा। यह बढ़त सितंबर में फेड दर में कटौती की उम्मीदों और डॉलर इंडेक्स की कमजोरी से प्रेरित है। इसके अलावा व्यापारी अगले सप्ताह पेश होने वाले आगामी बजट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और सरकार की ओर से संभावित नियामकीय बदलावों पर नजर रख रहे हैं। कोटक सिक्योरिटीज के एवीपी-कमोडिटी रिसर्च कायनत चेनवाला ने कहा कि फेडरल रिजर्व की चेयरपर्सन और फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के अधिकारियों के हालिया बयानों से सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को बल मिला जिससे कॉमेक्स पर सोना बुधवार को 2,388.4 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

ऋण वृद्धि जमा वृद्धि से अधिक नहीं हो; आरबीआई गवर्नर ने बैंको को चेताया, कहा- संतुलन रखें

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मुंबई में आयोजित एफई मॉडर्न बीएफएसआई समिट 2024 को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत में वित्तीय परिदृश्य एक संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, और आरबीआई सक्रिय रूप से यूपीआई जैसे नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और भारत में अधिक समावेशी वित्तीय क्षेत्र बनाने के लिए भुगतान प्रणालियों को फिर से तैयार किया है।

मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि बैंकों ने अन्य स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाकर क्रेडिट और जमा के अंतर को कम करने की कोशिश की है। इससे ब्याज दरों के प्रति उनकी संवेदनशीलता बढ़ जाती है और तरलता प्रबंधन के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। इसमें बदलाव करें करने की जरूरत है। छ्र जमाओं के विभिन्न निहितार्थ हैं जिन्हें बैंकों को ध्यान में रखना होगा क्योंकि त्र्रण वृद्धि मजबूत बनी हुई है। बैंकों को त्र्रण हामीदारी मानकों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास कहा, आरबीआई सक्रिय रूप से यूपीआई जैसे नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है, पहुंच बढ़ाने और भारत में अधिक समावेशी वित्तीय क्षेत्र बनाने के लिए भुगतान प्रणालियों को फिर से तैयार कर रहा है... क्रेडिट वृद्धि जमा वृद्धि से आगे नहीं बढ़नी चाहिए, दोनों के बीच उचित संतुलन होना चाहिए।

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही में अब तक का सर्वोच्च बिक्री वॉल्यूम हासिल किया

नई दिल्ली एजेंसी। भारत की अग्रणी स्टील पाइप कंपनियों में से एक, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसने वित्तीय वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही में अपने इतिहास का सबसे अधिक बिक्री वॉल्यूम हासिल किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि कंपनी की उत्कृष्टता, नवाचार और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रथम तिमाही में, हाई-टेक पाइप्स ने पिछले वर्ष की इसी अवधि के 84,489 एमटी की तुलना में कुल 1,22,155 एमटी के बिक्री वॉल्यूम के साथ 45 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है और वित्तीय वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 1,07,721 एमटी की बिक्री मात्रा की तुलना में तिमाही-दर-तिमाही 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह उपलब्धि कंपनी की रणनीतिक पहलों के कारण है, जिसमें प्रोडक्ट लाइनों का विस्तार, बढ़े हुए मार्केटिंग प्रयास और प्रोसेस ऑप्टिमाइजेशन (प्रक्रिया अनुकूलन) शामिल हैं। ऑपरेशनल प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री अजय कुमार बंसल ने कहा, हम इस प्रमुख मील के पत्थर तक पहुंचकर रोमांचित हैं, जो हमारी टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। गुणवत्ता, ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और निरंतर सुधार पर हमारा ध्यान इस रिकॉर्ड-तोड़ बिक्री मात्रा को प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। हमें विश्वास है कि यह गति जारी रहेगी, जो उद्योग में हमारी वृद्धि और सफलता को आगे बढ़ाएगी। इसके अलावा, हम अपनी नई विनिर्माण सुविधा साणंद यूनिट ꠶ फेज 1, गुजरात के हमारी बिक्री मात्रा में योगदान से बेहद खुश हैं। यह सुविधा वित्तीय वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही के अंत में परिचालन में आई है और पहले से ही हमारी उत्पादन क्षमता और दक्षता पर प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। यह नई सुविधा हमारे लिए एक गेम-चेंजर है, और पश्चिमी बाजार में हमारी नेतृत्व की स्थिति को और मजबूत करेगी। हाल ही में, कंपनी ने प्रमोटर समूह और गैर-प्रमोटर समूह के सदस्यों को वारंट के रूपांतरण के अगेंस्ट 1,77,55,000 इक्विटी शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी है। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि उसे उत्तर प्रदेश वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा बुलंदशहर जिले में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सर्वोच्च करदाता (भामा शाह पुरस्कार) के रूप में मान्यता दी गई है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हाई-टेक पाइप्स के समय पर और पारदर्शी कर भुगतान के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था में योगदान को स्वीकार करता है।

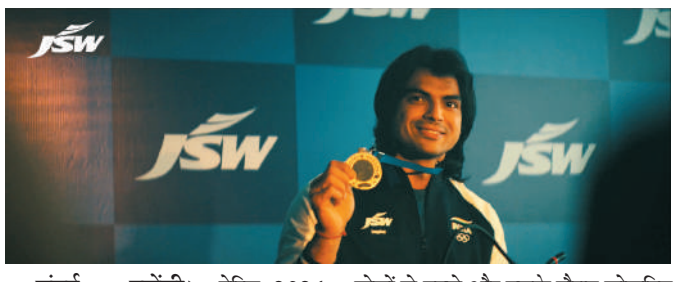

जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने कामयाबी और नाकामी से परे एथलीटों के अथक परिश्रम का जश्न मनाने के लिए फिर से जीवंत किया 'रुकना नहीं है' कैम्पेन

मुंबई एजेंसी। पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के करीब आने के साथ जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने अपने लंबे समय से चल रहे और बेहद सफल कैम्पेन - रुकना नहीं है - को एक नई फिल्म के लॉन्च के साथ फिर से जीवंत कर दिया है। यह कैम्पेन उन एथलीटों पर आधारित है जो अब से दो सप्ताह से भी कम समय में दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजन के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत के गोल्डन बॉय और मौजूदा ओलंपिक चौंपियन नीरज चोपड़ा द्वारा बुधवार को लॉन्च किए गए इस अभियान में डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए एक लंबा संस्करण और खेलों से पहले और उसके दौरान लोकप्रिय चैनलों पर प्रसारित होने वाला एक छोटा टीवी विज्ञापन शामिल है। पिछले एक दशक में भारत में ओलंपिक आंदोलन का नेतृत्व करने वाले जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने हमेशा खेलों को आधार बनाकर आकर्षक अभियान चलाए हैं और पेरिस ओलंपिक की तैयारियां भी इससे अलग नहीं रही हैं। यह फ़िल्म एथलीटों की तैयारी को उजागर करने के साथ-साथ खेलों में जीत न पाने के भावनात्मक परिणामों को भी दर्शाती है। यह एथलीट के प्रदर्शन के बारे में लोगों की धारणा को दर्शाती है - अगर वे जीतते हैं तो जश्न और प्रसिद्धि, और अगर वे हारते हैं तो शर्मिंदगी और आलोचना। और इस प्रक्रिया में, यह कैम्पेन इस बात पर ज़ोर देता है कि एथलीटों को किसी भी परिणाम से विचलित नहीं होना चाहिए, जल्दी से अभ्यास पर लौटना चाहिए और अपनी अगली चुनौती के लिए तैयारी करनी चाहिए।

सरल लेकिन विचारोत्तेजक, यह फ़िल्म एथलीटों के मजबूत संकल्प और चाहे कुछ भी हो जाए, रुकने से इन्कार करने के जज्बे को रेखांकित करती है। ओगिल्वी द्वारा परिकल्पित और गुड मॉर्निंग फ़िल्म्स के शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित, इसमें विभिन्न ओलंपिक विषयों के जाने-माने और उभरते हुए एथलीटों को जोड़ा गया है, जिनमें नीरज चोपड़ा, निशांत देव, प्रीति पवार, मनु भाकर, मनिका बत्रा और मुहम्मद अनस शामिल हैं। सेलिब्रिटी फिल्म स्टार अजय देवगन ने इस फिल्म को अपनी आवाज दी है। यह अभियान पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय ओलंपिक संघ के साथ जेएसडब्ल्यू ग्रुप के सहयोग का भी जश्न मनाता है।

मुख्यमंत्री ने डॉ. एके द्विवेदी को राजधानी भोपाल में सम्मानित किया

भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार को निजी होटल में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में इंदौर के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. एके द्विवेदी को सम्मानित किया गया। डॉ. द्विवेदी को यह सम्मान होम्योपैथी चिकित्सा द्वारा अप्लास्टिक एनीमिया और सिकल सेल एनीमिया को लेकर मध्यप्रदेश सहित संपूर्ण देश में किए जा रहे सबसे बेहतर कार्यों के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिया गया।

उल्लेखनीय है कि डॉ. द्विवेदी वैज्ञानिक सलाहाकर बोर्ड, सीसीआरएच, आयुष मंत्रालय (भारत सरकार) एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद के सदस्य हैं। आप 25 वर्ष से अधिक समय से होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में मरीज़ों की सेवा करते हुए पिछले कई सालों से इंदौर में एनीमिया (रक्ताल्पता) जिनमें अप्लास्टिक एनीमिया और सिकल सेल एनीमिया के रोगियों को होम्योपैथिक चिकित्सा से उपचार करते हुए काफी राहत पहुंचा रहे हैं। आप समय-समय पर एनीमिया (रक्ताल्पता) बीमारी के प्रति जन जागरूकता वाले कार्यक्रम करते हैं और लोगों को बीमारी से बचाव के लिए जागरूक कर रहे हैं।

स्पेसेस बाय वेलस्पन ने दिखाई भोपाल की बेस्ट डीलरशिप्स

भोपाल। स्पेसेस बाय वेलस्पन ने भोपाल में स्थित अपने शीर्ष डीलरशिप स्टोर्स, दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) को मिली शानदार पहचान का जोरदार स्वागत किया। यह सम्मान दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण को दिखाता है। यह डालरशिप्स स्पेसेस ब्रांड के एक अभिन्न अंग रहा है, जिसने असाधारण प्रतिबद्धता और वफादारी का प्रदर्शन किया है, जिसने वास्तव में ब्रांड की सफलता और विकास को आगे बढ़ाया है। प्रीमियम होम टेक्सटाइल केटेगरी में एक मार्केट लीडर, स्पेसेस बाय वेलस्पन, इनोवेटिव और प्रीमियम प्रोडक्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो स्टाइल और फंक्शन दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है। इनोवेशन और ग्राहक के प्रति इसके ध्यान के कारण, यह ब्रांड कम्फर्ट और रिलेक्सेशन का पर्याय बन गया है। इसका उद्देश्य सर्वोत्तम आराम और विश्राम प्रदान करना है। ब्रांड की पेशकश, हाइग्रो कॉटन बेडशीट 100 प्रतिशत कॉटन से एक इनोवेटिव मैन्यूफैक्चरिंग प्रोसेस से बनाई जाती हैं। यह इनोवेटिव प्रोसेस कपड़े को नरम, हवादार और तापमान को +/- 2 डिग्री तक नियंत्रित करने में सक्षम बनाती है, जो एक आरामदायक और सुखद नींद का अनुभव प्रदान करती है। दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्सएंडस्प्रेड्स) के विपिन गेहानी ने कहा, हम शीतल फर्निशिंग में पिछले 5 वर्षों से स्पेसेस ब्रांड का एक अभिन्न अंग बनकर खुश हैं। हमें सर्वश्रेष्ठ डीलरशिप स्टोरों में से एक के रूप में पहचाने जाने और वेस्ट जोन मे सेल्स में नंबर होने पर गर्व है। हम स्पेसेस बाय वेलस्पन के साथ अपनी मजबूत साझेदारी को जारी रखने के लिए उत्सुक हैं। स्पेसेस बाय वेलस्पन अपने उपभोक्ताओं के लिए आरामदायक और साथ ही उपयोगी होम टेक्सटाइल लाने के वादे को पूरा करने का प्रयास जारी रखे हुए है, जो उनके रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाते हैं। जयपुर में शीतल फर्निशिंग और अभिनन्दन जैसे डीलरशिप स्टोरों के साथ सहयोग करने और काम करने से यह गारंटी मिलती है कि ब्रांड के उत्पादों को ग्राहकों तक सर्वोत्तम सेवा और गुणवत्ता के साथ पहुंचाया जाता है, जिससे ब्रांड को अधिक सफलता प्राप्त करने में मदद मिलती है।

कोच बनते ही गंभीर सुधार रहे हैं पुरानी गलती!

● पहले ही फैसले में दिख गई झलक! ● श्रीलंका दौरे के साथ शुरू करेंगे काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए श्रीलंका दौरा एक नई शुरुआत होगा। इस दौरे पर नए हेड कोच गौतम गंभीर अपने काम की शुरुआत करेंगे। श्रीलंका दौरे के लिए सेलेक्शन कमेटी ने टी20 और वनडे टीमों का एलान भी कर दिया है और इसमें गंभीर की सोच साफ नजर आ रही है। वह भविष्य की तैयारी कर रहे हैं जिसकी बुनियाद नए और युवा चेहरे हैं। गंभीर साथ ही अपनी एक पुरानी गलती भी सुधारते नजर आ रहे हैं। आगे बढ़ें, उससे पहले बता दें कि श्रीलंका दौरे पर भारत को तीन मैचों की वनडे और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। भारत ने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप-2024 का खिताब जीता था। इसके बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी20 को अलविदा कह दिया। टीम को अब इनके विकल्प की खोज है और टी20 के कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार यादव को जिम्मेदारी सौंप एक खाली जगह तो भर दी गई है।

गंभीर का पछतावा

गंभीर आईपीएल में काफी सफल रहे हैं। बतौर कप्तान और बतौर कोच/मेंटर भी। उन्हीं के कप्तान रहते कोलकाता नाइट राइडर्स ने दो बार आईपीएल जीता। इसके बाद आईपीएल-2024 में वह कोलकाता के साथ बतौर मेंटर बनकर लौटे और फिर कोलकाता तीसरा खिताब जीतने में सफल रही। गंभीर साल 2011 से 2017 तक टीम के कप्तान रहे। इस दौरान गंभीर को एक बात का पछतावा रहा था। ये बात गंभीर ने आईपीएल-2024 के दौरान कही थी। गंभीर ने स्पोर्ट्सकीडा से बात करते हुए कहा था कि उन्हें केकेआर के कप्तान के तौर पर एक ही पछतावा रहा है और वो ये है कि वह सूर्यकुमार यादव के टैलेंट का अच्छे से इस्तेमाल नहीं कर पाए। सूर्यकुमार 2014 में मुंबई इंडियंस से कोलकाता आ गए थे। वह टीम के उप-कप्तान भी रहे लेकिन उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले। इसी बात का पछतावा गंभीर को है कि वह उस समय सूर्यकुमार की प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर पाए। गंभीर का मानना था कि सूर्यकुमार टी20 के बहुत बड़े खिलाड़ी हैं और इस फॉर्मेट में सफल होने के लिए उनके पास हर जरूरी काबिलियत है। 2018 में वह फिर मुंबई इंडियंस चले गए।

बना दिया कप्तान!

गौतम गंभीर का नाम जब से टीम इंडिया के हेड कोच के तौर पर खबरों में आया था तब से ही ये कयास लगाए जाने लगे थे कि सूर्यकुमार यादव को बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। हालांकि, वह टी20 टीम के कप्तान बन जाएंगे ये किसी ने नहीं सोचा था। इस रेस में हार्दिक पांड्या आग थे। लेकिन सूर्यकुमार ने पांड्या को पीछे कर दिया। गंभीर कप्तान के तौर पर जो काम नहीं कर पाए वो काम अब कोच के तौर पर करना चाहेंगे। यानी टी20 में सूर्यकुमार का टैलेंट का पूरा इस्तेमाल।

हार्दिक-नताशा का रिश्ता खत्म होने के बाद हार्दिक बोले-

बेटे की खुशी की खातिर मिलकर काम करेंगे

मुंबई (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टेनकोविक के बीच विवाहित रिश्ता खत्म हो गया है। स्टार क्रिकेटर ने आखिरकार सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर अगल होने की पुष्टि कर दी है। पांड्या और नताशा ने मई, 2020 में कोर्ट मैरिज की थी। शादी के सात महीने के बाद नताशा ने बेटे को जन्म दिया था, जिसका नाम अगस्त्य है। पांड्या और नताशा अपने बेटे के साथ सोशल मीडिया पर अक्सर तस्वीरे साझा करते रहते हैं। दोनों ने 2 बार (हिंदु और क्रिश्चियन धर्म के अनुसार) शादी की थी। हार्दिक ने भारत में हुई शादी को खूब भव्य बनाया था। लेकिन अब दोनों के बीच रिश्ता खत्म होने से दोनों के फैंस भी निराश हैं।

हार्दिक ने तलाक को लेकर अपनी पोस्ट में आगे लिखा, यह नताशा और मेरे लिए एक मुश्किल फैसला था। हमने एक परिवार के तौर पर बढ़ते हुए आनंद लिया, एक दूसरे की रिस्पेक्ट की और साथ दिया। हमें अगस्त्य का तोहफा मिला। वही अब हम दोनों की जिंदगी का सेंटर पॉइंट रहेगा। हम एक दूसरे का पूरा साथ देंगे ताकि हम अपने बेटे अगस्त्य के लिए हर वो काम करें, जिससे उसे खुशी मिले। हम सभी से रिक्वेस्ट करते हैं

कि इस संवेदनशील मौके पर आप लोग हमें प्राइवेसी देंगे।

हार्दिक पांड्या ने सोशल मीडिया पर स्क्रीन शॉट शेयर किया है जिसमें दोनों के अलग होने की पुष्टि है। हार्दिक ने इसमें लिखा- 4 साल साथ रहने के बाद, नताशा और मैंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने एक साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और इसमें अपना सब कुछ लगा दिया और हमारा मानना ??है कि यह हम दोनों के लिए सर्वोत्तम हित में है। हमारे लिए यह एक कठिन निर्णय था, उस खुशी, आपसी सम्मान और सहयोग को देखते हुए जिसका हमने एक साथ आनंद लिया और जैसे-जैसे हमारा परिवार बढ़ता गया। हमें अगस्त्य का आशीर्वाद प्राप्त है, जो हम दोनों के जीवन के केंद्र में बने रहेंगे।

कौन है नताशा स्टेनकोविक

नताशा स्टेनकोविक मूल रूप से सर्बिया की हैं और वह एक मॉडल और डांसर हैं। नताशा कई बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकी हैं। नताशा को प्रकाश झा की फिल्म के एक गाने हमारी अटरिया से पहचान मिली थी। इसके बाद वह रियलटी शो बिग बॉस में नजर आई थी, लेकिन वह रैपर बादशाह के गाने डीजे वाले बाबू के बाद रातों-रात मशहूर हो गई। इसके बाद नताशा ने कई मशहुर फिल्मों में आयटम सॉन्ग में परफॉर्म किया।

ऐसे हुई थी पांड्या और नताशा की मुलाकात

एक इंटरव्यू में पांड्या ने यह खुलासा किया था कि उनकी और नताशा स्टानकोविक की मुलाकात एक नाइट क्लब में हुई थी। पांड्या ने इसके साथ यह भी खुलासा किया था कि नताशा को पहली मुलाकात में यह पता नहीं था कि वह एक क्रिकेटर है। उन्होंने कहा कि मैं नताशा के लिए केवल कैप और चेन पहने हुए कोई अनजान लड़का हूं। उन्होंने बताया कि पहली मुलाकात बाद उन दोनों के बीच दोस्ती हुई, दोनों ने एक दूसरे को डेट किया और दोनों का प्यार शादी के बंधन में बंध गया।

बाबर, शाहीन, रिजवान को झटका, ग्लोबल टी20 कनाडा के लिए नहीं मिलेगी मंजूरी!

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्टार तिकड़ी बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी को आगामी ग्लोबल टी20 कनाडा में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलने की संभावना नहीं है। सूत्रों ने जियो न्यूज को बताया कि लीग शेड्यूल के बावजूद खिलाड़ियों को एनओसी नहीं मिलेगी ताकि पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय मैचों से किसी तरह का टकराव न हो। पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा जिसकी शुरुआत 21 अगस्त से होगी।

कनाडाई लीग 25 जुलाई से 11 अगस्त तक खेली जाएगी। यह भी बताया गया कि एनओसी न मिलने का कारण यह है कि सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों को नीति के अनुसार प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ियों को एनओसी जारी करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि उनके आगे बहुत व्यस्त कार्यक्रम है। स्टार पेसर नसीम शाह को भी पिछले सप्ताह द हंड्रेड में खेलने के लिए एनओसी नहीं दी गई थी।

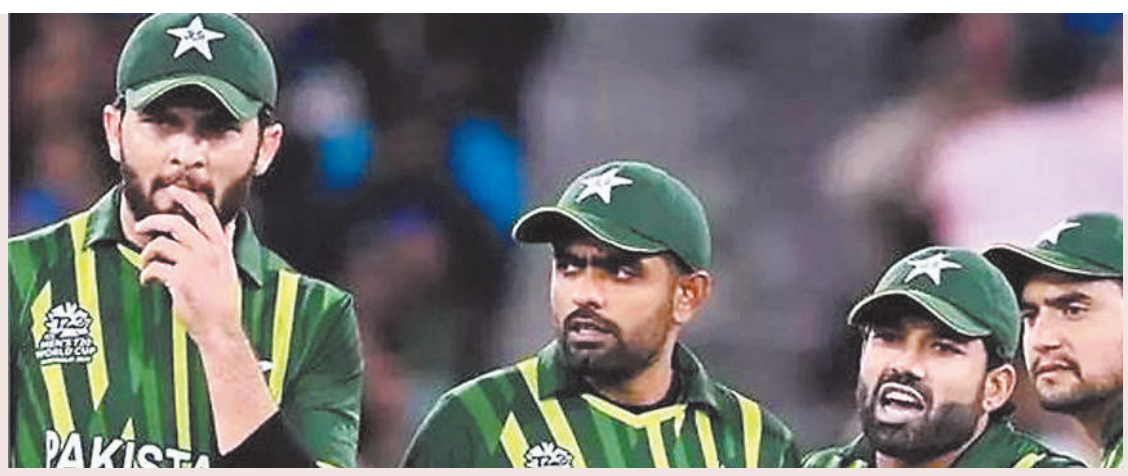

सूत्रों के हवाले से जियो न्यूज ने कहा, पाकिस्तान के क्रिकेटर द्वारा प्रस्तुत आवेदन की समीक्षा करने के बाद, एनओसी देने से इनकार करने का निर्णय एक निवारक उपाय के रूप में लिया गया है। नसीम के आवेदन को चोटों से बचाने के लिए खारिज कर दिया गया है क्योंकि युवा खिलाड़ी पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारूपों में खेलता है और पिछले साल चोटों और फिटनेस चुनौतियों का सामना किया है। स्टार तिकड़ी के अलावा मोहम्मद आमिर, मोहम्मद नवाज, आसिफ अली और इफ्तिखार अहमद के पास भी ग्लोबल टी 20 कनाडा अनुबंध हैं।

इस सप्ताह की शुरुआत में पीसीबी के अध्यक्ष नकवी ने कहा कि खिलाड़ियों को कुछ मानदंडों के आधार पर एनओसी मिलेगी। जो खिलाड़ी मानदंडों को पूरा करते हैं, उन्हें एनओसी मिलेगी। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा, खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस और प्रदर्शन के आधार पर पदोन्नत किया जाएगा। उन खिलाड़ियों के लिए कोई जगह नहीं है जो मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं।

संजू सैमसन को वनडे से बाहर रखने पर पूर्व क्रिकेटर डोड्डा गणेश ने बीसीसीआई पर साधा निशाना

नईदिल्ली (एजेंसी). पूर्व भारतीय क्रिकेटर डोड्डा गणेश ने बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) पर श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए वनडे टीम में संजू सैमसन को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने गुरुवार 18 जुलाई को श्रीलंका दौरे के लिए टीम की घोषणा की और कई चौंकाने वाले चयन किए। भारत का श्रीलंका दौरा 27 जुलाई से तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ शुरू होगा जिसके बाद 2 अगस्त से तीन टी20 मैच खेले जाएंगे।

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन जिम्बाब्वे के खिलाफ अंतिम मैच में अर्धशतक लगाने के बाद टी20आई टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे। हालांकि वह अपने आखिरी मैच में शतक लगाने के बावजूद वनडे टीम में जगह पाने में असफल रहे। सैमसन को वनडे से बाहर किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए डोड्डा गणेश ने बीसीसीआई पर उन्हें बाहर करने और उनकी जगह शिवम दुबे को चुनने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वनडे में संजू सैमसन की जगह शिवम दुबे को शामिल करना हास्यास्पद है। बेचारे संजू ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी पिछली सीरीज में शतक लगाया था। हमेशा वही क्यों?

गणेश ने एक्स पर लिखा, मैं इस युवा खिलाड़ी के लिए दिल से दुखी हूं। सैमसन ने 50 ओवर के प्रारूप में अपने आखिरी प्रदर्शन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 108 (114) रन बनाकर अपना पहला वनडे शतक लगाया। अपने करियर में अब तक खेले गए 16 वनडे मैचों में सैमसन ने 56.66 की औसत और 99.60 के स्ट्राइक रेट से एक शतक और तीन अर्द्धशतक के साथ 510 रन बनाए हैं।

इस बीच, सैमसन से पहले शिवम दुबे और रियान पराग ने वनडे टीम में जगह बनाई। दुबे ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2019 में आखिरी बार प्रारूप खेला था जिसके बाद उन्हें पांच साल बाद वनडे टीम में शामिल किया गया। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने प्रारूप में अपने एकमात्र प्रदर्शन में 9 रन बनाए और विकेट नहीं ले सके। दूसरी ओर, रियान पराग ने जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20आई श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद वनडे में अपना पहला प्रदर्शन किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सीरीज की दो पारियों में सिर्फ 24 रन बनाए।

सूर्यकुमार यादव टी20 तो रोहित वनडे सीरीज में संभालेंगे टीम इंडिया की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को श्रीलंका के खिलाफ भारत की टी20 सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया है, जबकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा वनडे चरण में टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। बीसीसीआई ने वीरवार शाम बैठक के बाद महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि पिछले महीने बारबाडोस में 2024 टी20 विश्व कप जीत के बाद जिम्बाब्वे में भारत को 4-1 से टी20 सीरीज जीताने वाले शुभमन गिल दोनों टीमों में उपकप्तान होंगे।

टी20 कप्तान

सूर्यकुमार, जो आईसीसी पुरुष टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर 2 पर हैं, ने सभी प्रारूपों में भारतीय घरेलू क्रिकेट सर्किट में मुंबई टीम की कप्तानी की है। उन्होंने वनडे विश्व कप फाइनल के बाद पिछले नवंबर में भारत को ऑस्ट्रेलिया पर 4-1 टी20 जीत दिलाई और फिर दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका में उनकी कप्तानी में भारत ने सीरीज 1-1 से ड्रा कराई। दिलचस्प बात यह है कि गिल को ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या से पहले नया टी20ई उप-कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार के साथ-साथ यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या और रवि बिश्नोई को सिर्फ टी20 सीरीज के लिए चुना गया है।

वनडे कप्तान

भारत की टी20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज।

भारत की वनडे टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

पेरिस ओलंपिक 2024 में खेलेगी इजरायली फुटबॉल टीम, फीफा ने प्रतिबंध पर फैसला टाला

ज्यूरिख (एजेंसी)। फीफा ने इजरायल को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से प्रतिबंधित करने के फलस्तीन के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया है, जिससे इजरायली फुटबॉल टीम पेरिस ओलिंपिक में खेल सकेगी। दो महीने पहले फलस्तीन के प्रस्ताव पर निष्पक्ष कानूनी आकलन की घोषणा के बाद फीफा को आमसभा की असाधारण बैठक में शनिवार को इस पर फैसला लेना था।

यह फैसला ओलिंपिक की फुटबॉल स्पर्धा शुरू होने से चार दिन पहले आता, जिसमें इजरायल को जापान, माली और पराग्वे के साथ एक ग्रुप में रखा गया है। फीफा ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रक्रिया पूरी करने में अभी और समय लगेगा यानी फैसला अब ओलिंपिक के बाद आएगा।

गुजरात टाइटन्स खरीदने की तैयारी में अडानी और टोरेंट ग्रुप

अहमदाबाद (एजेंसी)। अडानी समूह और टोरेंट समूह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स में नियंत्रक हिस्सेदारी की बिक्री के लिए निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स के साथ बातचीत कर रहे हैं। सीवीसी आईपीएल फ्रेंचाइजी में बहुमत हिस्सेदारी बेचने को तैयार है जबकि कुछ हिस्सेदारी बरकरार रखेगी। यह तब हुआ है जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की लॉक-इन अवधि, जो नई टीमों को हिस्सेदारी बेचने से रोकती है, फरवरी 2025 में समाप्त हो जाएगी। गुजरात टाइटन्स तीन साल पुरानी फ्रेंचाइजी है जिसकी कीमत 1 बिलियन डॉलर से 1.5 बिलियन डॉलर के बीच हो सकती है। सीवीसी ने 2021 में 5,625 करोड़ में फ्रेंचाइजी खरीदी थी। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, %2021 में आईपीएल की अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के मालिक बनने का मौका चूकने के बाद अडानी और टोरेंट दोनों गुजरात टाइटन्स में बहुमत हिस्सेदारी खरीदने के लिए आक्रामक रूप से होड़ कर रहे हैं। सीवीसी के लिए यह फ्रेंचाइजी में अपनी हिस्सेदारी का मुद्रीकरण करने का एक शानदार अवसर है। अन्य अधिकारी ने कहा, आईपीएल फ्रेंचाइजी निवेशकों का बहुत ध्यान आकर्षित कर रही हैं, क्योंकि लीग ने खुद को ठोस नकदी प्रवाह के साथ एक आकर्षक संपत्ति के रूप में स्थापित किया है। गौतम अडानी ने पहले ही महिला प्रीमियर लीग और यूएई वोर्ड इंटरनेशनल लीग टी 20 में टीमों का अधिग्रहण करके क्रिकेट में निवेश किया है।

कोहली की ब्रांड वैल्यू में भारी इजाफा

शाहरुख-रणवीर को पछाड़ बने सबसे महंगे सेलिब्रिटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट आइकन विराट कोहली बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और रणवीर सिंह को पछाड़कर भारत के सबसे महंगे सेलिब्रिटी बन गए हैं। क्रोल की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार कोहली की ब्रांड वैल्यू में 29त्न की वृद्धि हुई है, जो 227.9 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। यह उल्लेखनीय वृद्धि कोहली को भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की सूची में शीर्ष स्थान पर ले जाती है। रिपोर्ट सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट के क्षेत्र में दिलचस्प पैटर्न पर प्रकाश डालती है, जो ब्रांडों के साथ सेलिब्रिटीज के जुड़ाव में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है। साल-दर-साल तुलना में शीर्ष 20 हस्तियों ने अपने द्वारा प्राप्त ब्रांड एंडोर्समेंट की संख्या में 14.2त्न की वृद्धि देखी, यह प्रवृत्ति विज्ञापन उद्देश्यों के लिए टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफार्मों पर बढ़ते जोर के कारण है। विराट कोहली एंडोर्समेंट परिदृश्य पर हावी हैं, 227.9 मिलियन डॉलर के ब्रांड मूल्य पर कब्जा करते हुए सर्वोच्च स्थान हासिल किया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | @Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

बुलंदशहर में नकली दूध कारोबार का भंडाफोड़, दिल्ली-एनसीआर में होता सप्लाई

बुलंदशहर, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने यूपी के बुलंदशहर में नकली दूध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। टीम ने टैंकर में भरे 14 सौ लीटर नकली दूध का नमूना लेकर नष्ट कराया। टैंकर चालक की निशानदेही पर स्याना क्षेत्र के गांव बरौली बासुदेवपुर स्थित डेयरी पर छापा मारा। जांच में सामने आया कि यहां से गजरौला और सिकंदराबाद और दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई के लिए दूध भेजा जाता है। टीम ने बताया कि नकली दूध बनाने के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विनीत कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि सिकंदराबाद स्थित एक डेयरी पर नकली दूध का टैंकर पहुंच रहा है। जिसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच के लिए टैंकर को रोक लिया। टैंकर में लगभग 1400 लीटर दूध भरा हुआ था। जिसका नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया। नकली दूध की पुष्टि होने के बाद उसे नष्ट कर दिया गया। टैंकर चालक ने पूछताछ में बताया कि वह स्याना क्षेत्र के गांव बरौली बासुदेवपुर स्थित डेयरी से लेकर आया है। दूध को ग्लूकोज, रिफाइंड तेल आदि चीजों से तैयार किया है। टीम ने दूध को नष्ट करने के बाद स्याना क्षेत्र में बरौली बासुदेवपुर स्थित डेयरी पर जांच की। उसके बाद खानपुर के ग्राम शेखपुर गढ़वा स्थित डेयरी पर छापा मारा गया। जांच में सामने आया कि यहां से गजरौला और सिकंदराबाद के लिए दूध भेजा जाता है। टीम ने डेयरी से 15 किलो व्हे पाउडर, डेढ़ सौ लीटर लिक्विड ग्लूकोज, रिफाइंड समेत अन्य नकली दूध बनाने में काम आने वाली सामग्री को जब्त कर लिया गया। बताया कि नकली दूध बनाने के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी राममिलन राणा, महेश कुमार ,अमित कुमार, मनीशा शर्मा आदि मौजूद रहे।

तमिलनाडु के डिप्टी सीएम बनने वाले हैं उदयनिधि स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन अब उपमुख्यमंत्री बनने की तैयारी में हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि वह अगस्त में पद संभाल सकते हैं। कहा जा रहा है कि उदयनिधि ने ही सरकार में बड़े स्तर पर स्वीकृति हासिल करने और पिता का बोझ हल्का करने के लिए खुद के प्रमोशन पर जोर दिया था। हालांकि, पहले भी अटकलें थीं कि उन्हें डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है। एक रिपोर्ट में डीएमके के सूत्रों के हवाले से लिखा है कि उदयनिधि 22 अगस्त से पहले डिप्टी सीएम बनाए जाने वाले हैं। सीएम स्टालिन के अमेरिका दौरे से पहले उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। अखबार से बातचीत में एक वरिष्ठ मंत्री ने कहा है कि यह पद उदयनिधि पर थोपा नहीं जा रहा है, बल्कि उन्होंने खुद इसके लिए अनुरोध किया है। मंत्री ने कहा, अगर वह अनिच्छुक नेता होते, तो और जिम्मेदारी वाला पद नहीं मांगते। उनके युवा और सेलेब्रिटी स्टेटस के कारण इन अफवाहों को हवा मिली। खास बात है कि डिप्टी सीएम बनने के बाद उदयनिधि 2026 विधानसभा चुनाव में और अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार हो जाएंगे। खास बात है कि राज्य में अटका कैबिनेट फेरबदल भी होना है। अखबार से बातचीत में डीएमके के एक नेता ने कहा, फेरबदल को लेकर अब तक अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन कई मंत्रियों के प्रदर्शन को ध्यान में रखा जाएगा। जनवरी 2024 में सीएम स्टालिन बेटे के प्रमोशन को लेकर जारी चर्चाओं को अफवाह बता चुके हैं। साथ ही उन्होंने इसे विरोधियों का काम करार दिया था। उस दौरान उन्होंने उदयनिधि की ही बात को दोहराया था कि उन्हें मिलाकर कैबिनेट के सभी मंत्री सीएम के डिप्टी के तौर पर काम कर रहे हैं। बीते साल सितंबर में एक कार्यक्रम के दौरान उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से कर दी थी। उन्होंने कहा था, कुछ चीजों का विरोध नहीं किया जा सकता, उन्हें सिर्फ खत्म किया जा सकता है। हम डेंगू, मच्छरों, मलेरिया या कोरोना वायरस का विरोध नहीं कर सकते। हमने इन्हें जड़ से खत्म करना होगा। ऐसे ही हमें सनातन को भी खत्म करना होगा।

हमले के बाद हिंदुओं को घर छोड़ भागना पड़ा, झारखंड में कश्मीर जैसे हालातः सांसद निशिकांत दुबे

पाकुड़, एजेंसी। झारखंड के पाकुड़ में एक लड़की का वीडियो वायरल करने वाले आरोपी की पिटाई के बाद जमकर हिंसा हुई। पथराव और तोड़फोड़ की गई। यहां तक कि पुलिस को भी निशाना बनाया गया। पथराव में तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि हिंदुओं के घरों को इस कदर निशाना बनाया गया कि उन्हें जान बचाकर पलायन करना पड़ा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और सांसद निशिकांत दुबे ने कहा है कि झारखंड के संथाल परगना में हालात कश्मीर जैसे हो गए हैं।

हिंसा के बाद गांव का वीडियो साझा करते हुए सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, झारखंड में कांग्रेस के शासन में यह पाकुड़ का तारानगर इलामी गांव वीरान हो गया। दोष क्या, एक नाबालिग लड़की का वीडियो बनाकर मुस्लिम लड़का ब्लैकमेल कर रहा था। विरोध करने पर पूरे हिंदू को ही गांव छोड़ने के लिए पश्चिम बंगाल से बांग्लादेशी घुसपैठिया आ गए। झारखंड पुलिस अब पश्चिम बंगाल के लोगों के हाथों असहाय। संथालपरगना कश्मीर घाटी बनने की राह पर, जहां हिंदू विस्थापित हुए अपने ही देश में। बाबू लाल

मरांडी ने इस घटना के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा, जब रोम जल रहा था, तब नीरो बंसी बजा रहा था। आज के संदर्भ में ये बात हेमंत सोरेन पर भी सटीक लागू होती है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि झारखंड का संथाल परगना क्षेत्र बांग्लादेशी घुसपैठियों के आतंक की आग में झुलस रहा है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भ्रमण में व्यस्त हैं। घुसपैठियों के आतंक से संथाल परगना के आदिवासी मूलवासी अब अपने घरों से ही पलायन करने को विवश हो चुके हैं। मरांडी ने आरोप लगाया कि मुस्लिम तुष्टिकरण में हिंदुओं पर हमले के बाद कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा, झारखंड के हालात 90 के दशक की कश्मीर और वर्तमान बंगाल-केरल के जैसे बदतर बनते जा रहे हैं, जहां राज्य सरकारें मुस्लिम तुष्टिकरण की आड़ में हिन्दुओं के उपर हो रहे हमले को देखकर आंखे मूंद ले रही है।

उन्होंने कहा कि पाकुड़ के तारानगर गांव में मुस्लिम युवक द्वारा युवती को ब्लैकमेल किए जाने का विरोध करने पर बांग्लादेशी घुसपैठयों ने हिन्दुओं के घरों पर हमले कर दिए। ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की चुप्पी बताती है कि उनकी सरकार का मौन समर्थन इन घुसपैठियों को प्राप्त है। मरांडी ने कहा, हेमंत जी, याद रखिए झारखंड को तालिबान नहीं बनने दिया जाएगा... आपकी सरकार कुछ महीनों की मेहमान है। फिर इन घुसपैठियों और उनके सरपरस्तों को भी प्रदेश से बाहर खदेड़ा जाएगा। पाकुड़ के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तारानगर गांव में लड़की का फोटो/वीडियो वायरल करने के आरोपी युवक से मारपीट के बाद दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। झड़प की सूचना पर पहुंची पुलिस पर भी एक पक्ष के लोगों ने जमकर पथराव किया। इसमें तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। वहीं पुलिस की दो गाड़ी भी क्षतिग्रस्त कर दी गई। ग्रामीणों के अनुसार, नवादा गांव में एक मुस्लिम समुदाय के लड़के ने हिंदू लड़की की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद लड़की के परिजनों ने आरोपी लड़के के साथ बुधवार को मारपीट की थी। लड़के को बचाने गई उसकी मां के साथ भी मारपीट की गई। इस बात पर गुरुवार की सुबह सांप्रदायिक हिंसा हो गई। पाकुड के डीसी मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने कहा कि प्रशासनिक कार्रवाई के बाद गांव में स्थिति शांतिपूर्ण है। धारा 144 लागू कर दी गई है।

पुलिस ने चौकी में 4 दोस्तों को बेरहमी से पीटा, जेब में रखे पैसे निकाले; ऑडियो वायरल होने पर 3 निलंबित

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में एक बार फिर खाकी पर दाग लगा है। ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी मोड़ पर कार नहीं रोकने की बात कहकर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने चार युवकों को चौकी में बंद कर बुरी तरह पीटा। मारपीट के दौरान का ऑडियो एक पीड़ित युवक के मोबाइल में रिकॉर्ड हो गया। सोशल मीडिया पर इसके वायरल होने और पीड़ितों के परिजनों द्वारा शिकायत करने के बाद गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस के एक ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर, एक कांस्टेबल और एक हेड कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया।

नोएडा के सलारपुर गांव का रहने वाला एक युवक ग्रेटर नोएडा के एक कॉलेज से बीकॉम की पढ़ाई कर रहा है। छात्र ने बताया कि रविवार को वह और उसके तीन दोस्त खरीदारी करने के लिए कार से सूरजपुर जा रहे थे। जब वह कुलेसरा पुल से आगे हल्दौनी मोड़ पर पहुंचे तो अचानक उनकी कार के आगे एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी आ गया। पुलिसकर्मी ने कार चला रहे युवक से कहा कि पीछे एक सिपाही ने तुम्हें हाथ दिया था तो गाड़ी क्यों नहीं रोकी। इस पर युवक ने कहा कि सर मुझे किसी ने हाथ नहीं दिया और मुझे कोई पुलिसकर्मी दिखाई नहीं दिया।

इसी बीच पुलिसकर्मी ने कार की चाबी निकाल ली और चारों युवकों को नजदीक की कुलेसरा पुलिस चौकी ले गया। पीड़ित युवक ने बताया कि वहां पहले से 8-10 पुलिसकर्मी मौजूद थे। पुलिसकर्मियों ने चारों युवकों को चौकी में बंद कर मारपीट करना शुरू कर दिया। इस दौरान एक युवक की पैंट की जेब में रखे मोबाइल में पिटाई के दौरान का ऑडियो रिकॉर्ड हो गया। इसमें पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट करने, अपशब्द कहने और युवकों के चिल्लाने की आवाज सुनाई दे रही है। पुलिसकर्मी इसके बाद उन्हें ईकोटेक तीन कोतवाली ले गए। पीड़ित छात्रों का आरोप है कि उन्हें छोड़ने के लिए 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई। पीड़ित युवकों ने पैसा देने से मना कर दिया तो उनकी जेब में रखे तीस हजार रुपए निकाल लिए गए।

सेब के बागानों पर लगी अल्टरनेरिया बीमारी को महामारी घोषित करने की मांग

5 हजार करोड़ के नुकसान का खतरा

शिमला, एजेंसी। कांग्रेस विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने गुरुवार को राज्य सरकार से सेब के बागानों पर लगी अल्टरनेरिया बीमारी को महामारी घोषित करने की मांग की और इस बीमारी की रोकथाम के लिए केंद्र से भी सहयोग करने का आग्रह किया है। प्रदेश की पांच हजार करोड़ की सेब आर्थिकी पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। सेब के बगीचे अल्टरनेरिया नामक बीमारी की चपेट में आ गए हैं जिसका सीधा असर सेब के आकार और रंग पर हो रहा है। सेब के पत्ते समय से पहले ही झड़ रहे हैं जिस वजह से प्रदेश के बागवान खासे चिंतित हैं। शिमला में पत्रकार वार्ता कर कांग्रेस विधायक एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता राठौर ने सेब पर फैली इस बीमारी को महामारी घोषित करने की मांग की है और केंद्र सरकार से भी बीमारी की रोकथाम के लिए सहयोग की बात कही है। राठौर ने कहा कि अल्टरनेरिया बीमारी प्रदेश के कई इलाकों में महामारी का रूप धारण कर चुकी है। कुछ इलाकों में 95 फ़ीसदी बगीचे बीमारी की चपेट में आ गए हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार केंद्र सरकार से बातचीत कर इसकी रोकथाम के लिए कदम उठाए। कई साल पहले स्कैब बीमारी हुई थी.... उन्होंने कहा कि इससे पहले 1982-83 में भी सेब पर स्कैब बीमारी लग गई थी जिस पर समय रहते कदम उठाए गए और केन्द्र से मदद ली गई। राज्य सरकार गम्भीरता को समझते हुए अल्टरनेरिया बीमारी की रोकथाम के लिए कदम उठाए और केंद्र से भी मुद्दे को उठाने का काम करे। हालांकि, बागवानी विभाग ने टीमें भेजी हैं, लेकिन इस बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए अनुसंधान की भी जरूरत है। मार्केट में उपलब्ध दवाइयों की गुणवता पर भी सवाल उठ रहे हैं इसकी भी मॉनिटरिंग होनी चाहिए। इसके अलावा विदेशों से आयात हो रहे सेब के पौधों पर भी शक की नजरें है। इन पौधों का क्वारंटाइन होना चाहिए।

कांवड़ रूट पर नाम विवाद के बीच बीजेपी नेता नकवी का छलका दर्द, कहा- जनम जात मत पूछिए

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 22 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा से पहले पुलिस ने दुकानदारों के नामों को बड़े अक्षर में लिखने के लिए कहा है। मुजफ्फरनगर के साथ-साथ शामली और सहारनपुर जिलों में भी पुलिस ने ऐसा ही आदेश जारी किया है। इस आदेश के बाद विवाद बढ़ गया है। अब खुद बीजेपी के वरिष्ठ मुस्लिम नेता ने अपनी ही सरकार के अधिकारियों को घेरा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आस्था का सम्मान होना चाहिए, लेकिन अस्पृश्यता का संरक्षण नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने पंक्तियां लिखते हुए कहा, जनम जात मत पूछिए। नकवी ने भले ही अपने पोस्ट में कहीं भी कांवड़ यात्रा या दुकानदारों के नामों को लिखे जाने के आदेश का जिक्र नहीं किया है, लेकिन पोस्ट से साफ है कि दुकानदारों के नामों पर उपजे विवाद पर ही उनका दर्द छलका है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

एक्स पर लिखा, कुछ अति-उत्साही अधिकारियों के आदेश हड़बड़ी में गडबड़ी वाली, अस्पृश्यता की बीमारी को बढ़ावा दे सकते हैं। आस्था का सम्मान होना ही चाहिए, पर अस्पृश्यता का संरक्षण नहीं होना चाहिए। जनम जात मत पूछिए, का जात अरु पात। रैदास पूत सब प्रभु के,कोए नहिं जात कुजात। वहीं, पुलिस-प्रशासन के इस कदम का समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा चीफ मायावती समेत कई विपक्षी नेताओं खुलकर विरोध जताया है।

अखिलेश यादव ने आदेश को लेकर एक अखबार में प्रकाशित खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर कहा, ...और जिसका नाम गुड्डू, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा? उन्होंने कहा, माननीय न्यायालय स्वतः संज्ञान ले और ऐसे प्रशासन के पीछे के शासन तक की मंशा की जांच करवाकर उचित दंडात्मक कार्रवाई करे। ऐसे आदेश सामाजिक अपराध हैं, जो सौहार्द के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ना चाहते हैं। वहीं, बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर कहा,पश्चिमी उप्र व मुजफ्फरनगर जिला के कांवड़ यात्रा मार्ग में पड़ने वाले सभी होटल, ढाबा, ठेला आदि के दुकानदारों को मालिक का पूरा नाम प्रमुखता से प्रदर्शित करने का नया सरकारी आदेश एक गलत परम्परा है जो सौहार्दपूर्ण वातावरण को बिगाड़ सकता है। जनहित में सरकार इसे तुरंत वापस ले।

ओवैसी ने कहा- यूपी सरकार अस्पृश्यता को बढ़ावा दे रहीः ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भी कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए जारी किए गए परामर्श को लेकर बीजेपी नीत उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस संबंध में लिखित आदेश जारी करने की चुनौती दी। हैदराबाद के सांसद ने इसे स्पष्ट रूप से भेदभावपूर्ण आदेश करार दिया और आरोप लगाया कि यह दर्शाता है कि सरकार उत्तर प्रदेश और पूरे देश में मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाना चाहती है।

कमला हैरिस अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित, वेंस के खिलाफ टिप्पणी पर तुलसी गबार्ड ने साधा निशाना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कांग्रेस की पूर्व सदस्य तुलसी गबार्ड ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर निशाना साधा। गबार्ड ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथी जेडी वेंस के खिलाफ टिप्पणी को लेकर उपराष्ट्रपति की आलोचना की। गबार्ड ने कहा कि हैरिस अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित हैं, उन्हें उपराष्ट्रपति के पद पर नहीं रहना चाहिए।

बता दें कि ट्रंप ने जेडी वेंस को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना प्रत्याशी चुना है, जिसके बाद कमला हैरिस ने वेंस पर टिप्पणी की। कमला ने अमेरिकियों को चेतावनी दी थी कि वेंस केवल ट्रंप के प्रति वफादार रहेंगे, अमेरिका के प्रति नहीं। गबार्ड ने हैरिस को अतीत की याद दिलाई और कहा कि जेडी वेंस ने 9/11 के हमलों के बाद खुद को मरीन कॉर्प्स में भर्ती कराया। 2005 में उन्हें इराक में तैनात किया गया। उन्होंने पूछा, क्या कमला हैरिस किसी भी समय हमारे देश की सेवा में अपनी जान की बाजी लगाने को तैयार थीं। हवाई की पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष का यह बयान कमला हैरिस के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने बुधवार को कहा था कि जेडी वेंस डोनाल्ड ट्रंप और उनके चरम

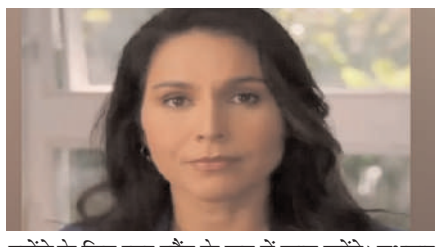

एजेंडे के लिए रबर स्टैंप के रूप में काम करेंगे। बुधवार को जारी एक वीडियो में, हैरिस ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नए साथी जेडी वेंस को चुना है। ट्रंप किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में थे, जिसे वह जानते थे कि वह उनके चरम एजेंडे के लिए रबर स्टांप होगा। उन्होंने आगे कहा, कोई गलती न करें, जेडी वेंस केवल ट्रंप के प्रति वफादार होंगे, हमारे देश के प्रति नहीं। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हैरिस ने कहा, यदि वेंस निर्वाचित होते हैं तो वह ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए चरम परियोजना 2025 को लागू करने में मदद करेंगे, जो हेड स्टार्ट और मेडिकेयर जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को लक्षित करेगा।

राष्ट्रपति जो बाइडन को कोविड-19 के कारण सांस से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है- व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन तीसरी बार कोविड पॉजिटिव पाए गए। बाइडन के स्वास्थ्य को लेकर व्हाइट हाउस ने बताया कि उन्हें कोविड-19 के कारण सांस से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए उन्हें लगातार पैक्स्लोविड दिया जा रहा है। राष्ट्रपति बाइडन के चिकित्सक डॉ. केविन ओकोनोर ने बताया कि उन्हें (बाइडन) को बुखार नहीं है और कोविड-19 के लक्षण सामान्य है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान पर डॉ. केविन ने कहा, कोविड-19 के कारण राष्ट्रपति को सांस से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें लगातार पैक्स्लोविड दिया जा रहा है। उन्हें बुखार नहीं है। वह अपना काम करते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति की अनुमति के अनुसार, मैं आपको उनके स्वास्थ्य को लेकर जानकारी साझा करता रहूंगा। जैसा कि हमने पहले भी किया है।

लास वेगस में कार्यक्रम में शामिल होने के बाद हुए कोविड-19 पॉजिटिवः बता दें कि 81 वर्षीय बाइडन लास वेगास में एनएएसीपी नेशनल कंवेंशन में शामिल होने के बाद बुधवार को कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। लास वेगास में हुए इस सम्मेलन में उन्होंने ट्रंप की नीतियों की जमकर आलोचना की थी। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका में गोलीबारी की बढ़ती घटनाओं की भी निंदा की।

व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, वह (बाइडन) डेलावेयर लौट आएंगे। यहां वे खुद को सेल्फ आइसोलेट करेंगे और यहीं से अपना काम जारी रखेंगे। राष्ट्रपति बाइडन वैक्सीन और बुस्टर शॉट ले चुके हैं। लास वेगास से लौटते समय उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि वह ठीक है और एयरफोर्स के विमान में चढ़ने के दौरान उन्हें बिना मास्क के देखा गया था।

तीन बार हो चुके हैं कोविड पॉजिटिवः कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद राष्ट्रपति बाइडन ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा, दोपहर को मैं कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया। मैं ठीख महसूस कर रहा हूं। शुभकामनाओं के लिए सभी का धन्यवाद। जुलाई 2022 में जो बाइडन पहली बार कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। इसके बाद भी वह एक बार और कोविड संक्रमित हुए थे। इस दौरान उन्हें आइसोलेशन में रखा गया था।

भ्रष्टाचार मामले में चीन ने अपने शीर्ष मंत्रियों को दिखाया बाहर का रास्ता

बीजिंग, एजेंसी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने गुरुवार को अपने सबसे बड़े शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय की बैठक के दौरान अपने पूर्व विदेश और रक्षा मंत्रियों, किन गैंग और ली शांगफू को अपनी केंद्रीय समिति से हटा दिया। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि पिछले साल दोनों अधिकारियों को उनके पदों से हटा दिया गया था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने गुरुवार को अपनी लंबे समय से विलंबित तीसरी पूर्ण बैठक समाप्त कर दी।205 सदस्यीय केंद्रीय समिति की बैठक लगभग हर पांच साल में एक बार आयोजित की जाती है ताकि देश की दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक नीतियों की सामान्य दिशा तय की जा सके। ऐसी बैठकों में केंद्रीय समिति के सदस्यों को हटाने की भी मंजूरी दी जाएगी। जानकारी के अनुसार

पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग और पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को सीसीपी में प्रमुख पदों से हटाया गया

है।

ली शांगफू पर भारी रिश्वत लेने और राजनीतिक जिम्मेदारियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया था, जिससे पार्टी और राष्ट्रीय रक्षा को काफी नुकसान पहुंचा।किन गैंग, जिन्हें केवल सात महीने बाद ही बदल दिया गया था, सार्वजनिक रूप से नज़र नहीं आ रहे हैं, जिससे आंतरिक सत्ता संघर्ष के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं।यह कदम राष्ट्रपति शी जिनपिंग के व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को हटाया गया है। कम्युनिस्ट पार्टी ने बृहस्पतिवार को अपनी केंद्रीय समिति से बर्खास्त विदेश मंत्री किन गांग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया तथा पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और दो अन्य शीर्ष जनरलों को पार्टी से निष्कासित करने के निर्णय का समर्थन किया। यह निर्णय बृहस्पतिवार को यहां संपन्न हुई पार्टी की केंद्रीय समिति की शीर्ष स्तरीय बैठक के दौरान लिया गया।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के तीसरे पूर्ण अधिवेशन नामक चार दिवसीय सत्र के अंत में जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अर्थव्यवस्था में सुधार के उपायों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई बैठक में कॉमरेड किन गांग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। किन (58) चीन के सबसे कम समय तक विदेश मंत्री रहने के बाद 2023 में अचानक सार्वजनिक तौर पर दिखना बंद हो गये थे, जिसके बाद सरकार में उनके शेष पद भी छीन लिए गए। उन्हें पद से हटाए जाने के कारणों के बारे में अब भी कोई जानकारी नहीं है। उनके पते-ठिकाने की भी जानकारी नहीं है। उनके इस्तीफे को स्वीकार करते हुए हालांकि केंद्रीय समिति ने अब भी किन को कॉमरेड (साथी) कहा है। इसके बाद किन का स्थान उनके पूर्ववर्ती वांग यी ने ले लिया जो पार्टी के उच्चस्तरीय पोलित ब्यूरो के सदस्य भी हैं। तीसरे पूर्ण अधिवेशन में जनरल ली शांगफू और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दो अन्य वरिष्ठ जनरलों ली यूचाओ और सन जिनमिंग को पार्टी से निष्कासित करने के पोलित ब्यूरो के पहले के फैसले की भी पुष्टि की गई। रक्षा मंत्री बनने से पहले देश के रॉकेट (मिसाइल) बल का नेतृत्व करने वाले ली शांगफू पर कथित भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा था। ली यूचाओ, जो रॉकेट फोर्स का भी हिस्सा थे, को ली शानफू के साथ बर्खास्त कर दिया गया। बैठक में पीएलए के एक अन्य शीर्ष अधिकारी जनरल सुन जिनमिंग को भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के लिए पार्टी से निकाले जाने के निर्णय का भी समर्थन किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129